@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 11 मार्च 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 121 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

योगी सरकार के पांच बड़े फैसले

लखनऊ, 10 मार्च। राजधानी लखनऊ में सोमवार को सूबे की योगी सरकार की मंत्रिपरिषद की बैठक की गई। बैठक लोकभवन में आयोजित की गई। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि कुल 19 प्रस्तावों पर चर्चा हुई। सभी को सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई है। इन प्रस्तावों में स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन, शहरी विकास और कर्मचारी कल्याण से जुड़े कई अहम निर्णय शामिल हैं। बलिया में मेडिकल कॉलेज बनाने का फैसला लिया गया था। यह स्वतंत्रता सेनानी चित्तू पांडेय के नाम पर होगा। मंत्रिपरिषद की बैठक में इसके लिए 14.05 एकड़ भूमि को निःशुल्क हस्तांतरण की मंजूरी दे दी गई। यह भूमि जिला कारागार से चिकित्सा शिक्षा विभाग को हस्तांतरित की गई है। इसमें 12.39 एकड़ में मेडिकल कॉलेज का निर्माण और शेष भूमि पर स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय चित्तू पांडेय की स्थापित मूर्ति का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। मंत्रिपरिषद की बैठक में बुलंदशहर में नर्सिंग कॉलेज की स्थापना के लिए भूमि हस्तांतरित करने का निर्णय लिया गया है। 4570 वर्ग मीटर भूमि राजकीय कृषि विद्यालय के नाम पर दर्ज है। इसे चिकित्सा शिक्षा विभाग को निःशुल्क हस्तांतरित करने का फैसला लिया गया है। यह भूमि ग्राम वलीपुरा में स्थित है। ज्ञात हो कि प्रदेश के 27 स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालयों में नर्सिंग कॉलेज की स्थापना की जा रही है। इसी क्रम में स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, बुलंदशहर परिसर में नर्सिंग कॉलेज के लिए भूमि उपलब्ध नहीं थी। अब इसकी व्यवस्था कर दी गई है। मंत्रिपरिषद की बैठक में सैफई (इटावा) स्थित उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय में ऑब्स एंड गायनी ब्लॉक के निर्माण के लिए प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। 300 बेड के अस्पताल में पीडियाट्रिक ब्लॉक को भी शामिल किया गया है। इसके लिए 23217.17 लाख रुपये के वित्तीय एवं प्रशासकीय प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। प्रदेश में गेहूं की खरीद 17 मार्च से 15 जून 2025 तक की जाएगी। इसके लिए खाद्य विभाग की विपणन शाखा सहित कुल आठ एजेंसी प्रदेशभर में लगभग 6,500 क्रय केंद्र खोलेंगी। यह खरीद केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित 2425 रुपये के समर्थन मूल्य पर की जाएगी।

ट्रंप की टैरिफ धमकियों के बीच एफटीओ पर भारत-ईयू वार्ता

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 10 मार्च। भारत और 27 देशों के यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच 10वें दौर की मुक्त व्यापार समझौता (एफटीओ) वार्ता 10 से 14 मार्च को ब्रसेल्स में होगी। यह वार्ता ऐसे वक्त में हो रही है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से उच्च टैरिफ लगाने की आशंका बनी हुई है। एक अधिकारी के मुताबिक, दोनों ही पक्ष समझौते को इस साल के अंत तक अंतिम रूप देने की कोशिश में हैं। यूरोपीय संघ के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविक की हालिया यात्रा के दौरान, दोनों पक्षों ने एफटीए वार्ता को तेजी से आगे बढ़ाने पर बात की थी। इससे पहले बीते महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के बीच भी इस साल के अंत तक समझौते को पूरा करने पर सहमति बनी। भारत और ईयू के बीच एफटीए वार्ता 2013 में रुक गई थी, क्योंकि दोनों पक्षों के बीच बाजार खोलने के स्तर को लेकर मतभेद थे। हालांकि, जून 2022 में वार्ता फिर से शुरू हुई। इसके अलावा, निवेश सुरक्षा समझौते और भौगोलिक संकेत (जीआई) समझौते पर भी चर्चा हो रही है। थिंक टैंक वैश्विक व्यापार अनुसंधान पहल (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव कहते हैं कि सरकारी खरीद, निवेश संरक्षण और कार्बन सीमा समायोजन तंत्र (सीबीएएम) जैसे पर्यावरण नियम वार्ता को और पेचीदा बनाते हैं। हालांकि, इन चुनौतियों के बावजूद, दोनों पक्षों के बीच एक सफल समझौता द्विपक्षीय व्यापार को बड़ा फायदा मिल सकता है। वित्त वर्ष 2024 में भारत-ईयू का कुल व्यापार 190 अरब डॉलर से अधिक हो गया था। जीटीआरआई के मुताबिक, दोनों पक्षों के बीच कई अहम मुद्दे अब भी अनसुलझे हैं। खासतौर से कृषि शुल्क, विशेष रूप से डेयरी और शराब के आयात शुल्क, ऑटोमोबाइल शुल्क सहित श्रम-प्रधान वस्तुओं पर असर डालने वाली नियामक बाधाएं अभी भी बनी हुई हैं। एफटीए वार्ता में कृषि अत्यधिक संवेदनशील क्षेत्र बना हुआ है। ईयू चाहता है कि भारत डेयरी

उत्पादों (जैसे चीज और स्किम्ड मिल्क पाउडर) पर आयात शुल्क घटाए, लेकिन भारत अपने घरेलू डेयरी उद्योग की रक्षा के लिए इन्हें उच्च रखता है। वहीं, ईयू चाहता है कि भारत यूरोपीय कारों पर आयात शुल्क घटाए, लेकिन भारत अपने स्थानीय कार निर्माताओं की सुरक्षा को लेकर सतर्क है। भारत की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री देश की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो इसके विनिर्माण सकल घरेलू उत्पाद का एक तिहाई हिस्सा है और 4 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देता है। यदि पूरी तरह से निर्मित कारों पर आयात शुल्क कम किया जाता है, तो भारतीय वाहन निर्माताओं को नुकसान हो सकता है। ईयू चाहता है कि भारत शराब पर टैक्स घटाए। यूरोपीय शराब उत्पादक भारत में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। फिलहाल, भारत में आयातित शराब पर 150 फीसदी आयात शुल्क लगता है। ईयू चाहता है कि भारत इसे 30-40 फीसदी तक घटा दे। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के साथ अपने आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (ईसीटीए) में वाइन पर 10 वर्षों में टैरिफ को 50 फीसदी तक घटाने की इजाजत दी थी।

महाराष्ट्र बजट में कृषि के साथ रोजगार पर जोर

नरेश मल्होत्रा

मुंबई, 10 मार्च। महाराष्ट्र के वित्त वर्ष 2025-26 का बजट 10 मार्च को उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री अजित पवार ने पेश किया । इसमें कृषि, सिंचाई और नई औद्योगिक नीति पर सरकार को जोर रहा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार जो कि राज्य के वित्त मंत्री भी है उन्होंने सोमवार को देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुती सरकार का 2025-26 वित्त वर्ष का बजट पेश किया। यह राज्य विधानसभा में उनके द्वारा पेश किया जाने वाला 11वां राज्य बजट है। बजट सत्र से पहले सरकार के सामने मुख्य चुनौती अपने राजस्व को बढ़ाने और पूंजीगत व्यय को बढ़ावा देने के नए तरीके खोजना है क्योंकि राज्य ने पिछले पांच वर्षों में दो अलग-अलग सरकारों के साथ महत्वपूर्ण राजनीतिक उथल-पुथल का दौर रहा है। सरकार का लक्ष्य 2047 तक मुंबई महानगर क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को 140 बिलियन डॉलर से 300 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने का का है और मुंबई महानगर क्षेत्र को एक प्रमुख विकास केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसका लक्ष्य 2047 तक 1.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था तक पहुंचना है। अजीत पवार ने बजट पेश करते हुए कहा कि महाराष्ट्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता कृषि रही है। जिसमें किसानों की आय को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया है। उत्पादकता को बढ़ाने के लिए खेती में आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस (एआई) को बढ़ावा दिया जाएगा। सभी सिंचाई परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रीत करते हुए उनका विस्तार किया जाएगा, जिसके लिए आवश्यक धनराशि आवंटित की गई है, इसके अलावा हम लगातार सौर ऊर्जा के विस्तार को बढ़ाव दे रहे हैं। सांगली जिले में म्हैसल उपसा सिंचाई योजना के लिए 1,594 करोड़ रुपये की 200 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना को मंजूरी दी गई है। इस बीच, गोसीखुर्द राष्ट्रीय परियोजना ने दिसंबर 2024 तक 12,332 हेक्टेयर के लिए सिंचाई क्षमता का सृजन कर दिया है। 2025-26 के लिए प्रस्तावित 1,460 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ, यह परियोजना जून 2026 तक पूरी होने की राह पर है। बजट में वित्त मंत्री अजीत पवार ने मोटर वाहन कर की दर में 1 प्रतिशत की वृद्धि करने की घोषणा की है। वर्तमान में व्यक्तिगत स्वामित्व वाले गैर परिवहन चार पहिया सीएनजी और एलपीजी वाहनों पर वाहक के प्रकार और कीमत के आधार पर 7 प्रतिशत से 9 प्रतिशत की दर से मोटर वाहन कर लगाया जाता रहा है। प्रस्तावित वृद्धि से 2025-26 में राज्य के लिए लगभग 150 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व इससे सरकार को मिलेगा। महाराष्ट्र सरकार ने 30 लाख रुपये से अधिक कीमत वाले इलेक्ट्रिक वाहनों पर 6 प्रतिशत की दर से मोटर वाहन कर लगाने का प्रस्ताव किया है। सरकार ने कहा है कि कर केवल उन इलेक्ट्रिक वाहनों पर लगाया जाता है जिनकी कीमत 30 लाख रुपये से अधिक है।

बजट में महाराष्ट्र सरकार ने स्टॉम्प अधिनियम धारा 4 के तहत पूरक दस्तावेजों पर स्टॉम्प शुल्क को 100 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये करने का प्रस्ताव दिया है। महाराष्ट्र की समुद्री विकास नीति 2023 में बंदरगाह विकास, यात्री नौवहन और तटीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई तरह के छूट प्रदान की गई है। वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में यात्री नौवहन और तटीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नीति में यात्री और बंदरगाह करों से छूट प्रदान की गई है। इसके अलावा, बंदरगाह समझौतों की अधिकतम अवधि को बढ़ाकर 90 वर्ष कर दिया गया है, जिससे इस क्षेत्र में दीर्घकालिक निवेश स्थिरता सुनिश्चित होगी। एक जिला एक उत्पाद की पहल को लागू करने की तैयारी का प्रस्ताव महाराष्ट्र सरकार ने दिया है। इस पर बोलते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा इसे जल्द लागू किया जाएगा। जिसमें जिलों को निर्यात केंद्र के रूप में विकसित किए जाने की योजना है। राज्य ने एक लॉजिस्टक्स नीति भी तैयार की है। इसके तहत 10,000 एकड़ जमीन लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे के विकास के विकसित की जाएगी। अजीत पवार ने कहा कि हम जल्द ही औद्योगिक नीति 2025 की घोषणा करेंगे। इस नीति के तहत 20 लाख करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित करना है और 50 लाख नौकरियां पैदा करनी है। सर्कुलर अर्थव्यवस्था के लिए एक अलग क्षेत्रीय नीति विकसित की जाएगी और नए श्रम कानून पेश किए जाएंगे। पवार बजट भाषण कहा कि राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश हो रहा है। बुनियादी ढांचे में सरकार के निवेश के कारण घरेलू और विदेशी निवेश दोनों बढ़ रहे हैं। नतीजतन, रोजगार बढ़ रहा है और आय बढ़ रही है। सरकार ने इसे दावोस में विश्व आर्थिक मंच में 56 कंपनियों के साथ हुए 5.72 ट्रिलियन रुपये के समझौता ज्ञापनों के मद्देनजर नई रोजगार सृजन को बढ़ावा देगा। सरकार मेट्रो को हवाई अड्डो से जोड़ेगी, जिसमे मुंबई मेट्रो छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को नए नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे जोड़े जाएंगे। बजट में प्रमुख घोषणाओं में से एक वधावन बंदरगाह के पास मुंबई के तीसरे हवाई अड्डे का प्रस्ताव था, जिसके 2030 तक चालू होने की उम्मीद है इसके अलाचा सरकार 1,500 किलोमीटर की नई सड़के बनाएंगी। तीर्थयात्रियों के लिए एक प्रमुख केंद्र शिरडी हवाई अड्डे पर जल्द ही पहुंच में सुधार के लिए रात्रि लैंडिंग की सुविधा होगी। महाराष्ट्र के बजट में नई स्वास्थ्य और वरिष्ठ नागरिक नीति की योजना को भी शामिल किया गया है। जिसमें वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान की सभी सुविधाएं दी जाएगी। बजट में महाराष्ट्र के तकनीकी वस्त्र मिशन की शुरुआत की गई है। इस मिशन का उद्देश्य ऑटोमोटिव, स्वास्थ्य सेवा और रक्षा सहित विभिन्न उद्योगों की जरूरतों को पूरा करने वाले वस्त्रों के उत्पादन को बढ़ाना है, जिससे महाराष्ट्र उन्नत वस्त्र निर्माण में अग्रणी बन सके। वहीं महाराष्ट्र में सरकारी मैत्री पोर्टल की शुरुआत की गई है, यह औद्योगिक लाइसेंसिंग को सरल बनाने पर भी काम कर रही है। इस डिजिटल प्लेटफॉर्म का उद्देश्य औद्योगिक लाइसेंस देने को सरल बनाना है, जिससे औद्योगिक विकास तेजी से हो सके।

बजट सत्र का दूसरे चरण को लेकर स्पीकर की अपील

नई दिल्ली, 10 मार्च। संसद के बजट सत्र के सोमवार को अवकाश के बाद फिर से शुरू होने के साथ, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राजनीतिक दलों से सदन में प्रश्नकाल के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। मामले में लोकसभा सूत्रों ने बताया कि बिरला ने सोमवार को व्यापार सलाहकार समिति की बैठक में भाग लेने वाले सभी सदस्यों से प्रश्नकाल को सुचारू रूप से चलाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि रेलवे, कृषि और जल शक्ति उन मंत्रालयों में शामिल हैं जिनकी मांगों पर चार अप्रैल तक चलने वाले सत्र के दौरान चर्चा की जाएगी। प्रश्नकाल में आमतौर पर हंगामा देखने को मिलता है क्योंकि विपक्ष कई तरह के मुद्दे उठाना चाहता है। बता दें कि, प्रश्नकाल में आमतौर पर हंगामा देखने को मिलता है क्योंकि विपक्ष कई तरह के मुद्दे उठाना चाहता है। लगभग एक महीने के अवकाश के बाद सत्र फिर से शुरू हो रहा है, जिसमें सरकार और विपक्ष के बीच महामारी के संकेत हैं, जो मतदाता सूची में कथित हेरफेर, मणिपुर में हिंसा की ताजा घटना और डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के साथ भारत के व्यवहार जैसे मुद्दों को उठाने की योजना बना रहा है। सरकार का ध्यान अनुदानों की मांगों पर संसद की मंजूरी लेने, बजटीय प्रक्रिया को पूरा करने, मणिपुर बजट के लिए मंजूरी मांगने और वक्फ (संशोधन) विधेयक को पारित कराने पर रहेगा। गृह मंत्री अमित शाह मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की घोषणा के लिए संसद की मंजूरी मांगने के लिए एक वैधानिक प्रस्ताव पेश कर सकते हैं।

उद्धव ने बजट को बकवास बताया

सौरभ शर्मा

मुंबई, 10 मार्च। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस शनिवार को उन दावों को खारिज किया, जिनमें कहा जा रहा था कि राज्य सरकार ने लड़की बहिन योजना के लिए बजट घटा दिया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि लाभार्थियों को पूरी राशि मिलेगी। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने आज पेश राज्य के बजट को पूरी तरह से बकवास करार दिया और महायुति सरकार पर लोगों से किए गए वादों को न निभाने का आरोप लगाया। फडणवीस ने कहा, हमने लड़की बहिन योजना के लिए पैसे नहीं घटाए हैं। सभी को उनका पैसा मिलेगा। हमने योजना के लिए जरूरत के अनुसार पैसे तय किए हैं। अगर और अधिक पैसे की जरूरत होगी, तो हम इसके लिए अतिरिक्त प्रावधान करेंगे। हम अपने वादे को पूरा करेंगे और अफनी बहनों को हर महीने 2,100 रुपये देंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि सरकार हर महीने 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने की योजना बना रही है और किसानों को अधिक उत्पादन हासिल हो, उसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करने की योजना बना रही है। राज्य का बजट पेश होने के बाद फडणवीस ने पत्रकारों को इसकी जानकारी दी। इस दौरान उनके साथ उप मुख्यमंत्री और राज्य के वित्त मंत्री अजित पवार भी मौजूद थे। फडणवीस ने कहा कि राज्य वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह और विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) में सबसे आगे है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र का राजकोषीय घाटा 2.9 फीसदी पर

नियंत्रित है। अनुमान के मुताबिक अगले साल यह 2.7 फीसदी रहेगा। हम अपनी कुल जीएसडीपी का 25 फीसदी तक ऋण ले सकते हैं। लेकिन अभी हम 18 फीसदी पर हैं। हमारे ऋण में वृद्धि हुई है, लेकिन हमारी ऋण लेने की क्षमता भी बढ़ी है। मौजूदा वर्ष में हम राष्ट्रीय औसत से सात फीसदी अधिक जीएसटी संग्रह कर रहे हैं। हम जीएसटी संग्रह और एफडीआई में सबसे ऊपर हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि केंद्र सरकार ने 20 लाख घरों के निर्माण की मंजूरी दी है, जिनमें से 18 लाख लोगों की स्वीकृति हो चुकी है और 16 लाख घरों के लिए पैसे वितरित किए जा चुके हैं। हम सौर उर्जा के जरिए प्रत्येक घर को हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की योजना पर काम कर रहे हैं। फडणवीस ने यह भी कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों पर फोकस करने के लिए प्रोत्साहित करेगी। उन्होंने नागपुर के एक समूह का उदाहरण भी दिया, जिसमें महिलाओं ने लड़की बहिन योजना के तहत दी गई राशि का उपयोग किया। उन्होंने आगे कहा, हम लखपति दीदी योजना शुरू करने जा रहे हैं, जिसके तहत महिलाएं हर महीने आठ हजार रुपये तक कमा सकती हैं। वहीं, राज्य के वित्त मंत्री अजित पवार ने कहा कि महाराष्ट्र प्रधानमंत्री के 2047 तक विकसित भारत के सपने को पूरा करने में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि दावोस में 56 कंपनियों से 15.72 लाख करोड़ रुपये के निवेश के लिए समझौते हुए हैं, जिनसे 16 लख रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

दिल्ली में भाजपा सरकार, फिर भी कानून व्यवस्था खराब

कौमी संवाददाता

झनई दिल्ली, 10 मार्च। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की बिगड़ती हुई कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। पार्टी का कहना है कि दिल्ली में अब भाजपा की सरकार है, लेकिन स्थिति और खराब हो गई है। आम आदमी पार्टी के विधायक कुलदीप कुमार ने पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर कहा कि गाजीपुर इलाके में सोमवार को सुबह पांच बजे स ?क पर एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। विधायक कुलदीप कुमार ने कहा कि दिल्ली में अपराध को रोकने के लिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पुलिस के साथ संयुक्त बैठक की। दिल्ली में हत्या, लूट व चोरी की वारदातें बढ़ रही है, लेकिन मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत पूरी भाजपा इस पर मौन है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता दिल्ली के लोगों को सुरक्षा देने में असमर्थ साबित हो रही हैं। भाजपा की डबल इंजन की सरकार लोगों को अच्छी

कानून-व्यवस्था नहीं दे पा रही है। कुलदीप कुमार ने कहा कि कानून-व्यवस्था के मसले पर कोंडली विधानसभा के लोगों के साथ सीएम रेखा गुप्ता से मिलूंगा और उनसे दिल्ली की कानून-व्यवस्था को दुरुस्त करने पर काम करने की मांग करूंगा। कानून-व्यवस्था के मसले पर मिलने के लिए सीएम रेखा गुप्ता को एक पत्र भी लिखूंगा। पिछले सप्ताह भी कोंडली विधानसभा क्षेत्र के गाजीपुर स्थित पेपर मार्केट और दल्लूपुरा में एक ही व्यक्ति ने दो हत्याएं की। दिल्ली में ब ?ता नशा को लेकर आप ने भाजपा पर निशाना साधा।

सभी औरंगजेब की मकबरा हटाने के पक्ष में

मुंबई, 10 मार्च। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि सभी लोग चाहते हैं कि मुगल शासक औरंगजेब का मकबरा हटाया जाए, लेकिन इसे कानूनी प्रक्रिया के तहत ही करना होगा। उन्होंने बताया कि पिछली कांग्रेस सरकार ने इस स्थल को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के संरक्षण में रखा था, इसलिए इसे हटाने के लिए कानून के दायरे में रहकर काम करना जरूरी होगा। बता दें कि, भाजपा सांसद और छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज उदयनराजे भोसले ने औरंगजेब के मकबरे को हटाने की मांग की थी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सीएम फडणवीस ने कहा, हम भी यही चाहते हैं, लेकिन यह एक संरक्षित स्थल है। कांग्रेस सरकार के दौरान इसे एएसआई के संरक्षण में लाया गया था। इसलिए इसे हटाने के लिए कानूनी प्रक्रिया का पालन करना होगा। हाल ही में समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र विधायक अबू आसिम आजमी के औरंगजेब के समर्थन में दिए गए बयान के बाद विवाद बढ़ गया था। विधानसभा में उनके बयान को लेकर भारी हंगामा हुआ था। इसके बाद अबू आजमी 26 मार्च तक के लिए विधानसभा से निलंबित कर दिया गया।

भर्ती परीक्षा में डमी उम्मीदवार बिठाने वाले आरोपियों की जमानत खारिज: सुप्रीम कोर्ट

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 10 मार्च। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को भर्ती परीक्षा में डमी उम्मीदवार बिठाने वाले दो आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि ऐसे आरोपियों को जमानत देने से लोगों का प्रशासन और कार्यपालिका पर विश्वास कम हो सकता है। यह अपराध लोगों के मन में दरार डाल सकता है। जस्टिस संजय करोल और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली राज्य सरकार की याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया। पीठ ने कहा कि हम जानते हैं कि एक बार जमानत दिए जाने के बाद उसे सामान्य रूप से खारिज नहीं किया जाता है। हम इसका समर्थन भी करते हैं। लेकिन इस मामले में हमने जमानत को इसलिए खारिज किया है, क्योंकि आरोपियों के कृत्यों का समग्र प्रभाव समाज पर पड़ेगा। पीठ ने कहा कि हम जानते हैं कि देश में उपलब्ध नौकरियों की तुलना में सरकारी नौकरी लेने वालों की संख्या कहीं अधिक है। शीर्ष अदालत ने सात मार्च के अपने आदेश में आरोपी को दो सप्ताह में संबंधित अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा

कि प्रत्येक नौकरी के लिए निर्धारित प्रवेश परीक्षा या साक्षात्कार प्रक्रिया का पालन करना आवश्यक है। प्रक्रिया में पूरी ईमानदारी बरती जा रही है, जिससे लोगों में इस बात का विश्वास और भी बढ़ गया है कि जो लोग वास्तव में पदों के हकदार हैं, उन्हें ही इन पदों पर बिठाया गया है। आरोपियों का कृत्य लोगों के लोक प्रशासन और कार्यपालिका में विश्वास को कम कर सकता है। कोर्ट ने कहा कि आरोपियों ने अपने फायदे के लिए परीक्षा की शुचिता से समझौता करने की कोशिश की। निचली अदालत ने भी कहा है कि आरोपी जमानत के हकदार नहीं हैं। यह भी सच है कि हर व्यक्ति के निर्दोष होने की धारणा तब तक उसके पक्ष में काम करती है जब तक कि उन पर लगाया गया अपराध उचित संदेह से परे साबित न हो जाए। आरोपियों को मुकदमे का सामना करना चाहिए ताकि कानून यह तय कर सके कि वे निर्दोष थे। सुप्रीम कोर्ट में जिस मामले की सुनवाई हुई, उसमें इंद्राज सिंह नामक व्यक्ति ने सहायक अभियंता सिविल (स्वायत्त शासन विभाग) प्रतियोगी परीक्षा 2022 की शुचिता से समझौता किया। परीक्षा में उसकी ओर से एक डमी उम्मीदवार शामिल हुआ। उसके उपस्थिति पत्रक के साथ छेड़छाड़ की गई थी और फर्जी उम्मीदवार की तस्वीर मूल प्रवेश पत्र पर चिपका दी गई थी।

पूरे देश में वोटर लिस्ट पर सवाल उठ रहे, इस पर चर्चा होनी चाहिए: राहुल गांधी

नई दिल्ली, 10 मार्च। करीब एक महीने के अंतराल के बाद संसद के बजट सत्र की कार्यवाही शुरू हो गई है। सत्र के दूसरे भाग के पहले कई मुद्दों पर सत्ता पक्ष और विपक्ष में जमकर बहस देखने को मिली है। वहीं लोकसभा में बोलते हुए कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने एक मांग रखी कि पूरे देश में वोटर लिस्ट पर सवाल उठ रहे हैं। सभी विपक्षी दल वोटर लिस्ट पर सवाल उठा रहे हैं। अब पूरा विपक्ष बस यही कह रहा है कि वोटर लिस्ट पर चर्चा होनी चाहिए। राहुल गांधी ने मामले में कहा, हम आपकी टिप्पणी को स्वीकार करते हैं कि सरकार मतदाता सूची नहीं बनाती है। लेकिन हम इस मुद्दे पर चर्चा की मांग करते हैं। उन्होंने कहा, देश भर में मतदाता सूची पर सवाल उठाए जा रहे हैं। महाराष्ट्र समेत हर राज्य में विपक्ष ने एक स्वर में सवाल उठाए हैं। वहीं इस मामले में राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा, चुनाव आयोग सरकार के हाथ में है... अगर लोकतंत्र ऐसे ही चलता रहा और चुनाव आयोग सरकार के लिए पैरवी करता रहा तो जो नतीजे आएंगे वो आपके सामने हैं... अगर यही व्यवस्था चलती रही तो ये लोकतंत्र नहीं बल्कि दिखावा है... हमें कई सालों से शक है... जमीन पर क्या होता है ये सबको पता है लेकिन सुनने वाला कोई नहीं है। इससे पहले, तृणमूल कांग्रेस के सदस्य सौगत रॉय ने कहा कि मतदाता सूची में कुछ खामियां हैं और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि मुर्शिदाबाद और बर्दवान संसदीय क्षेत्रों और हरियाणा में एक ही ईपीआईसी (चुनावी फोटो पहचान पत्र) संख्या वाले मतदाता मौजूद हैं।

पूर्व राजा के समर्थन में उमड़े जनसैलाब से नेपाल की राजनीति में उबाल, प्रमुख राजनीतिक दलों ने राजा को दी नसीहत

काठमांडू। काठमांडू में पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के समर्थन में उमड़े जनसैलाब के बाद नेपाली राजनीति में हलचल देखी जा रही है। नेपाल के प्रमुख राजनीतिक दल के नेताओं ने पूर्व राजा का विरोध करते हुए उन्हें अपने दायरे में रहने, लोकतंत्र के खिलाफ काम नहीं करने और जनता को उकसाने का काम नहीं करने की नसीहत दी है। काठमांडू हवाईअड्डा से लेकर उनके निवास तक लाखों की संख्या में लोग सड़क पर आकर पूर्व राजा के पक्ष में की गई नारेबाजी से प्रमुख दल के नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। नेपाली कांग्रेस के नेता तथा गृहमंत्री रमेश लेखक ने चेतावनी देते हुए पूर्व राजा को अपने दायरे में रहने की नसीहत दी है। उन्होंने कहा कि यदि पूर्व राजा इस समय की व्यवस्था को नहीं मानेंगे तो उन्हें राज्य की तरफ से दी जा रही सुरक्षा और अन्य सुविधाएं वापस ले ली जाएंगी। गृहमंत्री ने यह भी कहा कि पूर्व राजा की गतिविधियां संविधान और कानून के विपरीत हैं। इस तरह की गतिविधियों के कारण उन्हें कानून के दायरे में भी लाया सकता है। पूर्व राजा के पक्ष में लोगों में बढ़ते आकर्षण से सत्तारूढ़ दल नेकपा एमाले पार्टी ने भी नाराजगी व्यक्त की है।

पोप फ्रांसिस की सेहत में सुधार, अस्पताल में कर रहे आराम

रोम। पोप फ्रांसिस की सेहत में लगातार सुधार हो रहा है और वह रविवार सुबह भी शांति से आराम कर रहे हैं। वेटिकन के प्रेस कार्यालय ने जानकारी दी कि उनके स्वास्थ्य में स्थिरता बनी रही और उनमें लगातार रिकवरी देखने को मिल रही है। वेटिकन के अनुसार, पोप फ्रांसिस की स्थिति स्थिर बनी हुई है और डॉक्टरों का कहना है कि उनका स्वास्थ्य धीरे-धीरे बेहतर हो रहा है। उनके श्वसन तंत्र में सुधार देखा गया है, ब्लड टेस्ट के नतीजे सामान्य हैं और उन्हें बुखार नहीं है। हालांकि, डॉक्टर अभी भी सावधानीपूर्वक निगरानी रख रहे हैं और पूरी तरह से ठीक होने में कुछ और समय लग सकता है। सेंट पीटर्स स्क्वायर में आयोजित स्वयंसेवकों के जुबली समारोह के दौरान कार्डिनल माइकल चेरनी ने पोप की ओर से प्रवचन पढ़ा। इसके अलावा, पोप की दोपहर की एंजेलस प्रार्थना भी वितरित की गई। स्वास्थ्य बुलेटिन नहीं जारी किया जाएगा वेटिकन के अनुसार, चूंकि पोप की स्थिति स्थिर बनी हुई है, इसलिए रविवार की शाम कोई नया मेडिकल बुलेटिन जारी नहीं किया जाएगा। हालांकि, प्रेस कार्यालय पत्रकारों को समय-समय पर अपडेट प्रदान करता रहेगा। डॉक्टरों ने उम्मीद जताई है कि पोप फ्रांसिस जल्द ही पूरी तरह स्वस्थ होकर अपने आध्यात्मिक कार्यों में लौटेंगे।

8 वर्षीय बच्ची के साथ बलात्कार, देश भर में विरोध प्रदर्शन

ढाका। बांग्लादेश में एक आठ वर्ष की बच्ची के साथ रेप की घटना के बाद लोगों को गुस्सा भड़क उठा है। देश में भर में लोगों ने सड़कों पर उतर कर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की। रिपोर्ट के अनुसार, यह दुखद घटना बुधवार को तब हुई जब बच्ची मगुरा में अपनी बड़ी बहन के घर गई थी। बहन के ससुर ने इस अपराध को अंजाम दिया। बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र 'द डेली स्टार' की रिपोर्ट के अनुसार, बच्ची को गंभीर चोटें आईं और उसे पहले ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल के बाल चिकित्सा गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया गया, उसके बाद उसे अधिक देखभाल के लिए सीएमएच अस्पताल में ट्रांसफर कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक बहन के पति ने कथित तौर पर अपराध में सहयोग किया। उन्होंने बताया कि बलात्कारी की पत्नी और बड़े बेटे को भी घटना की जानकारी थी और बाद में उन्होंने इसे छुपाने के लिए बच्ची को मारने का भी प्रयास किया। पीड़िता की बहन के ससुर, पति, सास और देवर को आरोपी बनाया गया और पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर चुकी है। घटना के विरोध में ढाका विश्वविद्यालय के शिक्षकों और छात्रों ने परिसर में विरोध रैली निकाली। यूनिवर्सिटी टीचर्स नेटवर्क की ओर से आयोजित यह प्रदर्शन सुबह 11:00 बजे प्रतिष्ठित अपराजियो बांग्ला मूर्ति के नीचे शुरू हुआ और रैली सुबह 11:45 बजे शुरू हुई।

सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति ने सामूहिक हत्याओं की खबरों के बीच जवाबदेही की ली शपथ

दमिश्क। सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा ने तटीय क्षेत्र में हाल की हुई हिंसा के लिए उत्तरदायी लोगों को जिम्मेदार साबित करने की शपथ ली है । उन्होंने सुरक्षा बलों और नागरिकों पर हमलों की साजिश रचने का आरोप लगाया। अहमद अल-शरा ने एक टेलीविजन संबोधन में लताकिया और टारटस प्रांतों में सुरक्षा कर्मियों और नागरिकों की हत्याओं की निंदा की। उन्होंने गिरती हुई सरकार के बचे हुए लोग और उनके विदेशी समर्थकों को दोषी ठहराया और कहा कि अपराधों में शामिल सभी लोगों को बिना किसी अपवाद के न्याय का सामना करना होगा। अल-शरा ने सीरिया को विभाजित करने के किसी भी प्रयास की निंदा की, विदेशी हस्तक्षेप या आंतरिक कलह के आह्वान के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा सीरिया अपने लोगों की इच्छा और अपनी सेना की ताकत के साथ एकजुट रहेगा।

इस बीच, अल-शरा ने नागरिक शांति के लिए एक उच्च समिति के गठन की घोषणा की, उसका काम तटीय क्षेत्र में समुदायों से सीधे संपर्क करना, उनकी चिंताओं को दूर करना और स्थिरता सुनिश्चित करना है।

कनाडा के नए पीएम के तीखे तेवर, ट्रंप को दी चुनौती, कहा - हॉकी की तरह, व्यापार में भी जीतेंगे

एजेंसी

ओटावा । मार्क कार्नी कनाडा के प्रधानमंत्री पद की दौड़ जीत ली है। वह जस्टिन ट्रूडो की जगह लेंगे। कार्नी ऐसे समय में देश की कमान संभालेंगे जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ओटावा के खिलाफ व्यापार युद्ध छेड़ा हुआ है।

कनाडा के केन्द्रीय बैंक और बैंक ऑफ इंग्लैण्ड के पूर्व गवर्नर ने लिबरल पार्टी के नेतृत्व की प्रतियोगिता में तीन प्रतिद्वंद्वियों को भारी मतों से हराया। कार्नी ने अब तक किसी भी निर्वाचित पद पर कार्य नहीं किया है। कार्नी आने वाले दिनों में प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे और अगले आम चुनाव में लिबरल पार्टी का नेतृत्व करेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 59 वर्षीय कार्नी ने अपने विजय भाषण के दौरान ज्यादातर समय ट्रंप पर हमला बोला। उन्होंने कहा, ÷अमेरिकियों को कोई गलतफहमी नहीं होनी चाहिए। हॉकी की तरह, व्यापार में भी, कनाडा

जीतेगा। बता दें यूएस प्रेसिडेंट लंबे समय से कनाडा को लेकर हमलावर रहे हैं। वह कई बार कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बता चुके हैं और इसके प्रधानमंत्री को राज्य का गर्वनर। ट्रंप ने ओटावा को अपनी इच्छा के अनुरूप झुकाने के लिए कनाडा से आयातित उत्पादों पर 25 टैरिफ लगाए, हालांकि फिर उन्होंने इनमें से कुछ पर रोक भी लगा दी। कनाडा ने भी जवाबी टैरिफ लगाए। ट्रूडो ने अपने अमेरिकी समकक्ष पर देश की अर्थव्यवस्था को ध्वस्त करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। कार्नी ने अपने विजय भाषण में कहा कि ट्रंप 'कनाडाई श्रमिकों, परिवारों और व्यवसायों पर हमला कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'हम उन्हें सफल नहीं होने दे सकते।' कार्नी के मुताबिक उनकी सरकार अमेरिकी आयातों पर टैरिफ तब तक जारी रखेगी 'जब तक अमेरिकी हमें सम्मान नहीं देते।' कनाडा को 51वां अमेरिकी राज्य बनाने के ट्रंप के दावे के जवाब में, कार्नी ने कहा, कनाडा कभी भी किसी भी तरह से, अमेरिका का हिस्सा नहीं होगा। उन्होंने कहा, अमेरिकी हमारे संसाधन, हमारा पानी, हमारी ज़मीन, हमारा देश चाहते हैं। उन्होंने कहा। ये काले दिन हैं, एक ऐसे देश की ओर से थोपे गए काले दिन जिस पर हम अब भरोसा नहीं कर सकते। लिबरल नेतृत्व की दौड़ जनवरी में शुरू हुई थी जब ट्रूडो ने लगभग एक दशक तक पद पर रहने के बाद इस्तीफा दे दिया था।

बांग्लादेश: 8 वर्षीय बच्ची के साथ बलात्कार, देश भर में विरोध प्रदर्शन

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में एक आठ वर्ष की बच्ची के साथ रेप की घटना के बाद लोगों को गुस्सा भड़क उठा है। देश में भर में लोगों ने सड़कों पर उतर कर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की।

रिपोर्ट के अनुसार, यह दुखद घटना बुधवार को तब हुई जब बच्ची मगुरा में अपनी बड़ी बहन के घर गई थी। बहन के ससुर ने इस अपराध को अंजाम दिया। बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र 'द डेली स्टार' की रिपोर्ट के अनुसार, बच्ची को गंभीर चोटें आईं और उसे पहले ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल के बाल चिकित्सा गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया गया, उसके बाद उसे अधिक देखभाल के लिए सीएमएच अस्पताल में ट्रांसफर कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक बहन के पति ने कथित तौर पर अपराध में सहयोग किया। उन्होंने बताया कि बलात्कारी की पत्नी और बड़े बेटे को भी घटना की जानकारी थी और बाद में उन्होंने इसे छुपाने के लिए बच्ची को मारने का भी प्रयास किया।पीड़िता की बहन के ससुर, पति, सास और देवर को आरोपी बनाया गया और पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर चुकी है। घटना के विरोध में ढाका विश्वविद्यालय के शिक्षकों और छात्रों ने परिसर में विरोध रैली निकाली।

यूनिवर्सिटी टीचर्स नेटवर्क की ओर से आयोजित यह प्रदर्शन सुबह 11:00 बजे प्रतिष्ठित अपराजियो बांग्ला मूर्ति के नीचे शुरू हुआ और रैली सुबह 11:45 बजे शुरू हुई। राजशाही में, राजशाही यूनिवर्सिटी के सैकड़ों छात्रों ने अपनी कक्षाओं और परीक्षाओं का बहिष्कार किया, ढाका-राजशाही राजमार्ग को लगभग आधे घंटे तक ब्लॉक कर दिया गया।

भगोड़े ललित मोदी को झटका

वानुअतु की नागरिकता रद्द, पीएम जोथम ने पासपोर्ट रद्द करने का दिया आदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। भगोड़े कारोबारी ललित मोदी को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। वानुअतु सरकार ने उनकी नागरिकता रद्द कर दी है। वानुअतु के प्रधानमंत्री जोथम नापाट ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए ललित मोदी का पासपोर्ट भी रद्द करने का फैसला लिया है। यह कदम ललित मोदी के खिलाफ उठाए गए अंतरराष्ट्रीय कानूनी कार्रवाई का हिस्सा है, जिन्होंने भारत में कई गंभीर आरोपों का सामना किया है।

ललित मोदी IPL (इंडियन प्रीमियर लीग) के पूर्व चेयरमैन रहे हैं, लेकिन 2010 में भ्रष्टाचार, मनी लॉन्ड्रिंग और वित्तीय गड़बड़ियों के आरोपों के चलते उन्हें देश छोड़कर जाना पड़ा था.भारत सरकार कई बार इंटरपोल से रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने की मांग कर चुकी है, लेकिन अब तक ऐसा नहीं हो पाया. वनुआतू की नागरिकता मिलने के बाद ललित मोदी और सुरक्षित हो गए थे, लेकिन अब जब वनुआतू ने भी उन्हें बाहर

का रास्ता दिखाने का फैसला कर लिया है, तो यह ललित मोदी के लिए एक बड़ा झटका साबित हो सकता है. उल्लेखनीय है कि वित्तीय अनियमितताओं, मनी लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच साल 2010 में ललित मोदी भारत छोड़कर लंदन भाग गए थे। इससे पहले भगोड़े मेहुल चोकसी ने भी एंटीगुआ की नागरिकता हासिल करके कानून से बचने का रास्ता निकाला था।

सीरिया में हालात गंभीर, सैंकड़ों नागरिकों की हत्या, अंतरिम राष्ट्रपति की शांति की अपील

एजेंसी

दमिश्क। सीरिया के नेता अहमद शरा ने कई दिनों की हिंसक झड़पों के बाद शांति की अपील की। संकटग्रस्त देश में सीरियाई सुरक्षा बलों पर कथित तौर पर अलावी धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय के सैकड़ों नागरिकों की हत्या करने का आरोप है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स (एसओएचआर) ने कहा कि शुक्रवार और पश्चिमी तट पर अलावी लोगों को निशाना बनाकर किए गए 30 'नरसंहारों' में लगभग 745 नागरिक मारे गए। राष्ट्रपति शारा ने कहा, 'हमें यथासंभव राष्ट्रीय एकता और नागरिक शांति को बनाए रखना चाहिए और...हम इस देश में एक साथ रह सकेंगे।'

सीरियाई ऑब्जर्वेटरी का कहना है कि पिछले चार दिनों में मारे गए लड़ाकों की संख्या को मिलाकर कुल मरने वालों की संख्या 1,000 से ज़्यादा हो गई है। इसमें नई इस्लामिस्ट नेतृत्व वाली सरकार से जुड़े लगभग 125 लड़ाके और असद समर्थक 148 लड़ाके शामिल हैं। वहीं एक अन्य मीडिया रिपोर्ट में सीरियाई सरकार के सूत्रों के हवाले से बताया कि कम से कम 200 लड़ाकों की मौत हुई है। दमिश्क की एक मस्जिद से बोलते हुए अंतरिम राष्ट्रपति ने कहा कि सीरिया में वर्तमान में जो कुछ हो रहा है, वह अपेक्षित चुनौतियों के दायरे में है।÷

हालांकि उन्होंने तटीय प्रांतों - लताकिया और टार्टस - में उनके समर्थकों द्वारा किए जा रहे अत्याचारों के आरोपों पर सीधे तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की। सीरियाई मीडिया ने बताया कि सरकारी बलों और असद के

वफ़ादारों के बीच बनियास में एक गैस पावर प्लांट में भी लड़ाई हुई। यह शहर लताकिया और टार्टस के बीच में है। हाल की हिंसा गुरुवार को सरकारी बलों पर घात लगाकर किए गए हमलों के बाद भड़की। सीरियाई रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने सना स्टेट न्यूज एजेंसी से कहा कि यह सुरक्षा कर्मियों के खिलाफ विश्वासघाती हमला था। इसके बाद से असद के वफादारों और सरकारी बलों के बीच झड़पों का सिलसिला शुरू हो गया।

लेबनान में इजरायली मौजूदगी मंजूर नहीं : हिजबुल्लाह

एजेंसी

बेरूत । हिजबुल्लाह के महासचिव नईम कासिम ने दोहराया कि उनका ग्रुप दक्षिणी लेबनान में किसी भी इजरायली मौजूदगी की अनुमति नहीं देगा। अल-मनार टीवी के साथ एक टेलीविजन इंटरव्यू में, कासिम ने कहा कि युद्ध विराम समझौते के दौरान, हिजबुल्लाह ने ऑपरेशन बंद कर दिए लेकिन पूरी तरह से अलर्ट रहा। हिजबुल्लाह महासचिव ने कहा, पिछले 60 दिनों में, इजरायल ने कई उल्लंघन किए हैं। समझौते में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि इजरायल को लिटानी नदी से आगे पीछे हटना होगा।समाचार एजेंसी के मुताबिक घरेलू मामलों पर कासिम ने राष्ट्रीय स्थिरता और शासन के प्रति हिजबुल्लाह के समर्पण को दोहराया। आंतरिक सुरक्षा पर सुरक्षा बलों के विशेष अधिकार का समर्थन किया। हालांकि, उन्होंने कहा कि हिजबुल्लाह के हथियार इजरायल का सामना करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। कासिम के मुताबिक, इजरायल एक खतरा है, और प्रतिरोध करना लेबनान का अधिकार है। उन्होंने लेबनान के पुनर्निर्माण पर भी बात की और युद्धग्रस्त क्षेत्रों का पुनर्निर्माण राज्य की जिम्मेदारी है। हिजबुल्लाह महासचिव ने राजनीतिक और सैन्य मामलों में हिजबुल्लाह की निरंतर भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक इजरायली

खतरे बने रहेंगे, तब तक प्रतिरोध जारी रहेगा।

27 नवंबर, 2024 को हुए युद्धविराम समझौते ने हिजबुल्लाह और इजरायल के बीच एक साल से चल रही लड़ाई को काफी हद तक रोक दिया। इसमें दो महीने का पूर्ण पैमाने पर युद्ध भी शामिल था। इस समझौते में 60 दिनों के भीतर दक्षिणी लेबनान से इजरायली सेना की वापसी अनिवार्य की गई थी। हालांकि, इजरायल ने हिजबुल्लाह से चल रहे खतरों का हवाला देते हुए सीमा पर पांच रणनीतिक स्थानों पर अपनी उपस्थिति बनाए रखी है। इस बीच, आधिकारिक लेबनानी सूत्रों के अनुसार, दक्षिणी लेबनान में काफर किला गांव के उत्तरी प्रवेश द्वार के पास इजरायली गोलीबारी में एक लेबनानी सैनिक और एक नागरिक घायल हो गए। सरकारी राष्ट्रीय समाचार एजेंसी (एनएनए) ने बताया कि इजरायली सेना ने काफर किला में फातिमा गेट के पास गोलीबारी की, जिसमें एक लेबनानी सेना का सैनिक घायल हो गया। स्वास्थ्य मंत्रालय से संबद्ध सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकालीन संचालन केंद्र ने पुष्टि की है कि काफर किला में इजरायली गोलीबारी में एक नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्रधानमंत्री ओली ने भारत के साथ हुए सभी समझौते को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई

एजेंसी

काठमांडू,। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने भारत के साथ किए गए सभी समझौते के कार्यान्वयन को लेकर प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने महाकाली संधि से लेकर टनकपुर संधि तक और पंचेश्वर से लेकर अन्य सभी समझौते को आगे बढ़ाकर कार्यान्वयन करने की बात दोहराई है।

सुदूरपश्चिम प्रदेश के विधानसभा को सोमवार को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि इस प्रदेश के विकास के लिए भारत के साथ हुए कई समझौते को आगे बढ़ाने के लिए उनकी सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नेपाल का सबसे पिछड़ा प्रदेश होने के कारण इसके विकास के लिए भारत के साथ कई समझौते किए गए हैं जिसे आगे बढ़ाने का समय आ गया है। प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि भारत के साथ लंबे समय से पंचेश्वर बहुउद्देशीय समझौता अब तक लंबित है, जिसे पूरा करने के लिए दोनों देशों के बीच में लगातार बातचीत हो रही है। ओली ने कहा कि जबसे उनके नेतृत्व में सरकार बनी है तब से भारत के साथ हुए पंचेश्वर समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए वार्ता जारी है और निकट भविष्य में ही इसके पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने भारत सरकार के सहयोग से महाकाली नदी पर बन रहे मोटरेबल पुल के निर्माण का कार्य अंतिम चरण में होने और जल्द ही इसका उद्घाटन होने की जानकारी दी। ओली ने कहा कि भारत और नेपाल द्वारा संयुक्त रूप से बनाए जा रहे दोधारा चांदनी ड्राईपोर्ट का निर्माण कार्य भी शुरू हो चुका है जिससे इस प्रदेश के विकास में काफी मदद मिलने वाली है।

ईरान ने कभी परिमाणु हथियार बनाने की कोशिश नहीं की : राष्ट्रपति पेजेशकियन

एजेंसी

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने दोहराया कि ईरान ने कभी भी परमाणु हथियार बनाने की कोशिश नहीं की है। उन्होंने सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के धार्मिक आदेश का हवाला दिया, जिसमें ऐसे हथियारों पर प्रतिबंध लगाया गया है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, पेजेशकियन ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम की शांतिपूर्ण प्रकृति की पुष्टि के लिए अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के साथ चल रहे सहयोग का जिक्र किया।

ईरानी राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, पेजेशकियन ने यह टिप्पणी नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोरे के साथ फोन पर बातचीत के दौरान की। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की। ईरानी राष्ट्रपति ने इजरायल पर क्षेत्रीय तनाव की मुख्य वजह होने का आरोप लगाया। उन्होंने

कहा कि तेल अवीव ईरान की परमाणु गतिविधियों को सुरक्षा के लिए खतरा बताने के लिए मनगढ़ंत दावे करता है। पेजेशकियन ने यह भी कहा कि ईरान तनाव और संघर्ष को नुकसानदेह मानता है, लेकिन वह अपनी सुरक्षा और हितों के खिलाफ किसी भी खतरे का मजबूती से जवाब देगा। उन्होंने ईरान और नॉर्वे के बीच सकारात्मक संबंधों की प्रशंसा की। ईरानी बयान के अनुसार, नॉर्वे के प्रधानमंत्री ने ईरान के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने की ओस्लो की इच्छा व्यक्त की और पश्चिम एशिया क्षेत्र में मुद्दों के शांतिपूर्ण समाधान का स्वागत किया और इस संबंध में समर्थन की पेशकश की। बता दें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के साथ उसके परमाणु मुद्दे पर बातचीत करना चाहते हैं और उन्होंने गुरुवार को ईरानी नेतृत्व को एक पत्र भेजा है। वहीं ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने कहा कि कुछ धमकाने वाली शक्तियों की तरफ से बातचीत पर जोर देने का मकसद मुद्दों को हल करना नहीं, बल्कि इस्लामी गणराज्य पर अपनी मांगें थोपना है। खामेनेई के कार्यालय की ओर से जारी फुटेज के अनुसार, खामेनेई ने यह टिप्पणी शनिवार को तेहरान में सरकारी अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान की। उनका यह बयान ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत के लिए विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अपील का जवाब था।

कोई टकराव नहीं हुआ, मै वहां मौजूद था : रुबियो-मस्क विवाद की रिपोर्ट को ट्रंप ने किया खारिज

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विदेश मंत्री मार्को रुबियो और एलन मस्क के बीच तीखी नोकझोंक की खबरों का खंडन किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर इस मामले को लेकर ट्रंप ने पोस्ट किया, 'एलन और मार्को के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। इसके अलावा कोई भी बयान फर्जी खबर है!!!' ट्रंप को यह सफाई न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के बाद देनी पड़ी। इसमें दावा किया गया कि गुरुवार को कैबिनेट की बैठक के दौरान, प्रशासन के खर्च-कटौती प्रमुख मस्क ने स्टेट डिपार्टमेंट में अहम स्टाफ कटौती को लागू करने में नाकाम रहने के लिए रुबियो की आलोचना की। मस्क ने कथित तौर पर रुबियो पर 'किसी को भी नहीं' निकालने का आरोप लगाया।

इसके जवाब में रुबियो ने कथित तौर पर बताया कि 1,500 से ज़्यादा स्टेट डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने हाल ही में बायआउट के जरिए समय से पहले रिटायरमेंट का विकल्प चुना है। उन्होंने व्यंग्यात्मक ढंग से मस्क से पूछा कि क्या वह चाहते हैं कि उन कर्मचारियों को फिर से काम पर रखा जाए ताकि उन्हें दोबारा निकाल दिया जाए।

सीएनएन के अनुसार, ट्रंप से जब कथित बहस के बारे में पूछा गया तो उन्होंने दावों को खारिज करते हुए कहा, ÷कोई झड़प नहीं हुई, मैं वहां मौजूद था। एलन और मार्को का रिश्ता बहुत अच्छा है और वे दोनों शानदार काम कर रहे हैं।ट्रंप ने संघीय नौकरियों में कटौती पर अपने प्रशासन की रणनीति का भी बचाव किया, तथा फेडरल वर्क फोर्स को कम करने में 'हथौड़े' के बजाय 'स्केलपेल' के इस्तेमाल की बात कही। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक कुछ कैबिनेट सदस्यों ने नौकरी में कटौती के लिए मस्क के नजरिए के बारे में व्हाइट हाउस के समक्ष चिंता व्यक्त की थी। मस्क की अध्यक्षता में सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) ने जब से जनवरी के अंत में अपना काम शुरू किया है, तब से 30,000 से अधिक अमेरिकी संघीय कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया है। इसव्हाइट हाउस ने पहले कहा था कि लगभग 75,000 संघीय कर्मचारियों ने 'बायआउट' योजना को स्वीकार कर लिया है, जिसके तहत 'स्थगित इस्तीफे' के बदले आठ महीने का वेतन देने की पेशकश की गई है।

इजरायल ने बंधकों की रिहाई की मांग को लेकर गाजा की बिजली आपूर्ति की बंद

एजेंसी

यरूशलम। इजरायल ने घोषणा की कि वह हमास पर बंधकों को रिहा करने के लिए दबाव डालने के लिए गाजा पट्टी की बिजली आपूर्ति बंद कर रहा है। इजरायली ऊर्जा मंत्री एली कोहेन ने एक वीडियो बयान में कहा, मैंने अभी-अभी गाजा को बिजली की आपूर्ति तुरंत रोकने के आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं।

गाजावासियों के पुनर्वास के लिए 'प्रवासन प्रशासन' स्थापित करने की योजना बना रहा है

एजेंसी

यरूसलम । इजरायल गाजा पट्टी के फिलिस्तीनी निवासियों को दूसरी जगह बसाने के लिए एक 'प्रवासन प्रशासन' बनाने की योजना पर काम कर रहा है। यह जानकारी इजरायल के वित्त मंत्री बेजेलेल स्मोट्रिच ने दी।

स्मोट्रिच कट्टर दक्षिणपंथी नेता हैं और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने यह बयान संसद में एक सम्मेलन के दौरान दिया। इस कार्यक्रम का आयोजन लैंड ऑफ इजरायल कॉकस नामक एक संगठन ने किया था। न्यूज एजेंसी के अनुसार, इस सम्मेलन में स्मोट्रिच ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'गाजा रिवेरा' योजना का जिक्र किया। इस योजना के तहत अमेरिका गाजा का नियंत्रण अपने हाथ में लेगा, वहां के निवासियों को हटाया जाएगा, और इस क्षेत्र को मिडिल ईस्टर्न रिवेरा के रूप में विकसित किया जाएगा। यह योजना फरवरी 2024 में सामने आई थी और इसे व्यापक विरोध का सामना करना पड़ा है। हालांकि, नेतन्याहू और कई अन्य इजरायली

मंत्री इसका समर्थन कर रहे हैं।

स्मोट्रिच के अनुसार, इजरायल के रक्षा मंत्रालय में माइग्रेशन अथॉरिटी स्थापित करने की तैयारियां चल रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि प्रतिदिन 10,000 लोगों को गाजा से बाहर ले जाया जाए, तो पूरे गाजा की 20 लाख की आबादी को हटाने में लगभग छह महीने लगेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिका के साथ मिलकर उन देशों की पहचान करने का काम चल रहा है, जहां गाजा के लोगों को बसाया जा सकता है।

ट्रंप की इस योजना का अरब देशों सहित दुनिया के कई हिस्सों में विरोध हो रहा है।

इसके जवाब में, अरब देशों ने मंगलवार को मिस्र द्वारा प्रस्तावित 53 अरब डॉलर की गाजा पुनर्निर्माण योजना को मंजूरी दी, जिसका मकसद गाजा में लोगों को वहां से हटाए बिना फिर से बसाना है।फरवरी 2024 में, राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा था कि अमेरिका गाजा का नियंत्रण अपने हाथ में लेगा। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका को ऐसा करने का अधिकार है। ट्रंप ने जोर्डन के किंग अब्दुल्ला II से कहा था, 'हम इसे अपने पास रखेंगे, इसे ठीक से चलाएंगे, और यहां शांति बनाए रखेंगे ताकि कोई सवाल न उठाए। उन्होंने यह भी इच्छा जताई कि गाजा को एक आकर्षक पर्यटन और व्यापारिक केंद्र में बदला जाए, जहां रिसॉर्ट और ऑफिस बनाए जा सकें।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

नागपुर से दिल्ली पहुंचा 78 लाख रुपये का गांजा, दो गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक अंतरराज्यीय मादक पदार्थ गिरोह का भंडाफोड़ कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से उम्दा क्वालिटी का 156 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। इसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग 78 लाख रुपये से अधिक की आंकी गई है। गांजे की यह खेप नागपुर से दिल्ली पहुंची थी। फिलहाल पुलिस इस नेटवर्क की जड़ तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक एक सूचना के बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने राजा गार्डन पुल के पास जाल बिछाकर राजस्थान के रहने वाले विजय सिंह (43) ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस को इसकी एसयूवी कार की तलाशी में 75 प्लास्टिक की बोरियों से गांजा बरामद हुआ। पूछताछ के दौरान विजय ने बताया कि वह मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले विनीत नामक व्यक्ति के लिए काम करता है और नागपुर से मादक पदार्थ खरीदता है। यह खेप नागपुर से ही आई थी। उसने आगे बताया कि उसका काम दिल्ली के सोनिया विहार निवासी अमित तक मादक पदार्थ की खेप पहुंचाना था। उससे पूछताछ के आधार पर पुलिस ने अमित को भी गिरफ्तार कर लिया।

क्राइम ब्रांच ने रेड कर सरगना समेत 11 आरोपियों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने गोविंदपुरी में चल रहे एक सट्टे के अड्डे का भंडाफोड़ करते हुए सरगना समेत 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार सरगना की पहचान अशोक कुमार उर्फ काले (55) के रूप में की है। वह अपने बेटे संजू और भतीजे रोहित गुलाटी की मदद से गोविंदपुरी में दो अलग-अलग जगह सट्टे का अड्डा चला रहा था। यहां खेलों के लिए दांव लगवाएं जाते थे। क्राइम ब्रांच के डीसीपी आदित्य गौतम ने बताया कि इंस्पेक्टर सतेंद्र मोहन की टीम ने मौके से करीब 83 हजार रुपये नकद और अन्य सामग्री जब्त की है। इसके अलावा सट्टेबाजी में लगी पर्चियां और फ्लेक्स बोर्ड मौके से बरामद किया है। गिरोह का सरगना अशोक कुमार उर्फ काले गोविंदपुरी का रहने वाला है। इसका भतीजा रोहित गुलाटी भी गोविंदपुरी में रहता है। पुलिस ने गिरफ्तार अन्य आरोपियों की पहचान विष्णु (31), राशिद (34), महताब आलम (28), मुश्ताक अंसारी (32) रूही दास (48), गुफरान (30), महफूज (31) और धर्मेंद्र (40) के रूप में की है। डीसीपी ने बताया कि इंस्पेक्टर सतेंद्र मोहन की टीम को ट्रांजिट कैंप गोविंदपुरी में सट्टा रैकेट चलाने की सूचना मिली थी। यहां अशोक गुलाटी अपने बेटे और भतीजे व अन्य साथियों के साथ मिलकर सट्टा सिंडिकेट चला रहा था।

यूपी में बढ़ेगा जमीनों का सर्किल रेट, किसानों को मिलेगा बेहतर लाभ

लखनऊ, 10 मार्च। उत्तर प्रदेश में जमीनों के पुनरीक्षण का काम तेजी से चल रहा है। 15 महीने में 37 जिलों में यह पूरा कर लिया गया है। अन्य जिलों में जल्द ही पुनरीक्षण का काम पूरा कर लिया जाएगा। योगी सरकार इसे प्राथमिकता पर कर रही है। जिन जिलों में वर्षों से जमीनों के सर्किल रेट का पुनरीक्षण नहीं हुआ, वहां प्राथमिकता पर इसे पूरा करने पर फोकस किया जा रहा है। कुछ जिलों में पुनरीक्षण प्रक्रिया जारी है। वहीं अन्य जिलों में भी इसे जल्द ही शुरू किए जाने की योजना है। जमीन के सर्किल रेट का पुनरीक्षण होने का किसानों को सबसे अधिक लाभ मिलेगा। कानून के अनुसार भूमि अधिग्रहण में किसानों को जमीन का सही मूल्य मिलने का मार्ग प्रशस्त होता है। किसानों को ध्यान में रखते हुए सर्किल रेट के पुनरीक्षण प्रक्रिया को जल्द पूरा करने पर फोकस किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश स्टांप (संपत्ति का मूल्यांकन) की द्वितीय संशोधन नियमावली–2013 नियम 4(1) के तहत डीएम द्वारा अगस्त के महीने में वार्षिक रूप से जिले के विभिन्न भागों में स्थित कृषि व अकृषक भूमि का न्यूनतम मूल्य प्रति हेक्टेयर/प्रति वर्गमीटर की दर निर्धारित किए जाने का उल्लेख है। आवश्यकता होने पर डीएम वर्ष के मध्य में भी सर्किल दर सूची का पुनरीक्षण का कार्य कर सकते हैं। ऐसे में प्रदेश में 1 जनवरी 2024 से लेकर अब तक 37 जिलों में जमीनों के सर्किल रेट के पुनरीक्षण की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। हाल ही में समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव ने पुनरीक्षण की कार्रवाई को तेजी से आगे बढ़ाने का निर्देश दिया था। जिन जिलों में वर्षों से पुनरीक्षण प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है, उनमें लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, बागपत, इटावा, कन्नौज, हापुड़, बुलंदशहर, मेरठ, महाराजगंज, कुशीनगर, अयोध्या, अम्बेडकरनगर, एटा, कासगंज, मुजफ्फरनगर, बदायूं, झांसी, जालौन, ललितपुर, संत कबीरनगर, कौशाम्बी व प्रयागराज आदि प्रमुख हैं। इन सभी जिलों में जल्द ही पुनरीक्षण की कार्रवाई शुरू की जाएगी। वहीं शामली, सहारनपुर, मीरजापुर, अलीगढ़, बांदा, हमीरपुर, आगरा, सुल्तानपुर, अमेठी व गौतमबुद्ध नगर समेत कई जिलों में फिलहाल पुनरीक्षण की प्रक्रिया जारी है।

चैंपियंस ट्रॉफी विजेता टीम इंडिया को मोदी ने दी बधाई, बोले- 'असाधारण खेल, असाधारण परिणाम'

एजेंसी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हरा कर भारत ने तीसरी बार चैंपियंस ट्रॉफी पर कब्जा जमाया है। इस जीत के बाद टीम इंडिया को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई राजनेताओं ने बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

भारतीय टीम की जीत पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, एक असाधारण खेल और एक असाधारण परिणाम। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी घर लाने के लिए हमारी क्रिकेट टीम पर गर्व है। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। शानदार प्रदर्शन के लिए हमारी टीम को बधाई। गृह मंत्री अमित शाह ने भारतीय टीम को बधाई देते हुए एक्स पर पोस्ट कर लिखा, एक ऐसी जीत जिसने इतिहास रच दिया आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में शानदार जीत हासिल करने पर टीम इंडिया को बधाई। मैदान पर आपकी जोशीली ऊर्जा और अजेय प्रभुत्व ने देश को गौरवान्वित किया और क्रिकेट उत्कृष्टता के लिए एक नया मानक स्थापित किया। आप हमेशा शानदार प्रदर्शन करें।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा- भारतीय क्रिकेट टीम की यह शानदार जीत और शानदार प्रदर्शन है! क्रिकेट कौशल के शानदार प्रदर्शन के लिए पूरी टीम को बधाई। आज की यह जीत कई युवाओं और महत्वाकांक्षी क्रिकेटरों को

प्रेरित करेगी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय टीम की जीत को ऐतिहासिक विजय बताया। उन्होंने पोस्ट कर कहा, ऐतिहासिक विजय...चैंपियंस का अभिनंदन। चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर विजय के रंगों से त्योहारों की बेला को और अधिक रंगमय, उल्लासमय बनाने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के हर खिलाड़ी पर देश को गर्व है। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने एक्स पर लिखा, एक शानदार शुरुआत, एक शानदार अंत, एक शानदार पारी! आखिरकार भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी में अपनी जीत का जश्न मनाया..! कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बधाई संदेश में लिखा, एक अभूतपूर्व टीम प्रयास ने भारतीय क्रिकेट टीम को शानदार जीत दिलाई और उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी जीत ली! कप्तान रोहित शर्मा और टीम के सभी सदस्यों का शानदार प्रदर्शन! आपकी उपलब्धि 140 करोड़ दिलों को गर्व से भर देती है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, शानदार जीत, लड़कों! आप में से हर एक ने एक अरब दिलों को गर्व से भर दिया है। टीम इंडिया का टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन, जिसमें शानदार व्यक्तिगत प्रदर्शन और मैदान पर पूरी तरह से दबदबा शामिल है, वाकई प्रेरणादायक रहा है। बधाई हो, चैंपियंस! भारतीय क्रिकेट टीम को बधाई देने के क्रम में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने टीम इंडिया की जीत को देश को गौरवान्वित करने वाला बताया।

कोश्यारी का जीवन वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी: ओम बिरला

एजेंसी

नई दिल्ली। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र और गोवा के पूर्व राज्यपाल और सांसद रहे भगत सिंह कोश्यारी की सराहना करते हुए कहा कि वे एक असाधारण व्यक्ति हैं, जो एक साधारण और सरल जीवन जीकर एक मिसाल कायम कर रहे हैं। बिरला ने कहा कि कोश्यारी का जीवन, उनके संघर्ष तथा राष्ट्र और समाज के प्रति उनका योगदान न केवल वर्तमान पीढ़ी के लिए बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणादायी है।

उन्होंने यह टिप्पणियां आज दिल्ली के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) में मदन मोहन सती द्वारा लिखी पुस्तक पर्वत शिरोमणि भगत सिंह कोश्यारी के विमोचन के अवसर पर कीं। इस अवसर पर भगत सिंह कोश्यारी, दिल्ली विधान सभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ सच्चिदानंद जोशी, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

भगत सिंह कोश्यारी के प्रेरणादायी जीवन के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए बिरला ने कहा कि एक छात्र, राजनेता, लेखक और पत्रकार के रूप में उन्होंने अपना पूरा जीवन देश की सेवा में समर्पित कर दिया, तथा निर्धन और उपेक्षित लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए अथक प्रयास किए। बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि कोश्यारी ने देश को हमेशा सबसे ऊपर रखा और इस सिद्धांत पर वह सदैव अटल रहे। संसद में कोश्यारी के साथ बिताए समय का स्मरण करते हुए अध्यक्ष महोदय ने कहा कि एक सांसद और संसदीय समिति के सभापति के रूप में कोश्यारी ने पूरी प्रतिबद्धता के साथ संस्था की सेवा करते हुए अद्वितीय निष्ठा का परिचय दिया। बिरला ने पर्वतीय विकास, वनों के संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा में कोश्यारी की गहन आस्था पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह मुद्दे उनके दिल के बहुत करीब हैं। अपने संबोधन में बिरला ने कहा कि मुख्यमंत्री, राज्यपाल और सांसद के रूप में कार्य करते हुए कोश्यारी ने न तो अहंकार दिखाया और न ही सत्ता के प्रति लगाव। पद पर रहते हुए और सामान्य जीवन में भी उन्होंने सदैव सिद्धांतों और नियमों का दृढ़तापूर्वक पालन किया। अध्यक्ष महोदय ने यह भी कहा कि भगत सिंह कोश्यारी सेवा, समर्पण, ईमानदारी और आध्यात्मिकता की प्रतिमूर्ति हैं तथा कोश्यारी के साथ जब भी उनकी बात होती है, उन्हें राष्ट्र की सेवा जारी रखने के लिए नई ऊर्जा मिलती है।

बिरला ने आशा व्यक्त की कि पर्वत शिरोमणि भगत सिंह कोश्यारी पुस्तक आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें यह शिक्षा देगी कि दृढ़ संकल्प के साथ चुनौतियों का कैसे सामना किया जाए तथा देश और देशवासियों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध रहते हुए कैसे काम किया जाए। श्री कोश्यारी के संघर्ष और जीवन से जिस प्रकार बहुत लोगों के जीवन का मार्ग प्रशस्त हुआ है, उसी तरह यह पुस्तक सार्वजनिक जीवन जी रहे लोगों, छात्रों, शिक्षाविदों और आम जनता को प्रेरित करेगी।

कांग्रेस ने तीन प्रमुख मांगें रखीं, जीएसटी में होना चाहिए व्यापक सुधार

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की जीएसटी दरों में कटौती घोषणा और इससे जुड़े अन्य विषयों पर सरकार के समक्ष तीन प्रमुख मांगें रखी हैं। कांग्रेस पार्टी ने व्यापक सुधार की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा है कि सरकार को मौलिक रूप से सरलीकृत और कम दंडात्मक जीएसटी-2.0 लाना चाहिए। पार्टी के महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने आज एक बयान में कहा कि जीएसटी-2.0 का लक्ष्य कर स्लैब को सरल बनाने के लिए होना चाहिए। इसका दूसरा लक्ष्य अनुपालन तंत्र की कमजोरी को दूर करना भी होना चाहिए। तीसरा सरकार को कई आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कटौती करनी चाहिए।उन्होंने यह भी कहा कि वस्तु की मूल्य श्रृंखला में कई स्तरों पर कर लगाए जाते हैं, जिसमें बदलाव किया चाहिए। उन्होंने जीएसटी के संग्रह में कमी आने का कारण बताते हुए कहा कि इसमें बड़े स्तर पर धोखाधड़ी हो रही है और गलत तरीके से जीएसटी रिफंड हासिल किया जा रहा है, जिसमें सुधार की आवश्यकता है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि इसके अलावा शैक्षणिक पाठ्यक्रमों और स्टेशनरी जैसे यूनिफॉर्म, स्कूल बैग आदि पर जीएसटी लगाया जाता है, जबकि शिक्षा व्यापक रूप से सभी को सुलभ होनी चाहिए।

पार्टी नेता ने अपने वक्तव्य में कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने घोषणा पत्र में जीएसटी-2.0 की परिकल्पना कर चुकी है। अब केंद्र सरकार को इस बारे में विचार करना चाहिए।

NAME CHANGE
I, MUSHTAQ MASIH S/O MANGU MASIH, residing at 2/33, STREET NO-35, BLOCK-B, NANGLI VIHAR EXTN, BAPROLA, Delhi, 110043. have changed my name to MUSHTAQ MASIH BHATTI for all future purpose

NAME CHANGE
I SHAMMI KUMAR S/O MOHAN LAL R/O 4331 FIRST FLOOR EXTENSION-2 SECTOR-49 SAINIK COLONY FARIDABAD-121001 HAVE CHANGE MY NAME TO SHAMMI KUMAR THREJA FOR ALL PURPOSE.

Date of Birth Change
I, No 14867480Y, Rank-HAV/CLK, Name-SAROJ PATRA R/o Vill-BRAHMANDIHA, PO-GARGARIA, Teh-KHATRA, Distt-BANKURA, WEST BENGAL-722150, have changed my father name from SANKAR PATRA to SHANKAR PATRA and changed my father date of birth from 01-01-1967 to 24-09-1966 (in my service records)for all future purposes. Vide affidavit dated 05.03.2025 Before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, AMAR JEET SINGH S/O HARENDRA SINGH R/O RZP-345-A, 101, 1st FLOOR, NEAR MOTHER DAIRY DWARKA, SECTOR-8, RAJ NAGAR-2, BAGDOLA, RAJ NAGAR-2, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110077, have changed the name of my minor son NAVYANSH SINGH aged 12 years and he shall hereafter be known as NAVYAANSH SINGH.

NAME CHANGE
I, AMAN S/O HUKAM CHAND R/O VILLAGE-SUNARI, TAURU, MEWAT NUH, HARYANA-122105 HAVE CHANGED MY NAME TO AMAN KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSE.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, KOMAL JAIN alias KOMAL GUPTA D/O ASHOK JAIN Ex wife of SATVIK GUPTA R/O 10B, Madhuban Road, Veer Savarkar Block, Shakarpur East Delhi Delhi-92, declare that my husband expired on 02.12.2022 and death Certificate was issued with Regd no. 02220912278950 Dated 10.12.2022, further 1 Remarried with SANAM ANAND S/O VIJAY ANAND vide marriage Certificate no 90730000189973 dated 17.01.2024, further I have changed the name of mine and my minor daughter namely Ishika GUPTA aged 4 years and we shall hereafter be known as KOMAL ANAND and ISHIKA ANAND, further I also declare that name of the father of my minor daughter may be known as SANAM ANAND on future for all purposes.

NAME CHANGE
I MONORAMA BERA W/O JC-774842M Subedar Sanjib Kumar Bera R/o Abdalipur, Aloke Kendra, Paschim Medinipur, West Bengal has changed my name from MONORAMA BERA to MANORAMA BERA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, hitherto known as MANJU SHARMA D/o RAM GOPAL SHARMA W/o KUNAL SINGHAL residing at C-5-6, First Floor, Ramesh Nagar, West Delhi, Delhi -110015 have changed my name and shall hereafter be known as MONALI SINGHAL.

NAME CHANGE
I hitherto known as MANOJ KUMAR S/o ANIL KUMAR SONKAR residing at T A 505, Gali No. 21, Prem Nagar Road Baljeet Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi - 110008 have changed my name and shall hereafter be known as NITIN SONKAR.

Date of Birth Change
I, No 14867480Y, Rank-HAV/CLK, Name-SAROJ PATRA R/o Vill-BRAHMANDIHA, PO-GARGARIA, Teh-KHATRA, Distt-BANKURA, WEST BENGAL 722150, have changed my mother name from LAXMI PATRA to LAKSHMI PATRA and have changed my mother date of birth from 12-03-1974 to 09-02-1976 (in my service records.) for all future purposes. Vide affidavit dated 05.03.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SANEHLATA W/O SANDEEP YADAV, R/O 20, DARIYAPUR KHURD, POST OFFICE UJWA, DARYA PUR KHURD, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110073 have changed my name and shall hereafter be known as SANEH LATA.

नाम परिवर्तन
मैं, रत्ना रॉय धर्मपत्नी आर्मी नं-15359963P पूर्व हवलदार माणिक चंद्र रॉय निवासी गांव खेकाहिले, पोस्ट देबतार हसधा, पीएस गोलकगंज, जिला धुबरी, असम-783334, मेरे पति के सर्विस रिकॉर्ड में मेरा नाम रत्ना बाला रॉय और जन्म तिथि 18/08/1974 गलत दर्ज है लेकिन मेरा सही नाम रत्ना रॉय है और सही जन्म तिथि 12/04/1972 है, शपथ पत्र दिनांक 26/12/2024 धुबरी कोर्ट के समक्ष

NAME CHANGE
I, JC-765338L Rank-SUB Name-DILIP KUMAR MONDAL Presently residing at VILL-PURATANSHIBPUR, PO-HARADHAM, TEHSIL-KRISHNANAGAR, DISTT-NADIA, WEST BENGAL-741201 have changed my son's name from USNIK MANDAL to USNIK MONDAL for all future purposes vide Affidavit dated 10/03/2025 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, RUMPA MANDAL Wife of JC-765338L Rank-SUB Name-DILIP KUMAR MONDAL Presently residing at VILL-PURATANSHIBPUR, PO-HARADHAM, TEHSIL-KRISHNANAGAR, DISTT-NADIA, WEST BENGAL-741201, have changed my name from RUMPA MANDAL to RUMPA MONDAL for all future purposes vide Affidavit dated 10/03/2025 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, SMT BABLEE Wife of JC-572119H Rank-SUB Name-KRISHAN KUMAR SINGH TOMAR Presently residing at VILL-THARA, PO-THARA, TEH-AMBAH, DIST-MORENA, MADHYA PRADESH-476111, have changed my name from SMT BABLEE to BABLI SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 10/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RAHEMAN Father of No. 15216702Y Rank-HAV Name-PATHAN SAMEER RAHEMAN R/o VILL-DEULGAON GHAT, TEH-ASHTI, DIST-BEED, MAHARASHTRA-414203, have changed my name from RAHEMAN to PATHAN RAHEMAN ALIKHA for all future purposes vide Affidavit dated 10/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RUPA DEVI Wife of No. 14446226N Rank-HAV Name-PAWAN KUMAR Presently residing at VILL-SIMRO, SHANKARPUR, KHAWAS, BHAGATPUR, BIHAR-813205, have changed my name from RUPA DEVI to RUPA KUMARI for all future purposes vide Affidavit dated 10/03/2025 before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE
It is for general information that I, NEMPAL SINGH YADAV S/O TIRATH SINGH YADAV R/O B-390 G D COLONY, MAYUR VIHAR PHASE-3, EAST DELHI, DELHI-110096, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as NEM PAL SINGH YADAV and PHOOLWATI in my minor son namely VIKRAM YADAV aged 15 year in his school record. The actual name of mine and my wife are NEMPAL SINGH YADAV and PHOOLWATI YADAV, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, APURBA DEKA S/O CHANDRA MAL DEKA Permanent Resident BARAMPUL, KALAIGAON, UDALGURI, ASSAM-784525, Presently Residing at H. NO-104, GALI NO-1-B NEAR NEW CHOPAL SHAHBAD MOHAMMADPUR, NEW DELHI-110061, declare that name of my wife has been wrongly written as ARCHANA in my minor son namely DARPAN JYOTI DEKA aged 12 year in his school record and birth certificate-54/2013. The actual name of my wife is ARCHANA KALITA DEKA, which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I hitherto known as Dharmender Singh alias Dharvendra Singh S/O UDAL SINGH,R/O QUATER NO-2, G/F ,DG-2, TYPE-2, PS MANGOL PURI, MANGOL PURI, Mangolpuri, N Block, PO Mangolpuri N Block, DIST: North West Delhi, Delhi-110083, have changed my name and shall hereafter be known as DHARMENDER SINGH.

NAME CHANGE
I, Archana Kumari D/O Vinod Kumar Singh W/O Gyan Prakash R/O Flat No-151,Tower N 14TH Floor Gulshan Bellina, Plot PH-02 A, Near Ajnra Le Garden, Sector-16B, Greater Noida West, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201318 have changed my name to Archana Singh for all future purposes

NAME CHANGE
I, NAFISA Wife of No. 15216702Y Rank-HAV Name-PATHAN SAMEER RAHEMAN R/o VILL-DEULGAON GHAT, TEH-ASHTI, DIST-BEED, MAHARASHTRA-414203, have changed my name from NAFISA to NAPISA PATHAN for all future purposes vide Affidavit dated 10/03/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
MY CLIENT SHEELA RANI W/O SHRI RAM MANOHAR GUPTA R/O U-1/39, PREM NAGAR-II, KIRARI SULEMAN NAGAR, DELHI-86 HAS SEVERED HIS ALL RELATION WITH HIS SONS CHANDER BHAN GUPTA AND HIS WIFE SANGEETA GUPTA AND DEEPAK GUPTA AND HIS WIFE NANCY GUPTA ALSO DISOWNED FROM HIS MOVABLE AND IMMOVABLE PROPERTY. ANY PERSON DEALING WITH THEM IN ANY MANNER WHATSOEVER MY CLIENT SHALL NOT BE RESPONSIBLE FOR THE CONSEQUENCES OF THE TRANSACTION WITH THEM IN ANY MANNER.

Adv. Mohit Bhardwaj

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I RAJPATI YADAV S/O PATRU YADAV R/O H.No- 160-B, Near Mcd Girls School, Munirka Village, J.N.U S.O, DIST: South West Delhi, Delhi - 110067 declare that name of mine and my wife and my minor son has been wrongly written as RAJPATI and KAVITA and HIMANSHU in my minor son HIMANSHU YADAV aged 11 year in his School record Tha actual name of mine and my wife and my minor son are RAJPATI YADAV and KAVITA YADAV and HIMANSHU YADAV respectively which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
The general public is hereby informed that my client, Smt. Bimla Devi, wife of Sh. Raju, R/o House No. C-284/5, Gali No. 8, Nehru Nagar, Anand Parbat, New Delhi, has executed and duly registered her last and final Will dated 21.02.2025, recorded as Document No. 2650, Registration No. 2025/19/III/341, in the office of the Sub-Registrar, Delhi. It is further declared that her previous Will dated 15.02.2010, along with all other prior documents, if any, including any General Power of Attorney executed in favour of her son Sh. Sanni, has been revoked and cancelled. As per the terms of her final Will, upon her demise, her property shall devolve in equal shares among her three children. NIKHIL SINGH ADVOCATE, Office: H-16/839, Street No.7, Bapa Nagar, Karol Bagh, Central Delhi, Delhi-110005.

NAME CHANGE
I, JC-765338L Rank-SUB Name-DILIP KUMAR MONDAL Presently residing at VILL-PURATANSHIBPUR, PO-HARADHAM, TEHSIL-KRISHNANAGAR, DISTT-NADIA, WEST BENGAL-741201 have changed my mother's name from PUSPUPA MONDAL to PUSHPA MONDAL for all future purposes vide Affidavit dated 10/03/2025 before Executive Magistrate, Delhi.

PUBLIC NOTICE
This is to inform the general public that **Mrs. Babita Bansal, Mrs. Mamta Bansal & Mrs. Ritu Bansal** are the owners of Property old no.6, new no. A-71/5, area measuring 200 sq. yds., i.e., 167.22 sq. mtrs., out of Khasra no.88, situated at village Sikdarpur, in the abadi of Jyoti colony, Shahdara Delhi-110093 through Sale Deed dated 17.02.2025 doc. No. 2025/23/I/1162 executed by Mr. Jag Mohan Singh, Mr. Malkit Singh Dhiman in favour of Mrs. Babita Bansal, Mrs. Mamta Bansal & Mrs. Ritu Bansal in respect of Said Plot.
Mrs. Babita Bansal, Mrs. Mamta Bansal & Mrs. Ritu Bansal are the process of mortgaging the said property with **SMFG India Credit Co. Ltd. (Formerly Fullerton India Credit Co. Ltd.).** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 14 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 14-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client. If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 14-days period by contacting

Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants)
at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301; Landline(s): +910120-3101683, e-mail: accounts@lvnorth.in

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Rajendra s/o Mr. Om Prakash is the owner of Freehold Residential Plot area measuring 292 Sq. Yards out of Khasra No. 1048 situated Mauja Gurgaon, Tehsil & District Gurgaon Colony, Bhim Palace, Raj Nagar Gurgaon, Haryana. by virtue of Order & Judgement dated 01.10.2011., In the chain documents below mentioned document not available i.e. Original Sale Deed dated 28.07.2004. executed by Mr. Ashok Kumar, Mr. Mahendra Kumar, Mr. Narendra Kumar all s/o Mr. Som Dutt Yadav in favour of Mr. Om Prakash S/o Mr. Basti Ram duly registered in the office of SR-Gurgaon as document No. 9264 & Original Sale Deed dated 28.07.2004 executed by Mr. Ashok Kumar, Mr. Mahendra Kumar, Mr. Narendra Kumar in favour of Mr. Om Prakash in respect of Plot No. 5-6 area measuring 411 Sq Yards., Our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, and same property sold too be Mr. Shakti Tokas which is to be financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch- Gurugram Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, Kirti D/O Lal Bahadur Mishra R/O B-7 Gali no-2, Mandawali Uncher Par Shakerpu East Delhi - 110092 have to changed my name to Kirti Mishra for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Varsha W/O: Pradeep Katariya, R/O House No-133, Block-A, Shakarpur, PO: Shakarpur, DIST: East Delhi, Delhi - 110092 have changed the name of my minor daughter Devanya Katariya aged 5 month and she shall hereafter be known as ANVI KATARIYA.

NAME CHANGE
It is for general Information That I, RUCHI D/o RAMSANEHI, W/o SOMESH KUMAR, R/o H.No. B-5/394, Yamuna Vihar, North East Delhi, Delhi - 110053, declare that my Ex- Husband UMESH expired on 25.01.2020. I have further remarried with SOMESH KUMAR S/o SHIV KUMAR, R/o H.No. B-5/394, Yamuna Vihar, Delhi -110053, vide Marriage Certificate No. 90730000189530, Dated 15.05.2024. Henceforth the name of the Father of my minor Daughter AASHI aged 12 years and my minor Son AVIRAL KASHYAP aged 7 years may be known as SOMESH KUMAR in future for all purposes.

NAME CHANGE
I, ROSHAN Mother of No. 15216702Y Rank-HAV Name-PATHAN SAMEER RAHEMAN R/o VILL-DEULGAON GHAT, TEH-ASHTI, DIST-BEED, MAHARASHTRA-414203, have changed my name from ROSHAN to PATHAN ROSHANBI RAHEMAN for all future purposes vide Affidavit dated 10/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I Hitherto known as AFRIDI S/O Parvez Siddiqui R/O Vill. Alivardipur Kulesara Greator Noida, Gautam Budh Nagar (UP) 201306, have changed my name and shall hereafter be known as SAHID.

PUBLIC NOTICE
It is general information that I Prince Khurana S/o Harmit Singh Khurana residing at H. No. 219, Block-HD, Sector-135, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201304 declare that name of mine and my father has been wrongly written as Prince Khurana and Hermeet Singh Khurana in my Educational documents. The actual name of mine and my father are Jaskirat Singh Khurana and Harmit Singh Khurana, which may be amended accordingly

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राहुल, पुत्रः आनंदी लाल, पताः म.नं. 130, नियर इंदिरापुरम पब्लिक स्कूल, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** न **FIR No. 978/2014, U/s 411/34 IPC, पुलिस थाना सीमापुरी, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **राहुल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **राहुल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 978/2014, U/s 411/34 IPC, पुलिस थाना सीमापुरी, दिल्ली** के अभियुक्त **राहुल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **24.04.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री ऐश्वर्या सिंह कश्यप
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–06
शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/2040/SHD/2025

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **परवेज उर्फ परवेश सैफी पुत्र मुकीम खान निवासी बी–64, हयात नगर, पीर वाली मस्जिद, खोरा कॉलोनी, गाजियाबाद, यूपी** ने **FIR No. 225/2020, U/S 188 IPC & 129/177 MV ACT, अन्तर्गत थाना गाजीपुर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **परवेज उर्फ परवेश सैफी,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **परवेज उर्फ परवेश सैफी,** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 225/2020, U/S 188 IPC & 129/177 MV ACT, अन्तर्गत थाना गाजीपुर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **परवेज उर्फ परवेश सैफी,** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **22.04.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
श्री सचिन
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
पूर्वी जिला, कोर्ट संख्या 16
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/2948/ED/2025 (Court Matter)

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Nasrin Begum W/o Late Mr. Rifakat Hussain is the owner of Freehold Residential Western Portion of Property No. IX/3788 (New), Old No. 719/52-B/71-B, with Roof/Terrace Rights area measuring 62.5 Sq. Yds., situated at abadi Gali No. 4, Dharampura, Gandhi Nagar, in the area of Village Seelampur, Illaqa Shahdara, Delhi-110031. by virtue of Relinquishment Deed dated 24.02.2025 Vide Doc. 2025/18/I/1504, Vol. No. 5236, Book No. 1, Pages No. 69-78, on this dated 24.02.2025, SR- IV-B, (Vivek Vihar)., In the chain documents below mentioned document not available i.e. SMC of Late Mr. Beli Ram Our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, and same property sold too be Mrs. Jayada Begum which is to be financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch-Narela, Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
This is to inform the general public that **Mrs. Sudha** is the owner of Built-Up Entire First Floor, without roof right, Land area measuring 44 Sq. Yds., i.e. 36.79 Sq. Mtrs, Built on Property bearing no. 1932, situated at Gali Ahiran, Malka Ganj, Delhi – 110007 through Sale Deed dated 09.09.2024 as per document no. 2024/19/I/10311 executed by Mrs. Poonam Kapoor in favour of Mrs. Sudha in respect of said Floor.
Mrs. Sudha is in the process of mortgaging the said property with **SMFG India Home Finance Co. Ltd. (Formerly Fullerton India Home Finance Co. Ltd.).** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client. If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-days period by contacting

Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at
Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301; Landline(s): +910120-3101683, e-mail: accounts@lvnorth.in

NAME CHANGE
I, GAMBHIR SINGH Father JC-483162P Rank-NB/SUB Name-RAJENDRA SINGH R/o GRAM GADORA, PO-NAYAKPURA, MORENA, MADHYA PRADESH-476001, have changed my name from GAMBHIR SINGH to GAMBHEER SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 10/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as ANU ASWAL W/O MUKESH ASWAL R/O W-116 A/598, H. MB CAMP NO-4, JWALAPURI, SUNDER VIHAR, SO WEST DELHI, DELHI-110087 have changed my name and shall hereafter be known as ANITA ASWAL.

गुरुग्राम में राष्ट्रीय लोक अदालत में निपटाए गए 63785 मामले

एजेंसी

गुरुग्राम। जिला में राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न मामलों की सुनवाई करते हुए पौने 8 करोड़ रुपये से अधिक का सेटलमेंट किया गया। लोक अदालत में सिविल, बैंक रिकवरी, अपराधिक एवं वैवाहिक सहित अदालतों में लम्बित विभिन्न मामले रखे गए। जिन पर गंभीरता से सुनवाई के बाद दोनों पक्षों की सहमति से निपटारा किया गया। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम रमेश चंद्र के मुताबिक हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष के निर्देशानुसार तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन सुभाष महला के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय लोक अदालत लगाई गई। लोक अदालत में विभिन्न मामलों को सरलता से निपटाने के लिए 20 बेंच जिला न्यायालय में तथा एक-एक बेंच पटौदी व सोहना स्थित उपमंडल स्तरीय न्यायालय में लगाई गयी थी।

यूडीएफ एसोसिएशन ने स्वास्थ्य मंत्री से मिल समस्याओं से कराया अवगत

गुरुग्राम। चिकित्सा क्षेत्र में व्याप्त अनियमितताओं एवं प्रशासनिक लापरवाहियों के निराकरण के लिए यूडीएफ एसोसिएशन ने स्वास्थ्य मंत्री से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। यूडीएफ एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. लक्ष्य मित्तल के मार्गदर्शन व हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष डॉ अमित व्यास की अध्यक्षता में हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव से प्रतिनिधिमंडल मिला। उन्हें समस्याओं से अवगत कराया। यूडीएफ महासचिव डॉ. कंचन ने बताया कि आयुष्मान योजना को सुचारू रूप से चलाने वाले आयुष्मान मित्रों को 5000 रुपये मासिक मानदेय दिया जा रहा है, जो मजदूरी अधिनियम,1948 के अनुसार न्यूनतम वेतन से भी कम है। हरियाणा सरकार द्वारा 2022 में एचकेआरएल (हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड) के माध्यम से सभी संविदा कर्मियों को समायोजित किया गया था, परंतु आयुष्मान मित्रों को इस प्रक्रिया से भी बाहर रखा गया है। आयुष्मान मित्रों को न्यूनतम वेतन सुरक्षा एवं एचकेआरएनएल पोर्टल में शामिल किया जाये। इसके अलावा मेडिकल कॉलेज अग्रोहा (हिसार) में 2006 से पूर्व नियुक्त नर्सिंग अधिकारियो की ओपीएस (ओल्ड पेंशन स्कीम), चाइल्ड केयर लीव, नर्सिंग जोखिम भत्ता तुरंत लागू किया जाये। रिटायरमेंट की आयु को 62 वर्ष किया जाये। पीजीआई रोहतक जैसे अन्य सरकारी संस्थानों में इन सेवाओं का लाभ दिया जाता है।

लाला शिवलाल धर्मशाला में लगा 84 वां विशाल निशुल्क जांच शिविर

कनीना। कस्बे की लाला शिवलाल धर्मशाला में सेवा भारती कनीना द्वारा 84 वें विशाल मेडिकल कैंप का आयोजन किया जाएगा। जिसमें 64 रोगियों ने लाभ उठाया। शिविर में शिशु बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर हिमानी अग्रवाल, सामान्य व हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर रजत अग्रवाल एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर संतोष शाह ने अपनी सेवाएं दी। इस दौरान ईसीजी, बीपी व सुगर की निशुल्क जांच की गई। यह चिकित्सा शिविर हर महीने के दूसरे आयोजित किया जाता है। संस्था के संरक्षक शिवकुमार ने बताया कि 8 वर्ष पूर्ण हो गए हैं उन्होंने बताया कि अब तक शिविर में 7500 से अधिक मरीज लाभ उठा चुके हैं। इस दौरान अध्यक्ष सुरेश शर्मा, श्याम सुंदर, अमित सिंगला, मास्टर सोमनाथ, सुरेंद्र, योगेश अग्रवाल, जगदीश आचार्य सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

गांव कांटी में सांस्कृतिक धरोहर को कायम रखने के लिए चतुर्थ धमाल प्रतियोगिता हुई

नारनौल। सांस्कृतिक धरोहर को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से जिला महेंद्रगढ़ के प्राचीन गांव कांटी मे धमाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में हरियाणा व राजस्थान की विभिन्न गांवों की टीमों ने अपने भागीदारी निभाई। इस चतुर्थ प्रतियोगिता का आयोजन अमृता लाइब्रेरी की ओर से किया गया। नारनौल के समीप गांव गहली, गांव कांटी से दो टीम, बिहाली तथा समीपवर्ती राजस्थान जिला कोटपूतली बहरोड के गांव दोसोद तथा बसई भोपाल सिंह से धमाल गायकों ने अपनी अपनी प्रस्तुतियां दी।

गांव के बाबा नरसिंह राम मंदिर परिसर में प्रतियोगिता की शुरुआत गांव कांटी पाना भीमा सुधार की टीम ने बाबा की महिमा मंडन के साथ धमाल का गायन से किया। गायन पार्टी में मानवेंद्र, महेंद्र शर्मा, जितेंद्र सिंह उर्फ जुगनू, युधिष्ठिर सिंह, सन्नी, मामराज सिंह, निंजू, लीलाराम, किशोरी लाल ने शानदार प्रस्तुति दी। दूसरी प्रस्तुति भोपाल सिंह बसई राजस्थान से बजरंग सिंह, किशन सिंह नंबरदार, कृष्ण सिंह, पप्पू सिंह, देशराज, राम सिंह आठ सदस्यीय टीम ने माता भवानी को लेकर धमाल गायन किया।

सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी पार्टियों के बूथ लेवल एजेंट करें नामित- पंकज अग्रवाल

बीएलए की त्रुटि रहित मतदाता सूची तैयार करने में रहती है अहम भूमिका

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री पंकज अग्रवाल ने प्रदेश में राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से आह्वान किया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशा अनुसार सभी राजनैतिक दलों को अपने-अपने पार्टी के बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करना अनिवार्य है। आगे से बीएलए का रिकॉर्ड राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालयों को भी रखना होगा।

श्री पंकज अग्रवाल आज इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि हाल ही में दिल्ली के भारत अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र एवं चुनाव प्रबंधन परिषद में सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों की दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ था जिसमें भारत निर्वाचन आयोग ने बीएलए की नियुक्ति करवाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या 2 करोड़ 6 लाख 32 हजार 503 है तथा 20031 बीएलओ पद नामित है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा 6 राष्ट्रीय स्तर तथा दो राज्य स्तरीय मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल हैं। सभी दलों को बूथ लेवल एजेंट 1 और 2 की नियुक्ति करनी है। राजनीतिक दलों के लिए बूथ लेवल एजेंट एक प्राधिकृत व्यक्ति है जो मतदान से संबंधित सामग्री अपनी पार्टी के लिए चुनाव आयोग से लेता है।

उन्होंने कहा कि त्रुटि रहित मतदान सूची तैयार करने में बीएलओ को मतदाताओं के संबंध में आवश्यक जानकारी बूथ लेवल एजेंट उपलब्ध करवाता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2008 में बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति करने की चुनाव आयोग ने सिफारिश की थी, लेकिन अधिकांश राजनीतिक दल इसके प्रति गंभीर नहीं हैं।

श्री अग्रवाल ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने निर्णय लिया है कि आगामी तीन महीनों में राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एक यूनिक नेशनल फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र तैयार करें।

सांसद किरण चौधरी की बिगड़ी तबीयत, गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में हुई एडमिट

एजेंसी

चंडीगढ़। बीजेपी सांसद किरण चौधरी भिवानी के एक कार्यक्रम में शामिल होने वाली थी। इससे पहले ही उनकी तबीयत खराब होने के चलते उन्हें गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हरियाणा से बीजेपी की राज्यसभा सांसद किरण चौधरी की तबीयत खराब होने के चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। बता दें कि तेज बुखार के चलते किरण चौधरी को गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में ले जाया गया। उनके करीबी वासु शर्मा ने जानकारी दी कि किरण चौधरी को पिछले तीन दिनों से बुखार हो रहा था।

भिवानी के कार्यक्रम में होना था शामिल

बता दें कि आज यानी भिवानी में सावित्री देवी पार्क के उद्घाटन के साथ महाराणा प्रताप की मूर्ति का अनावरण किया जाना है। इस कार्यक्रम में बीजेपी सांसद किरण चौधरी भी पहुंचने वाली थी, लेकिन उनकी तबीयत खराब होने के चलते वह कार्यक्रम में नहीं पहुंच पाई। भिवानी में आयोजित इस कार्यक्रम में मिजोरम के राज्यपाल और पूर्व जनरल वीके सिंह मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे।

लोकसभा चुनाव के बाद बीजेपी में हुई थी शामिल

दरअसल, किरण चौधरी पहले कांग्रेस पार्टी में थी, लेकिन साल 2024 में हुए लोकसभा चुनाव के बाद उन्होंने और उनकी बेटी श्रुति चौधरी ने 18 जून को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद अगले ही दिन 19 जून को दोनों नेताओं ने दिल्ली के बीजेपी मुख्यालय पहुंचकर पार्टी जॉइन कर ली। बता दें कि वह भिवानी-महेंद्रगढ़ सीट से बेटी श्रुति चौधरी की टिकट काटे जाने की वजह से नाराज थीं। कांग्रेस से इस्तीफा देते हुए किरण चौधरी ने कहा था कि उन्हें पार्टी में बेइज्जत करने के लिए साजिशें रची गई थी। ।

बीजेपी ने राज्यसभा से दिया टिकट

कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल होने के बाद सिर्फ 2 महीने के अंदर ही किरण चौधरी को बीजेपी ने राज्यसभा से टिकट दे दिया। इस दौरान लोकसभा चुनाव में दीपेंद्र हुड्डा के रोहतक से सांसद बनने के बाद राज्यसभा सीट खाली हो गई थी।

मानवता की सेवा और आध्यात्मिक जागरूकता हम सबका कर्तव्य

परमात्मा से सीधे जोड़ने का काम करते हैं यह कार्यक्रम : कृष्ण कुमार बेदी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि स्वयं को जानो और परमात्मा से जुड़ो। इस तरह के कार्यक्रम हमें परमात्मा से सीधे जोड़ने का काम करते हैं। यह हमारा सर्वोच्च मार्ग दर्शक है। शुद्ध और सकारात्मक विचारों से ही जीवन में शांति और आनंद प्राप्त होता है। मानवता की सेवा और आध्यात्मिक जागरूकता हम सबका कर्तव्य है। कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी नरवाना विधानसभा के गांव धनौरी में

प्रजापति ब्रह्मकुमारी धनौरी द्वारा त्रिमूर्ति शिव जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे।

इससे पहले उन्होंने प्रभू मिलन भवन का उद्घाटन किया और जानकारी हासिल की। उन्होंने कहा कि हमारे मोक्ष के देवता भोले बाबा हैं तथा कर्म योगी भगवान श्रीकृष्ण है। भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि कर्म करो फल की ईच्छा मत करो। शिव बाबा कहते हैं कि पूरे जीवन कर्म करो और मैं आपको मोक्ष के रास्ते पर ले जाऊंगा।

यदि मोक्ष मिल जाए तो इससे बड़ी कोई बात ही नहीं है। ऐसे कार्यक्रम में रहकर हमारे मन और आत्मा को शांति मिलती है और सद्मार्ग की तरफ रास्ता प्राप्त होता है। नकारात्मकता से बचने के लिए सकारात्मक चिंतन हमें करना चाहिए। प्रेम, करूणा और सहयोग का भाव रखना चाहिए।

कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नायब सिंह के नेतृत्व में देश व प्रदेश में विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। हरियाणा सरकार द्वारा पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। लोगों को स्वास्थ्य, बिजली, शिक्षा, परिवहन सुविधा, सामुदायिक भवन व अन्य मूलभूत सुविधाएं प्रदान की जा रही है। इस मौके पर रानी दीदी, सुषमा,लक्ष्मी, आदि मौजूद रहे।

गोवंश के कटे अंग मिलने पर हंगामा

जींद की नई सब्जी मंडी के पीछे कट्टों में भरकर फेंके गए गोवंश व कटड़ों के अंग

एजेंसी

जींद। हरियाणा के जींद में बेहद दुखद घटना सामने आई है। नई सब्जीमंडी के पीछे किसी ने 20 से ज्यादा गोवंश और कटड़ों के अंगों को कट्टों में भरकर खुले में फेंका हुआ था। इस पर गो सेवकों ने जमकर हंगामा किया और मौके पर पुलिस को बुलाया। आरोप आसपास मौजूद डेयरी संचालकों पर लगे हैं।

गोवंश के कटे अंग मिलने पर हंगामा = जींद की नई सब्जी मंडी के पीछे शनिवार को कटड़े व गोवंश के अंगों को काटकर कट्टों में बंद किए जाने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर गोसेवा दल के सदस्य मौके पर पहुंचे और रोष जताया। जांच की तो यहां 20 से ज्यादा कटड़े व गोवंश के अंग कटी हालत में खुले व कट्टों में बंद थे। मामले की सूचना पुलिस को दी गई लेकिन पुलिस ने कोई सख्त कार्रवाई नहीं की। इस पर गो सेवा दल के सदस्यों ने सोशल मीडिया पर लाइव आकर रोष जताया और सख्त कार्रवाई की मांग की।

डेयरी संचालकों को चेताया, गड्ढा खोदकर दबवाया

नई सब्जी के पीछे गोवंश को काटकर कट्टों में बंद कर फेंका गया था, जिससे यहां बदबू फैल रही थी। सूचना मिलने पर गो सेवा दल के प्रधान भूपेंद्र शर्मा गो सेवकों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि जिन भी लोगों ने यहां पर गोवंश व कटड़ों को फेंका है, उनकी पहचान कर कार्रवाई की जाए। इसके बाद पुलिस को भी सूचना दी तो डायल 112 की गाड़ी मौके पर पहुंची। गो सेवा दल के प्रधान ने आरोप लगाए कि यहां पर दर्जनों की संख्या में डेयरी चल रही हैं। डेयरी संचालक मृत कटड़ों व गोवंश को फेंकते हैं। पशुओं को मरने के बाद मिट्टी दी जाती है लेकिन यह ऐसा नहीं करते।

हरियाणा सूचना आयोग बनने के बाद पहली बार सात (7) सूचना आयुक्तों की एक साथ नियुक्ति की प्रक्रिया आरम्भ

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार के मुख्य सचिव संगठन के सामान्य प्रशासन विभाग के अंतर्गत पड़ने वाली प्रशासनिक सुधार शाखा द्वारा हाल ही में 4 मार्च को हरियाणा राज्य सूचना आयोग, जो सूचना का अधिकार (आर.टी.आई.) कानून, 2005 के प्रावधानों के अंतर्गत गठित किया गया है, में राज्य मुख्य सूचना आयुक्त (स्टेट चीफ इनफार्मेशन कमिश्नर) के एक पद और राज्य सूचना आयुक्तों (स्टेट इनफॉर्मेशन कमिश्नर) के सात (7) पदों के लिए योग्य अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किये गए हैं जिसके लिए इच्छुक उम्मीदवार आगामी 21 मार्च तक आवेदन कर सकते है.इसी माह दो सप्ताह बाद 24 मार्च 2025 को वर्तमान राज्य मुख्य सूचना आयुक्त विजय वर्धन, रिटायर्ड आईएएस, जो प्रदेश सरकार के पूर्व मुख्य सचिव भी रहे थे, और एक अन्य सूचना आयुक्त डॉ. एस.एस. फुलिया, रिटायर्ड आईएएस दोनों का तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा हो जाएगा. इनके अतिरिक्त सूचना आयुक्त के अन्य छः (6) पद पहले से रिक्त हैं. वर्तमान में फुलिया के अतिरिक्त आयोग में तीन अन्य सूचना आयुक्त नामतः डॉ. कुलबीर छिकारा, प्रदीप कुमार शेखावत और डॉ. जगबीर सिंह हैं जिन तीनों की नियुक्ति अप्रैल,2023 में की गई थी. इनमें से छिकारा और जगबीर का कार्यकाल तो अगले वर्ष अप्रैल,2026 तक है जबकि शेखावत का कार्यकाल इसी वर्ष अक्टूबर,2025 में पूरा हो जायेगा. इसी बीच पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के एडवोकेट और आर.टी.आई. कानून के जानकार हेमंत कुमार (9416887788) ने बताया कि इस प्रकार हरियाणा सूचना आयोग में आगामी 24 मार्च को रिक्त होने वाले राज्य मुख्य सूचना आयुक्त और एक सूचना आयुक्त के एक पद के अतिरिक्त आयोग में सूचना आयुक्तों के अधिकतम 6 अन्य पद भरे जाने हैं।

सिरसा में सांसद कुमारी सैलजा ने सुनी जनसमस्याएं

कहा- बीजेपी सरकार कर रही है हर वर्ग को परेशान, किसी सूरत में नहीं दबने देंगे लोगों की आवाज

एजेंसी

सिरसा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने शहीद भगत सिंह स्टेडियम स्थित अपने कार्यालय में जनसमस्याएं सुनीं। इस दौरान लोगों ने विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए कुमारी सैलजा से लिखित रूप में आग्रह किया। समस्याएं सुनते हुए कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा सरकार को लोगों की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार लोग मेरे पास शिकायतें लेकर आ रहे हैं उसके चलते कहा जा सकता है कि सरकारी महकमों में लोगों को सिर्फ धक्के खाने के अलावा कुछ हासिल नहीं होता।

कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकार लोगों को बेवजह परेशान करने के लिए सरकारी तंत्र में ऐसी खामियां बनाए हुए है जिस कारण लोग परेशान हो रहे हैं। चाहे वह प्रॉपर्टी आईडी की बात हो या फिर फैमिली आईडी की। इन सब में लोगों

को परेशान किया जा रहा है। इसी प्रकार मेरी फसल मेरा ब्यौरा के तहत किसानों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को लोगों की सुविधाओं के लिए कदम उठाने चाहिए पर ऐसा न करके सरकार लोगों को परेशान करने वाली नीतियों पर चल रही है। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि अगर बीजेपी सरकार में लोगों के काम आसानी से होते तो लोगों की बड़ी संख्या में मेरे पास शिकायतें क्यों आ रहीं हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश में हर वर्ग दुखी है।

किसान, मजदूर, कर्मचारी, व्यापारी सबको परेशान करने के अलावा बीजेपी सरकार ने कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ही लोगों की समस्याओं को समझ सकती है। ऐसे में लोगों का विश्वास बीजेपी से उठता जा रहा है।

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि मैं बतौर सांसद लोगों की समस्याओं को सरकार के समक्ष उठाऊंगी। हम ने पहले भी लोगों कि हितों के अनुसार आवाज को बुलंद किया और अब भी करते रहेंगे। समस्याएं लेकर पहुंचे लोगों को उन्होंने आश्वान दिया कि सबकी समस्याओं का हल करवाने के लिए वे प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है पर हमने लोगों के संघर्ष का रास्ता अपनाया है। जनता की आवाज को हम किसी भी सूरत में दबने नहीं देंगे। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वीरभान मेहता, राजेश चाडीवाल, सुरेंद्र बांसल, आनंद बियानी, कृष्णा फौगाट, बलविंद्र नेहरा, प्रो. आरसी लिंबा, लाधू राम पुनियां, आढती एसोसिएशन के प्रधान प्रेम बजाज, उर्मिल भारद्वाज, जगा सिंह बराड़, सुरेंद्र नैन, ओम प्रकाश डाबर सहित अनेक नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने आढ़ती एसोसिएशन के नवनिर्वाचित प्रधान प्रेम बजाज को मिठाई खिला कर उनका मुंह मिठा करवाया और जीत की बधाई दी।

सुभाष पार्क में ओपन एयर थियेटर बनाने का मेरा जो मकसद था वह साकार हुआ : अनिल विज

एजेंसी

अम्बाला । हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि सुभाष पार्क के ओपन एयर थियेटर में आयोजित की जा रही मिस्टर अम्बाला बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में आकर उन्हें सबसे ज्यादा खुशी हो रही है क्योंकि जब सुभाष पार्क में ओपन एयर थियेटर उन्होंने सही सोचकर बनाया था कि उनके शहर में भिन्न-भिन्न गतिविधियां होती रहे, और आज यहां कार्यक्रम देखकर उनका जो सपना था वह साकार हो गया है।

श्री विज आज शाम सुभाष पार्क के ओपन एयर थियेटर में अम्बाला फिटनेस एंड बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन की ओर से आयोजित की जा रही मिस्टर अम्बाला बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में बतौर मुख्यतिथि लोगों को संबोधित कर रहे थे। इसके उपरांत उन्होंने विजेताओं को पुरस्कार भी बांटे।

ऊर्जा व परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि ओपन एयर थियेटर में और भी कई कार्यक्रम होते रहते हैं, एक भी सप्ताह ऐसा नहीं जाता जब यहां पर कोई सांस्कृतिक कार्यक्रम न होता हो। यही उनका सपना था कि उनके शहर के लोग हंसते, खेलते व

नाचते रहे। उनके शहर के बच्चे बॉडी बिल्डिंग में आगे बढ़े उसके लिए जो भी सहायता होगी वह अपनी व सरकार की तरफ से करेंगे।

पूरे देश में पैगाम जाए कि अम्बाला छावनी बॉडी बिल्डिंग में सबसे आगे है: ऊर्जा व परिवहन मंत्री अनिल विज

कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि आज मिस्टर अम्बाला की जो प्रतियोगिता यहां हो रही है, वह चाहते हैं कि मिस्टर हरियाणा व मिस्टर भारत की प्रतियोगिता भी अम्बाला छावनी में हो। यह पैगाम जाना चाहिए कि बॉडी बिल्डिंग में अम्बाला छावनी सबसे आगे है। यहां के अखाड़ों में शाम को रौनक लगे और नौजवान अभ्यास करें यही वह चाहते हैं। वह युवाओं से आह्वान करते हैं कि बॉडी बिल्डिंग के कौशल को दूसरे लोगों में भी बांटे। बॉडी बिल्डिंग को बढ़ावा देने के लिए जो मदद उनकी तरफ से होगी वह करेंगे।

बॉडी बिल्डिंग लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रखती है :कैबिनेट मंत्री अनिल विज

कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि आज यहां बॉडी बिल्डिंग का कार्यक्रम हुआ है वह इसकी दिल की गहराई से प्रशंसा करते हैं। यह इवेंट समाज में कुरीतियों को दूर करते हुए स्वास्थ्य के प्रति लोगों को सजग करती है। आज नौजवान कई प्रकार के गलत कार्यों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। उनको वहां से हटाने के लिए आवश्यक है कि हम इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करें।

यहां जितने भी दर्शक आए हैं वो चाहे प्रतियोगिता में हिस्सा न ले रहे हों लेकिन हर दर्शक के मन में यह ख्वाहिश होगी कि वह भी अपनी बॉडी व मांसपेशियां बॉडी बिल्डरों की तरह बनाएं। वह समझते हैं कि आयोजकों ने इसी भावना को ध्यान में रखते हुए प्रतियोगिता का आयोजन किया है जिसमें काफी युवा भाग ले रहे हैं। वह सभी को बधाई देना चाहते हैं।

हकेवि में वार्षिकोत्सव स्पंदन की हुई शुरुआत

एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में आज से सांस्कृतिक वार्षिकोत्सव 'स्पंदन-2025' का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर संरक्षक के रूप में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में आरपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के श्री मनीष राव व हरियाणा कला परिषद के पूर्व निदेशक श्री अनिल कौशिक उपस्थित रहे। आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का आगाज शनिवार शाम विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ। जिसमें हरियाणा लोकसेवा आयोग की सदस्य सुश्री ममता यादव व स्थानीय विधायक श्री कंवर सिंह यादव उपस्थित रहे। आयोजन के अंतर्गत विद्यार्थियों ने मनमोह लेने वाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। इसी क्रम में स्पंदन 2025 का औपचारिक रूप से शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथि श्री मनीष राव ने युवा शक्ति का आह्वान करते हुए कहा कि अनुशासन, आत्मविश्वास और उत्कृष्टता का भाव सदैव सफलता का

मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि जो आज जीतेगा नहीं, वह सीखकर जाएगा। इसलिए अपना सर्वोत्तम देने का प्रयास करें। इसी तरह उद्घाटन सत्र में उपस्थित विशिष्ट अतिथि श्री अनिल कौशिक ने अपने अनुभवों का उल्लेख करते हुए मानवता और समाज के विकास में युवा पीढ़ी की भूमिका पर जोर दिया। साथ ही साथ उन्होंने विश्वविद्यालय में झलकने वाले मिनी भारत का उल्लेख करते हुए बताया कि किस तरह से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय एक भारत श्रेष्ठ भारत की पकिकल्पना को साकार कर रहा है।

आयोजन के संरक्षक प्रो. टंकेशवर कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि हर साल यह आयोजन विद्यार्थियों को कक्षाओं से इत्तर विकास के अवसर प्रदान करता है।

यदुवंशी नारनौल में करियर काउंसलिंग सेमिनार का आयोजित

नारनौल। यदुवंशी शिक्षा निकेतन नारनौल के प्रांगण में करियार कांउसलिंग सेमिनार का आयोजन किया गया।जिसमें मुख्यातिथि संस्था के चेयरमैन राव बहादुर सिंह व कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनंत शर्मा ने की।

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I TANNU DEVI D/O CHAND R/O Katwara, Katwara(84), PO: Sanghi, DIST: Rohtak Haryana - 124303 declare that name of mine has been wrongly written as TANNU in my 10th class marksheet The actual name of mine is TANNU DEVI which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is general information that I, VICKUNJ BAREJJA S/o CHANDER PARKASH BAREJA, R/o House No. 204, Sector-19, Near Rama Krishna Mandir, Faridabad-121002, Haryana declare that name of mine and my father has been wrongly written as VIKUNJ BAREJA and CHANDER PRAKASH BAREJA in my 10th and 12th Class Educational documents. The actual name of mine and my father are VICKUNJ BAREJJA and CHANDER PARKASH BAREJA, which may be amended accordingly.

प्रभात फेरी संगठन ने निकाली 251 वीं श्री श्याम निशान यात्रा

एजेंसी

नारनौल। प्रभात फेरी संगठन द्वारा फाल्गुन मास की दशमी तिथि के पावन अवसर श्री श्याम निशान प्रभात फेरी यात्रा का श्री चामुंडा देवी मंदिर से 129 वी प्रभात फेरी के रूप में आयोजन किया गया। प्रभात फेरी के मुख्य यजमान स्वयं श्री श्याम बाबा रहे और प्रभात फेरी संगठन परिवार के सभी सदस्यों द्वारा ठाकुर जी का एवं निशान पूजन करके प्रभात फेरी का शुभारंभ किया गया। प्रभात फेरी समिति के संस्थापक घनश्याम गर्ग एवं संरक्षक चेतन जिंदल के नेतृत्व में आयोजित की गई। प्रभात फेरी में संदीप गोयल, रजनी गर्ग, रश्मि गोयल, जया अग्रवाल ने राधा कृष्ण के धुन से प्रभात फेरी का शुभारंभ किया और सभी भक्तजन राधा नाम संकीर्तन करते हुए मां चामुंडा देवी मंदिर से चलकर आजाद चौक, गौड़ ब्राह्मण सभा, महता चौक, सुभाष स्टेडियम, सैनी धर्मकांटा होते हुए श्री श्याम मंदिर जौरासी धाम पर पहुंचकर संपन्न हुई। रास्ते में धर्म प्रेमी बंधुओं ने श्री राधा नाम संकीर्तन प्रभात फेरी का स्वागत पुष्प वर्षा एवं आरती करके प्रशाद वितरित किया। जगह-जगह धर्म प्रेमी बंधुओं ने जूस, फल, चाय-नाश्ते से यात्रा का स्वागत किया। संस्था के संस्थापक घनश्याम गर्ग ने बताया कि आज की यात्रा में ठाकुर जी अर्पण की गई समस्त धन-राशि श्री श्याम मंदिर जौरासी धाम में श्री श्याम बाबा को समर्पित की गई और प्रभात फेरी संगठन शहर की एक मात्र ऐसी संस्था है, जिसमें आने वाले दान को गौ माता की सेवा में इस्तेमाल किया जाता है। संस्था के संरक्षक चेतन जिंदल ने बताया कि 251 निशान महिलाओं और पुरुषों द्वारा श्री श्याम बाबा को अर्पित किए गए। जोगिंद्र अग्रवाल एवं महेंद्र सैनी ने बताया कि प्रभात फेरी संगठन शहर की पहली संस्था है, जिसने राधा नाम की अलख शहर की हर गली-मोहल्लों में लोगों के मन में जगा दी है और हर महिलाओं, पुरुष एवं बच्चों की टोली राधे नाम संकीर्तन यात्रा में लोगों को जागरूक कर रही है। इस अवसर पर नवीन जैन ने बताया कि श्री राधा नाम लेने से मनुष्य 84 लाख योनियों के क्रमबंध से मुक्त होकर भगवान के श्री धाम में चला जाता है।

भारत में अर्थव्यवस्था में सुधार के बावजूद, देश छोड़ते जा रहे हैं धनी:ऋषभ श्रॉफ

नयी दिल्ली। देश की जानी मानी व्यापारिक विधि सेवा कंपनी सिरिल अमरचंद मंगलदास के भागीदार ऋषभ श्रॉफ ने कहा कि भारत में कारोबार के अवसरों में सुधार के बावजूद कई धनाढ्य व्यक्ति अतिरिक्त अवसरों की खोज में विदेशों में बसते जा रहे हैं और इस प्रकार के प्रव्रजन का देश के कारोबार तथा आर्थिक नीतियों पर बड़ा प्रभाव पड़ सकता है। श्री श्रॉफ ने एक टीवी चैनल के परिचर्चा सम्मेलन के सत्र में कहा कि देश की विशाल आबादी के सामने भारत छोड़ने वाले ये लोग संख्या में भले ही नगण्य लगते हों पर ये व्यक्ति ' व्यवसाय में अग्रणी लोग हैं, रोजगार देने वाले हैं और बड़ा कर चुकाने वाले लोग हैं। उनके बाहर जाने से भारत में सम्पत्ति प्रबंधन व्यवसाय, व्यावसायिक अवसरों और देश की आर्थिक नीतियों के भविष्य पर कुछ प्रश्नचिह्न खड़े करता है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग दुबई, सिंगापुर, अमेरिका और ब्रिटेन के पासपोर्ट ले रहे हैं। इन देशों ने धनी विदेशी नागरिकों को आकर्षित करने के लिए कुछ न कुछ योजनाएं बना रखी हैं।

असम में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 2.63 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश

असम। असम के वित्त मंत्री अजंता नियोग ने सोमवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कुल 2.63 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया। यह बजट 620.27 करोड़ रुपये के घाटे का है। बजट में राज्य के सभी कामकाजी लोगों के लिए 15,000 रुपये तक की मासिक आय पर व्यावसायिक कर से छूट देने का भी प्रस्ताव है। असम में अगले साल की शुरूआत में विधानसभा चुनाव होने हैं। नियोग ने कहा, ÷इससे 1.43 लाख से अधिक करदाताओं/परिवारों को लाभ होगा और उनकी क्रय क्षमता बढ़ेगी।

वित्त वर्ष के लिए अपना अंतिम पूर्ण बजट पेश करते हुए, निओग ने चाय उद्योग के सामने आने वाली चुनौतियों को कम करने के लिए हरी चाय की पत्तियों पर कर छूट को दो अतिरिक्त वर्षों के लिए बढ़ाने की भी घोषणा की। वित्त मंत्रालय ने भारतीय बीमा विनियामक व विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) के अध्यक्ष पद को भरने के लिए आवेदन मांगे हैं। बीमा क्षेत्र के नियामक बीआईडीएआई के मौजूदा प्रमुख देबाशीष पांडा का कार्यकाल 13 मार्च को समाप्त हो रहा है। अध्यक्ष पद हेतु आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 6 अप्रैल, 2025 है। देबाशीष पांडा, जो वित्त मंत्रालय के तहत वित्तीय सेवा विभाग में सचिव के रूप में काम कर कर चुके हैं, ने 14 मार्च, 2022 को तीन साल की अवधि के लिए आईआरडीएआई के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला।

जोमैटो की मूल कंपनी का नाम अब इटरनल, शेयरधारकों ने दी प्रस्ताव को मंजूरी

नई दिल्ली। फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो के शेयरधारकों ने मूल कंपनी का नाम बदलकर इटरनल लिमिटेड करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही कंपनी का आधिकारिक नाम जोमैटो से बदलक इटरनल करने का रास्ता साफ हो गया। इटरनल में चार वर्टिकल होंगे। इनका नाम है- फूड डिलीवरी बिजनेस जोमैटो, क्रिक कॉमर्स यूनिट ब्लिंकिट , गोइंग-आउट वर्टिकल डिस्ट्रिक्ट और बिजनेस-टू-बिजनेस किराना सप्लाई कंपनी हाइपरप्योर। इटरनल नाम अपनाने के साथ कंपनी दूसरी बार खुद को रीब्रांड कर रही है। 2008 में जोमैटो की स्थापना फूडीबे के रूप में हुई थी और 2010 में इसका नाम बदलकर जोमैटो कर दिया गया था। 2022 में ब्लिंकिट (पहले ग्रोफर्स) के अधिग्रहण के बाद ही आंतरिक रूप से मूल कंपनी का नाम बदलकर इटरनल कर दिया गया था। इसके साथ ही एक संगठनात्मक पुनर्गठन किया गया। इसके तहत एक बड़ी कंपनी की छतरी के नीचे कई व्यवसाय आ गए, इनमें से हर कंपनी का अपना अलग सीईओ था कंपनी के सह- संस्थापक दीपिंदर गोयल ने शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में लिखा, 'जब हमने ब्लिंकिट का अधिग्रहण किया, तो हमने कंपनी और ब्रांड/ऐप के बीच अंतर करने के लिए आंतरिक रूप से 'इटरनल' (जोमैटो की जगह पर) का उपयोग करना शुरू कर दिया। था'

भारत का बीमा उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है, लेकिन साथ ही एक गंभीर चुनौती भी बढ़ रही है- वह है बीमा धोखाधड़ी

नई दिल्ली।। यह समस्या न केवल कंपनियों को आर्थिक रूप से कमजोर कर रही है, बल्कि ईमानदार ग्राहकों को बढ़ी हुई प्रीमियम दरें चुकाने के लिए भी मजबूर कर रही हैं। बीमा क्षेत्र में धोखाधड़ी के बहुत अधिक मामले सामने आ रहे हैं। आश्चर्यजनक रूप से, भारत में सभी बीमा धोखाधड़ी में 86फीसदी जीवन बीमा क्षेत्र से जुड़ा है। यह गैर-जीवन बीमा क्षेत्र में होने वाली धोखाधड़ी से लगभग छह गुना अधिक है। अलग-अलग तरह की जालसाजी के कारण बीमा उद्योग को हर साल 30,401 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ता है। इसका मतलब है कि कंपनियां अपने कुल राजस्व का 8.5त्न धोखाधड़ी के कारण गंवा देती हैं।भारती एक्सा लाइफ इंश्योरेंस के मार्केटिंग प्रमुख नितिन मेहता के अनुसार बीमा धोखाधड़ी तब होती है जब कोई व्यक्ति जानबूझकर या झूठ बोलकर कोई ऐसा लाभ या फायदा हासिल करता है, जिसका वह हकदार नहीं है। जैसे-जैसे डिजिटलीकरण तेज हो रहा है और लोग रिमोट जगहों से काम करने को तरजीह दे रहे हैं। लेकिन इस परिस्थिति में धोखेबाज कमजोरियों का फायदा उठाने के लिए तत्पर रहते हैं। बीमा धोखाधड़ी तब होती है जब आवेदक अधिक अनुकूल पॉलिसी शर्तें, कवरेज या प्रीमियम प्राप्त करने के लिए बीमा आवेदन पत्रों पर गलत या अधूरी जानकारी देते हैं।

ताकाशी नाकाजिका होंडा कार्स इंडिया के अध्यक्ष एवं सीईओ नियुक्त

एजेंसी

नई दिल्ली। होंडा मोटर कंपनी लिमिटेड ने श्री ताकाशी नाकाजिमा को होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड का नया अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि श्री नाकाजिमा की नियुक्ति एक अप्रैल, 2025 से प्रभावी होगी। उनकी नियुक्ति होंडा मोटर कंपनी लिमिटेड द्वारा प्रतिवर्ष घोषित प्रबंधन परिवर्तनों के अनुरूप है। श्री नाकाजिमा श्री ताकुया त्सुमुरा का स्थान लेंगे, जो भारत में अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद होंडा मुख्यालय में जापान चले गए हैं। भारत में अपने तीन वर्ष के कार्यकाल के दौरान, श्री त्सुमुरा ने भारत में होंडा की प्रीमियम ब्रांड स्थिति को मजबूत करने, ग्राहक केंद्रित समाधानों को मजबूत करने और कंपनी के लाभदायक विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने

भारत में कई प्रीमियम मॉडलों की शुरूआत की, जिसमें भारत का पहला मुख्यधारा हाइब्रिड मॉडल होंडा सिटी ई:एचईवी, होंडा की नई वैश्विक एसयूवी एलिवेट, ऑल न्यू थर्ड जनरेशन अमेज शामिल है और भारत के लिए होंडा के पहले बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन सहित भविष्य के मॉडलों के लॉन्च की नींव रखी। उनके कार्यकाल के दौरान, होंडा कार्स इंडिया ने जापान को मेड इन इंडिया एलिवेट के निर्यात की शुरुआत के साथ अपने निर्यात कारोबार में मजबूत विस्तार देखा।

श्री नाकाजिमा 1994 में होंडा में शामिल हुए और 30 से अधिक वर्षों से होंडा मोटर कंपनी लिमिटेड से जुड़े हैं। उन्होंने व्यवसाय योजना, उत्पाद योजना, विपणन और बिक्री संवर्धन के क्षेत्रों में जापान, चीन, स्पेन, चेक गणराज्य और रूस जैसे कई अंतरराष्ट्रीय बाजारों में जिम्मेदारी के विभिन्न पदों पर काम करके व्यापक अनुभव प्राप्त किया है। वह 2021 से होंडा मोटर रूस के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। अपने नवीनतम कार्यभार के दौरान, वह घरेलू जापान बाजार में होंडा के ऑटोमोबाइल व्यवसाय के लिए उत्पाद योजना, विपणन और कॉर्पोरेट संचार के प्रभारी भी थे।

मसूर और पीली मटर के आयात शुल्क में संशोधन

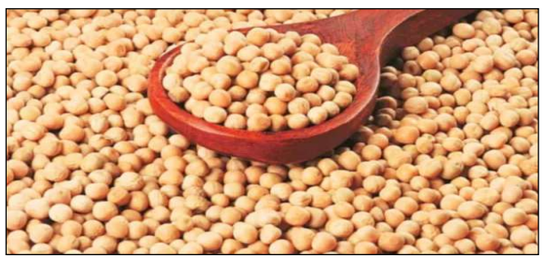

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने आयात को विनियमित करने और घरेलू बाजार में मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मसूर दाल और पीली मटर पर आयात शुल्क में संशोधन करने की घोषणा की है।

वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग ने इस संबंध में 7 मार्च, 2025 को अधिसूचना जारी किया जो आठ मार्च 2025 से प्रभावी हो गया है। अधिसूचना के अनुसार, सरकार ने पिछली सीमा शुल्क अधिसूचनाओं में संशोधन करके मसूर (दाल) पर आयात शुल्क घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया है। इसके अतिरिक्त, पीली मटर को भी संशोधित शुल्क संरचना में शामिल किया गया है।

इस कदम से इन दालों का आयात अधिक किफायती होने की उम्मीद है, जिसका संभावित रूप से उपभोक्ताओं और घरेलू उत्पादकों दोनों पर असर पड़ेगा। ये संशोधन 8 मार्च, 2025 से प्रभावी होंगे। इसके अतिरिक्त, अधिसूचना संख्या 17/2025-सीमा शुल्क, अधिसूचना संख्या 64/2023-सीमा शुल्क, दिनांक 7 दिसंबर, 2023 के तहत प्रावधानों की समय सीमा को 28 फरवरी, 2025 से बढ़ाकर 31 मई, 2025 कर दिया गया है।

फेडएक्स 'सक्षम' के ज़रिए महिला उद्यमिता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया

एजेंसी

मुंबई। एक्सप्रेस ट्रांसपोर्टेशन कंपनी फेडरल एक्सप्रेस कॉर्पोरेशन (फेडएक्स) ने भारत में लगातार चौथे वर्ष 'सक्षम' पहल के माध्यम से समावेशी उद्यमिता को बढ़ावा देने का कार्य जारी रखा है। कंपनी ने आज यहां कहा कि इस वर्ष, सक्षम ने 270 से अधिक महिला उद्यमियों और एलजीबीटीक्यूआईए प्लस समुदाय के लगभग 160 सदस्यों को सशक्त बनाया है। इन उद्यमियों को व्यावसायिक संसाधनों और मार्गदर्शन से युक्त 'सक्षम किट' प्रदान की गई, साथ ही उद्योग-विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया। इस पहल के तहत टिफिन सेवा, सिलाई, हस्तशिल्प, खाद्य सेवा और सौंदर्य क्षेत्र के लघु व्यवसायियों को उनके कारोबार को आगे बढ़ाने और सफल होने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं।

फेडएक्स इंडिया ऑपरेशंस के उपाध्यक्ष सुवेंदु चौधरी ने कहा, ग्लोबल आंत्रेप्रेन्योरशिप मॉनिटर के अनुसार, यदि महिलाओं को पुरुषों के समान दर पर व्यवसाय शुरू करने और उसे बढ़ाने में मदद मिले, तो

वैश्विक अर्थव्यवस्था में 5 से 6 लाख करोड़ डॉलर का योगदान किया जा सकता है। भारत में महिला-स्वामित्व वाले 2.2 करोड़ एमएसएमई मौजूद हैं, जिनमें अपार संभावनाएँ हैं, लेकिन पूंजी, व्यावसायिक ज्ञान और बाजार तक पहुँच जैसी चुनौतियाँ बनी हुई हैं। यूनाइटेड वे के सहयोग से, फेडएक्स का लक्ष्य 'सक्षम' के माध्यम से इस अंतर को कम करना है, ताकि महिला उद्यमी मजबूत व्यवसाय स्थापित कर सकें और आर्थिक विकास में अपना योगदान दे सकें। यूनाइटेड वे मुंबई के सहयोग से वर्ष 2021 में अपनी शुरुआत के बाद से 'सक्षम' ने महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की है। अकेले 2024 में 38 प्रतिशत लाभार्थी औसतन 61,176 रुपये सालाना की कमाई कर रहे हैं, जिनके पास पहले कोई आमदनी नहीं थी। इसके अलावा, 15,000 रुपये सालाना से कम कमाई करने वालों में से 19 प्रतिशत लोगों की औसत कमाई बढ़कर 66,782 रुपये हो गई है। ये आँकड़े इस कार्यक्रम से होने वाले प्रत्यक्ष आर्थिक उन्नयन का प्रमाण हैं।

हाइवे हीरो ट्रस्ट ने किया अद्वितीय महिलाओं को किया सम्मानित

एजेंसी

नई दिल्ली। हाइवे हीरो ट्रस्ट ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर यहां महिला दिवस समारोह का आयोजन किया जिसमें समाज की अनसुनी नायिकाओं जैसे महिला ड्राइवरों, उद्यमियों और शिक्षकों को सम्मानित किया गया और इस मौके पर फैशन शो 'वॉक टू एम्पावर' का आयोजन किया गया, जिसमें महिला ड्राइवरों ने स्वयं हिस्सा लिया।

इस कार्यक्रम में प्रेरणादायक महिलाएं, विशिष्ट अतिथिगण और युवा समर्थकों ने महिला सशक्तिकरण के इस समारोह में भाग लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण महिला पुरस्कार समारोह था, जिसमें 17 महिलाओं को उनके साहस और समाज में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस समारोह में सांसद बंसुरी स्वराज भी मौजूद थी। कार्यक्रम में सूफी गायक विक्की आहुजा और बॉलीवुड सिंगर विशाल श्रीवास्तव ने सांस्कृतिक रंग भरे। अपनी सूफी संगीत के प्रति गहरी लगन के साथ विक्की आहुजा ने अपनी आत्मीय प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। एक्स फैक्टर इंडिया और

राइजिंग स्टार के फेम विशाल श्रीवास्तव ने अपनी मधुर आवाज और संगीत कौशल से लोगों का दिल जीता। उनका टी-सीरीज के साथ 'जोगीरा' गाना उनके गायन कौशल को प्रदर्शित करता है और भारी प्रशंसा प्राप्त कर चुका है। उनके और विक्की आहुजा के संगीत के संगम ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया और दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। हाइवे हीरो ट्रस्ट के संस्थापक एवं अध्यक्ष बलवंत सिंह भुल्लार ने कहा, महिलाएं हमारे देश की प्रगति की रीढ़ हैं। यह आयोजन उनकी ताकत, साहस और अमूल्य योगदान को सम्मानित करने के लिए है। वे नैतिकता, वफादारी, निर्णायकता और नेतृत्व का प्रतीक हैं, और महिलाओं को सशक्त बनाकर हम राष्ट्र को सशक्त बनाते हैं। हाइवे हीरो ट्रस्ट में हम दृढ़ विश्वास रखते हैं कि उनकी उपलब्धियों को सम्मानित करना केवल एक आवश्यकता नहीं बल्कि एक कर्तव्य है।

आईआईएफएल फाईनेंस ने सात ऑल वीमेन 'शक्ति' शाखा की शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। नॉन-बैंकिंग फाईनेंस कंपनियों में से एक आईआईएफएल फाईनेंस ने दिल्ली नेशनल कैपिटल रीज़न (एनसीआर) और मुंबई मेट्रोपोलिटन रीज़न (एमएमआर) में सात गोल्ड लोन शाखाएं शुरू की हैं। इन गोल्ड लोन शाखाओं का संचालन महिला कर्मचारियों द्वारा किया जाएगा। महिला दिवस के अवसर पर शुरू की गई इस पहल ने गोल्ड लोन उद्योग में पहली बार महिलाओं के संचालन वाली शाखाएं शुरू की हैं। इससे वित्तीय सेवाओं में महिलाओं को सशक्त बनाने की आईआईएफएल फाईनेंस की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। ये 'शक्ति' ब्रांच महिलाओं की दृढ़ता और शक्ति की मिसाल पेश करती हैं, जो अपने समुदायों में सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन

लेकर आएंगी। इन शाखाओं पर सभी ऋणग्राही विशेष लाभों के साथ सेवाएं प्राप्त कर सकेंगे। यहाँ पर महिला उद्यमियों के लिए विशेष रूप से तैयार लिटरेसी प्रोग्राम्स भी प्रदान किए जाएंगे। कंपनी के अध्यक्ष एवं मुख्य परिचालन अधिकारी अभिराम भट्टाचार्जी ने कहा, आईआईएफएल फाईनेंस की एक चौथाई ग्राहक महिलाएं हैं, जो मुख्यतः बैंकिंग सेवाओं से वंचित और बैंकिंग सेवाओं की कमी वाले सेगमेंट्स से हैं। साथ ही हमारी शाखाओं में भी कई महिलाएं काम करती हैं। इन महिला-केंद्रित अभियानों द्वारा हमारा उद्देश्य वित्तीय आत्मनिर्भरता लाना एवं बिज़नेस के लिए एक ज्यादा समावेशी परिवेश का निर्माण करना है। हर शक्ति ब्रांच का संचालन केवल महिलाएं करेंगी। यहाँ पर चालीस महिलाओं तक को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। ये शाखाएं वित्तीय सेवाओं के अलावा कौशल विकास के कार्यक्रम भी पेश करेंगी, जो महिला उद्यमियों को अपने बिज़नेस का विस्तार करने में समर्थ बनाने के लिए डिज़ाईन किए गए हैं। आईआईएफएल फाईनेंस के ज़ोनल हेड, गोल्ड लोन, मनीष मयंक ने कहा, महिला बिज़नेस मालिक भारत की अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण ताकत हैं। हमारे ग्राहकों में उनका एक बड़ा हिस्सा है। शक्ति ब्रांच की शुरुआत बैंकिंग से वंचित और बैंकिंग की कमी वाली छोटी महिला उद्यमियों को क्रेडिट और वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने की हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है। महिला दिवस यह पहल शुरू करने के लिए एक अच्छा अवसर है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट का रुख बना हुआ है। भाव में आई इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 87,700 रुपये से लेकर 87,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 80,390 रुपये से लेकर 80,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 99,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,750 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 87,700 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

मूंगफली तेल सस्ता; दालों में मिलाजुला रुख

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिश्रित रुझान के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में मूंगफली तेल सस्ता हो गया जबकि दालों में मिलाजुला रुख वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहनः वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मार्च वायदा सप्ताहांत पर 90 रिंगिट चढ़कर 4821 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा 2.45 सेंट की गिरावट लेकर 43.01 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान मूंगफली तेल में 294 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट को छोड़कर अन्य खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

सप्ताहांत पर सरसों तेल 16116 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली

तेल 18168 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 16703 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 15751 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 13553 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 16336 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

दाल-दलहन : बीते सप्ताह दाल-दलहन बाजार में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान चना 250 रुपये, दाल चना 250 रुपये, मसूर दाल 50 रुपये और मूंग दाल 50 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती जबकि उड़द दाल 200 रुपये और अरहर दाल 550 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हो गई।

सप्ताहांत पर चना 5700-5800, दाल चना 6700-6800, मसूर काली 7300-7400, मूंग दाल 9250-9350, उड़द दाल 9200-9300, अरहर दाल 8400-8500 रुपये प्रति क्विंटल रही।

अनाज : अनाज मंडी में टिकाव रहा। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे। इस दौरान (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 3100-3200 रुपये और चावल 3150-3250 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : बीते सप्ताह मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। सप्ताहांत पर चीनी एस 3590-3690, चीनी एम. 4300-4400, मिल डिलीवरी 3470-3570 और गुड़ 4250-4350 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

होली में 60 हजार करोड़ का होगा कारोबार : कैट

एजेंसी

नई दिल्ली। खुदरा कारोबारियों का संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने आज कहा कि इस वर्ष की होली में देश में 60 हजार करोड़ रुपये का कारोबार होने की संभावना है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं चांदनी चौक से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने बताया कि इस साल होली के मौके पर देशभर में 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक के व्यापार होने की संभावना है, जो पिछले साल की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक है। पिछले वर्ष यही कारोबार लगभग 50 हज़ार करोड़ रुपये का था।

श्री खंडेलवाल ने बताया कि कारोबारियों और ग्राहकों ने इस बार भी चीन में बने उत्पादों का बहिष्कार किया, जिससे भारतीय निर्मित हर्बल रंग, गुलाल, पिचकारी, मिठाइयां, ड्राई फ्रूट्स, परिधान, गिफ्ट आइटम और अन्य उत्पादों की बिक्री में जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है।होली के

उत्सव ने छोटे कारोबारियों, खुदरा विक्रेताओं और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उपमक्र (एमएसएमई) क्षेत्र के लिए बड़े आर्थिक अवसर पैदा किए हैं। दिल्ली में ही आठ हजार करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार होने की उम्मीद है, जहां बाजारों में रंग, गुलाल, पिचकारी, मिठाइयों और उपहारों की खरीदारी के लिए भीड़ उमड़ रही है। इस बार के होली सीजन में पारंपरिक भारतीय परिधानों जैसे सफेद कुर्ता-पाजामा, सलवार-सूट और हैप्पी होली लिखे टी-शर्ट की भी भारी मांग देखी जा रही है।कैट के अनुसार, देशभर में तीन हजार से अधिक होली मिलन समारोहों का आयोजन हो रहा है, जिससे होटल, बैंक्वेट हॉल, फार्महाउस और रेस्टोरेंट सेक्टर को भी लाभ मिल रहा है। बाज़ार में हर्बल रंगों और गुलाल की अधिक मांग है, जबकि केमिकल युक्त रंगों की लोकप्रियता घटी है। खासकर स्पाइडर मैन और छोटा भीम थीम वाली पिचकारी, गुलाल स्प्रे और प्रेशर टैंक पिचकारी बच्चों के बीच खूब पसंद की जा रही है। श्री खंडेलवाल ने कहा कि दिल्ली में 13 मार्च को होली जलाई जाएगी जबकि रंगों का पर्व 14 मार्च को मनाया जाएगा। होली के रंग में बाजार भी रंगे हुए नजर आने लगे हैं।

ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों ने बनाई संयुक्त आचार संहिता; केवाईसी, खर्च सीमा और निष्पक्षता का दावा

मुंबई। ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाले उद्योग निकायों, एआईजीएफ, ईजीएफ और एफआईएफएस ने संयुक्त रूप से एक आचार संहिता पर हस्ताक्षर किए हैं। इस आचार संहिता में सदस्य कंपनियों ने उपयोगकर्ता सुरक्षा, केवाईसी सत्यापन और खर्च सीमा जैसी जिम्मेदार गेमिंग प्रथाओं को बढ़ावा देने की बात कही गई है। सोमवार को एक संयुक्त बयान इसकी जानकारी दी गई। आचार संहिता पर हस्ताक्षर करने वाली कंपनियों में ड्रीम11, माई11सर्किल, खेलो फैंटेसी लाइव, एसजी11 फैंटेसी, विनजो, गेम्स24x7 और जंगली गेम्स जैसी कंपनियां शामिल हैं। अखिल भारतीय गेमिंग महासंघ (एआईजीएफ), भारतीय फैंटेसी खेल महासंघ (एफआईएफएस) और ई-गेमिंग महासंघ (ईजीएफ) ने आज संयुक्त रूप से एक 'आचार संहिता' (सीओई) पर हस्ताक्षर किए।बयान में कहा गया है, 'कोड ऑफ इथिक्स (सीओई) का उद्देश्य जिम्मेदार गेमिंग और विज्ञापन नीतियों के कार्यान्वयन के माध्यम से पूरे उद्योग में उपयोगकर्ता सुरक्षा के सुसंगत मानकों को लागू करना है।

समावेशी जलवायु कार्रवाई के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता

एजेंसी

नई दिल्ली। रणनीतिक नीति संवादों और साहसिक वैश्विक प्रतिबद्धताओं के बाद, द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टेरी) द्वारा आयोजित विश्व सतत विकास शिखर सम्मेलन 2025 के 24वें संस्करण में स्थिरता और जलवायु लचीलेपन के लिए वैश्विक एजेंडे को और मजबूत किया गया। इस तीन दिवसीय सम्मेलन के समापन सत्र और बहु-हितधारक संवादों के माध्यम से प्रभाव को आगे बढ़ाने पर विचार विमर्श किया गया और जटिल सतत विकास चुनौतियों और पर्यावरणीय चिंताओं के समाधान में सहयोगी साझेदारी की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया। टेरी के अध्यक्ष नितिन देसाई ने दीर्घकालिक पर्यावरणीय और विकासात्मक प्रभाव को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न हितधारकों के बीच निरंतर संवाद की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, सतत विकास दो ज्ञान समुदायों–विकास समुदाय और पर्यावरण समुदाय - के बीच सेतु का कार्य करता है। यही सततता की वास्तविक चुनौती है: हम विकास कैसे प्राप्त करें और साथ ही पर्यावरण की रक्षा कैसे करें। यह एक आसान कार्य नहीं है। संयुक्त राष्ट्र की उप महासचिव अमीना जे. मोहम्मद ने अपने विशेष 'वैश्विक नेतृत्व' (वीडियो संदेश) में संयुक्त राष्ट्र की वैश्विक जलवायु कार्रवाई के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराया और सतत विकास लक्ष्यों की प्रगति में तेजी लाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, ÷ भूख बढ़ रही है, और हमने अब तक के सबसे गर्म वर्षों को देखा है, जिसमें कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर लगातार बढ़ रहा है। लेकिन हमें आशा नहीं छोड़नी चाहिए या अपनी महत्वाकांक्षाओं को कमजोर नहीं करना चाहिए। अब समय आ गया है कि हम लोगों, ग्रह और समृद्धि के लिए एसडीजी को बचाने की योजना को आगे बढ़ाएं।

यूएनईपी गुडविल एंबेसडर और संयुक्त राष्ट्र महासचिव की एसडीजी एडवोकेट अभिनेत्री दिया मिर्ज़ा ने जलवायु चुनौतियों से निपटने में व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयासों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, ÷ आगे का रास्ता आसान नहीं होगा। चुनौतियाँ आएँगी, संदेह के क्षण भी होंगे। लेकिन यदि हम एकजुट होकर काम करें, न्याय, समानता और स्थिरता के मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहें, तो मुझे विश्वास है कि हम इस अवसर का सामना आवश्यक तत्परता और संकल्प के साथ कर सकते हैं। जब मैं समाधान के बारे में सोचती हूँ, तो मैं एक्ट4अर्थ आंदोलन को याद करती हूँ, जो मेरे दिल के करीब है। यह केवल पुनर्चक्रण या पेड़ लगाने के बारे में नहीं है, बल्कि हमें पृथ्वी से फिर से जुड़ने के लिए प्रेरित करने वाला एक आंदोलन है। यह हमारी पसंद को इस तरह से निर्धारित करने का आह्वान करता है, जिससे हम अपने ग्रह की रक्षा कर सकें और पर्यावरणीय प्रभाव को कम कर सकें। विश्व बैंक के उपाध्यक्ष मार्टिन रायज़र ने सतत वित्तपोषण और जलवायु लक्ष्यों की प्राप्ति में वैश्विक सहयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, यह सम्मेलन विचारों और अनुभवों के आदान-प्रदान का एक उत्कृष्ट अवसर है, जो हमें वांछित परिवर्तन की दिशा में प्रेरित करता है। हम हरित परिवर्तन को निवेश और रोजगार वृद्धि का एक प्रेरक कारक मानते हैं। भारत से बेहतर कोई देश नहीं है जो इस हरित परिवर्तन को आगे बढ़ा सके, न केवल इसके पैमाने और उद्यमशीलता क्षमता के कारण, बल्कि इसलिए भी कि भारत जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील देशों में से एक है। हमें संसाधनों के पुनः आवंटन और घरों और व्यवसायों के अनुकूलन के संदर्भ में लचीलापन अपनाने की आवश्यकता है।

भीगे हुए चने खाने से मिलते हैं इतने सारे फायदे, रोज सुबह खाली पेट करें सेवन

काले चने सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद होते हैं. इन्हें भिगोकर खाने से शरीर पर क्या असर पड़ता है, जानें यहां.

अक्सर घरों में बड़े-बुजुर्ग सलाह देते हैं कि सुबह उठकर भीगे हुए काले चने खाने चाहिए. ज्यादातर लोग काले चने को किसी न किसी रूप में जरूर खाते हैं. कुछ लोग इसकी दाल बनाकर खाते हैं, तो कुछ इसे भूनकर या उबालकर खाना पसंद करते हैं. इसके अलावा, चने को भिगोकर भी खाया जाता है, जो सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है. भिगोए हुए चने में प्रोटीन, फाइबर, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, जिंक, कॉपर, विटामिन बी3 और सोडियम जैसे कई जरूरी न्यूट्रिशन पाए जाते हैं. साथ ही, इनमें एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-बैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण भी होते हैं. रेगुलर भीगे हुए चने खाने से शरीर को कई हेल्थ बेनिफिट्स मिलते हैं जिससे आप खुद को फिट और एनर्जेटिक बनाए रख सकते हैं. तो आइए जानते हैं भीगे हुए चने खाने से क्या-क्या फायदे मिलते हैं.

महंगी क्रीम नहीं बल्कि घर पर बना चावल का टोनर लाएगा चेहरे पर निखार, जान लीजिए बनाने का तरीका

भीगे हुए चने खाने के फायदे

पाचन तंत्र में सुधार

अगर आप अपना डाइजेस्टिव सिस्टम मजबूत करना चाहते हैं तो रोजाना भीगे हुए चने खाने चाहिए. इनमें फाइबर पाया जाता है.

ये आंतों और पेट से हानिकारक टॉक्सिक चीजों को बाहर निकालने में मदद करते हैं.

इससे शरीर डिटॉक्स होता है और पेट संबंधी समस्याएं कम होती हैं.अगर आपको गैस, कब्ज (Constipation) या अपच की समस्या है, तो भीगे हुए चने फायदेमंद हो सकते हैं. गैस से राहत पाने के लिए चने में नींबू का रस और जीरा पाउडर मिलाकर खाना फायदा पहुंचा सकता है.

हार्ट को हेल्दी रखे

रोजाना भीगे हुए चनेखाने से ये हार्ट के लिए बेहतर है.

इनमें एंटीऑक्सीडेंट्स, एंथोसायनिन और फाइटोन्यूट्रिएंट्स पाए जाते हैं.ये हार्ट और ब्लड वेसल्स को हेल्दी बनाए रखते हैं.

चने में मौजूद पोटैशियम, फोलेट और मैग्नीशियम हार्ट को मजबूत करते हैं.अगर आपको हार्ट संबंधी कोई बीमारी है, तो भीगे चने खाने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लें.

वजन कम करता है चना

अगर आप वजन घटाना चाहते हैं, तो रोज सुबह खाली पेट भीगे हुए चने खाने से आपको फायदा मिल सकता है.

चने में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है, जो लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस कराता है. इससे बार-बार खाने की इच्छा कम होती है और आप ओवरइटिंग से बच जाते हैं.

आप नाश्ते में भीगे हुए चने खाकर अपने वजन को कंट्रोल में रख सकते हैं.

कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल में रखता है

भीगे हुए चने रेगुलर खाने से कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कंट्रोल में रखने में मदद मिल सकती है.इनमें फाइबर की मात्रा अधिक और ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है.इससे ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल लेवल को बैलेंस करने में सहायता मिलती है.

अगर आपका कोलेस्ट्रॉल (Cholesterol) बढ़ा हुआ है, तो चने को तेल में भूनकर खाने से बचें.

बिहार में हिंदुत्व की समां बंधने से सियासी दलों की बेचैनी बढ़ी

बिहार में हिंदुत्व की समां बंधने से सियासी दलों की बेचैनी भी बढ़ चुकी है। दरअसल, अपने हिंदुत्व का बिगुल फूंकते हुए बागेश्वरधाम सरकार धीरेंद्र शास्त्री ने कहा है कि वह किसी राजनीतिक दल के प्रचारक नहीं बल्कि हिन्दू धर्म के विचारक हैं।

बिहार में विधानसभा चुनाव इसी वर्ष अक्टूबर-नवम्बर महीने में होंगे। हालांकि, उससे महीनों पहले राज्य में धार्मिक और राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो चुकी हैं। कहीं एनडीए और यूपीए एक दूसरे के खिलाफ ताल ठोकते प्रतीत हो रहे हैं तो कहीं उनके गठबंधन के अपने ही साथी एक-दूसरे को रणनीतिक मात देते हुए अपनी सीटें बढ़ाने को लेकर बेताब नजर आ रहे हैं। इस नजरिए से भाजपा-जदयू की धींगामुश्ती और राजद-कांग्रेस की अंदरूनी कुश्ती के बीच चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी सबके बने बनाए एक तरफ जहां धर्मनिरपेक्ष और सामाजिक न्याय के वोटों का बिखराव तय माना जा रहा है, वहीं हिंदुत्व का नया जनज्वार यहां भी पैदा होती दिखाई दे रही है। इससे जदयू के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कम, लेकिन पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और उनके समर्थक ज्यादा परेशान हैं। इस बीच बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री जब अपने हिंदू राष्ट्र के एजेंडे के साथ बिहार पहुंचे, तो रही सही कसर पूरी हो गई। क्योंकि उनका हुमुठ धार्मिक अंदाज बिहारियों पर भी अपना छाप छोड़ेगा ही। उधर, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत सुपौल में और आर्ट ऑफ लिविंग के श्रीश्री रविशंकर भी पटना में यानी राज्य में मौजूद हैं। इससे धीरेंद्र शास्त्री के गोपालगंज में पांच दिवसीय हनुमंत कथा की समां बंध चुकी है। वहीं, बिहार में हिंदुत्व की समां बंधने से सियासी दलों की बेचैनी भी बढ़ चुकी है। दरअसल, अपने हिंदुत्व का बिगुल फूंकते हुए बागेश्वरधाम सरकार धीरेंद्र शास्त्री ने कहा है कि वह किसी राजनीतिक दल के प्रचारक नहीं बल्कि हिन्दू धर्म के विचारक हैं। पंडित शास्त्री का यह कहना कि वह अब सनातनियों को झुकने नहीं देंगे, हिंदुओं की आबादी घटने नहीं देंगे, और भारत के पहले ही बहुत टुकड़े हो चुके हैं, इसलिए अब भारत के और टुकड़े होने नहीं देंगे, को सुनकर हिन्दू गदगद हैं। वहीं, पंडित शास्त्री ने सवालिया लहजे में यह पूछकर अपना धार्मिक एजेंडा स्पष्ट कर दिया है कि ईसाइयों के हितचिंतक 95 देश हैं, इस्लामी मतावलंबियों यानी मुसलमानों के हितचिंतक 65 देश हैं, लेकिन हिंदुओं का हितचिंतक कौन देश है?

उन्होंने अपनी चिंता प्रकट करते हुए आगे कहा कि भारत, पाकिस्तान, बंगलादेश, नेपाल, भूटान, फिजी, मॉरीशस, सूरीनाम आदि देशों में जो 150 करोड़ हिन्दू हैं, जो दुनिया की तीसरी बड़ी धार्मिक आबादी है, उनका हितचिंतक तो अखंड भारत के ही देशों को होना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो पा रहा है। यदि ये ऐसा नहीं करेंगे तो हम डंके की चोट पर उनसे हिंदुत्व से जुड़े ये कार्य करवाएंगे, लेकिन हिंदुओं का अहित नहीं होने देंगे। उन्होंने दो टूक लहजे में कहा कि हम हिंदुओं के लिए ही जीयेंगे और हिंदुओं के लिए ही मरेंगे। इसलिए हम पूरे भारत में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में घूम-घूम कर हिंदुत्व का अलख जगा रहे हैं।मुझे बिहार के लोगों से ज्यादा उम्मीद है। हिन्दू राष्ट्र की मजबूत हुंकार इसी क्रांतिकारी भूमि से भरी जाएगी। स्वाभाविक है कि बिहार में बागेश्वर धाम सरकार धीरेंद्र शास्त्री का एक धार्मिक नेता वाला अवतार दिखा। इससे पहले वह उड़ीसा, झारखंड, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान आदि राज्यों को भी हिंदुत्व और भारतीयता के लिहाज से जगाते चले आ रहे हैं। पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने आगे कहा कि जिंदगी कितनी भी अच्छी हो, यदि इसमें भक्ति ना हो तो वह किसी काम की नहीं। जीवन में भक्त और भक्ति एक दूसरे के बिना सफलता की कामना संभव नहीं है। इसलिए पुरुषार्थ करते रहिए, जीवन में सफलता अवश्य मिलेगी। उन्होंने कहा, जीवन में सबका सम्मान करें। छोटे से छोटे व्यक्ति भी सम्मान के पात्र होते हैं। जीवन के कर्तव्यों के साथ-साथ भक्ति भी जरूरी है। भक्ति के बिना सफल जीवन की कामना बेकार है। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर ने कहा, भारत को बंटने नहीं देंगे, हिंदुओं को घटने नहीं देंगे, हम हिंदू राष्ट्र बनाने आए हैं। उन्होंने कथा के दौरान ही कहा, हम किसी पार्टी के प्रचारक नहीं, बल्कि हिंदुत्व के विचारक हैं। यह देश हमारा है, यह बिहार हमारा है। हम हिंदुत्व जगाने आए हैं। हिंदू राष्ट्र बनाने आए हैं। उन्होंने दुनिया में अलग-अलग देश में रह रहे अलग-अलग समुदाय के साथ हिंदुत्व पर चर्चा करते हुए भारतवर्ष को एक महान राष्ट्र बताया। उन्होंने कहा, हम हिंदू को एकजुट करने आए हैं। आप हमें रामनगर में जब तक रखेंगे हम तब तक रहेंगे। पांच दिवस ही क्या, पांच महीने तक हम हिंदुत्व के लिए कथा करते रहेंगे। विदेश से भी श्रद्धालु कथा का श्रवण करने पहुंचे हैं। इससे बागेश्वरधाम सरकार श्री शास्त्री की लोकप्रियता और भी परवान चढ़ने लगीहै।चूंकि बिहार

राज्य में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसको लेकर सभी दलों ने जोर आजमाइश भी शुरू कर दी है। इस लिहाज से मार्च के पहले-दूसरे सप्ताह में, वो भी होली से ठीक पहले बिहार में एक साथ आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, बागेश्वर सरकार धीरेंद्र शास्त्री और आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्रीश्री रविशंकर का दौरा करना महत्वपूर्ण है। इससे सामाजिक न्याय और धर्मनिरपेक्षता के लिहाज से सजग रहे बिहार में हिंदुत्व का एक नया उफान पैदा होगा, जिससे सूबे में भाजपा की जड़ें और मजबूती से जमेंगी।चूंकि उड़ीसा विधानसभा चुनाव में जीत चुकी भाजपा झारखंड विधानसभा चुनाव में मुँहकी खा चुकी है। इसलिए आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को वह हर हाल में जीतना चाहती है। चूंकि वह यहां पर जदयू के साथ चुनाव लड़ती आई है, इसलिए वह विपक्षी पार्टी राजद और कांग्रेस को इतना कमजोर कर देना चाहती है कि उसके सहयोग से जदयू पुरानी बारगेनिंग करने लायक नहीं बचे। इसलिए वह इस बार जदयू की सीटों की संख्या को भी कतरने का मन बना चुकी है। यह सबकुछ करना इसलिए बेहद जरूरी है कि 2026 के पूर्वार्द्ध में ही पश्चिम बंगाल विधानसभा के चुनाव भी होने वाले हैं। जहां चुनाव जीतना दिल्ली के बाद मोदी सरकार की हिट लिस्ट में है।समझा जाता है कि एक के बाद एक यानी हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली जैसी मुश्किल विधानसभा चुनावों में अपनी जीत का परचम लहरा चुकी भाजपा अब बिहार में भी वही प्रयोग करने जा रही है। आरएसएस और अपनी आनुषंगिक इकाइयों के माध्यम से वह जन जन को साधना चाहती है, ताकि नीतीश कुमार पर मनोवैज्ञानिक दबाव बना रहे और सीटों के बंटवारे में वो कम सीट पर चुनाव लड़ने को राजी हो जाएं। वहीं, यदि इसमें को अप्रत्याशित बाधा भी आए तो राज्य में हिंदुत्व की लहर इतनी प्रचंड हो जाए कि धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय जैसी जातिवादी और धार्मिक सोच हवा-हवाई हो जाए।

यही वजह है कि गोपालगंज में बागेश्वर सरकार धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के 5 दिवसीय हनुमंत कथा के आयोजन से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और पूर्व मुख्यमंत्री राजद नेता तेजस्वी यादव की सियासी नींद उड़ चुकी है। वहीं, प्रयागराज महाकुंभ के बाद भाजपा की राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय हवा बनी है, उससे भी ये नेता भीतर ही भीतर परेशान हैं।तेजस्वी यादव और उनके समर्थक तो इस आयोजन को लेकर उटपटांग बयानबाजी भी तेज कर चुके हैं।

वहीं, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद के गृह जनपद गोपालगंज के भोरे प्रखंड के रामनगर स्थित श्रीराम जानकी मठ इन दिनों हिंदुत्व व सनातनियों की आस्था का केंद्र बना हुआ है। यहां भारी संख्या में श्रद्धालु धीरेंद्र शास्त्री की कथा सुनने के लिए पहुंचे हुए हैं। इस श्रीराम जानकी मठ में धीरेंद्र शास्त्री ने कथा से पहले हिन्दुओं के अस्तित्व और उनकी सुरक्षा को लेकर बहुत बड़ा बयान दिया है। गुरुवार की देर शाम कथा वाचक धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि वे यहां अपने लिए थोड़े आए हैं, वे इस देश के हिन्दुओं को जगाने के लिए आए हैं। उन्होंने कहा वे अपनी लड़ाई नहीं लड़ रहे हैं बल्कि दुनिया के 150 करोड़ हिन्दुओं की लड़ाई लड़ने आए हैं।उन्होंने कथा के दौरान यहां तक कह दिया कि, वे किसी पार्टी के लिए थोड़े आते हैं। वे किसी के लिए वोट मांगने थोड़े आते हैं। वे तो सिर्फ हिन्दुओं के अलख को जगाने आते हैं। बागेश्वर धाम सरकार ने साफ-साफ अंदाज में कहा कि छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं। यानी उनके खिलाफ जगह जगह बयान देने वालों के लिए धीरेंद्र शास्त्री ने दो टूक शब्दों में सेम टू य वाला मुहावरा दुहरा दिया।

बता दें कि कुछ दिनों पहले ही उन्होंने अपने प्रवचन में हिंदुत्व और हिंदु राष्ट्र को लेकर एक बड़ा बयान दिया था और दो टूक कहा था कि देश में सिर्फ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) नहीं बल्कि हिंदुत्व इंटेलिजेंस (एच आई) भी होना चाहिए। तब मीडिया से मुखातिब होते हुए पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने यहां तक कहा था कि भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए हमारा प्रयत्न जारी है। भारत हिंदू राष्ट्र बने। उन्होंने आगे कहा कि हिंदू राष्ट्र का मतलब किसी मजहब के खिलाफ नहीं है बल्कि हिंदू राष्ट्र का मतलब सबको लेकर चलना, जैसे दुबई में अलग-अलग संस्कृति के लोग एक साथ रहते हैं। उसी तरह भारत में भी सबको रहने का अधिकार है। यह भारत किसी का एक नहीं बल्कि सबका है।

संपादकीय

जेबों की सर्जरी

यह खबर परेशान करती है कि देश के करोड़ों मरीज पहुंच से बाहर के महंगे इलाज के कारण गरीबी की दलदल में फंस जाते हैं। वे कथित रुप से दूसरे भगवान कहे जाने वाले शख्स के आगे बेबस नजर आते हैं। खासकर बड़े आप्रेशनों व उपकरणों से लेकर महंगी दवाओं को लेकर। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने मरीजों की दुखती रग को समझते हुए केंद्र व राज्य सरकारों से निजी अस्पतालों में मरीजों का शोषण रोकने के लिये नीतिगत फैसला लेने को कहा है। एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि देशवासियों को चिकित्सा का बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराना राज्यों का कर्तव्य है। निर्विवाद रूप से राज्य सरकारें ऐसा करने में विफल रही हैं। इसके बावजूद कि उन्होंने बड़े अस्पतालों को जमीन आदि तमाम सुविधाएं रियायती दरों पर दी हैं। ऐसे में वे गरीब मरीजों को राहतकारी इलाज देने के लिये बड़े अस्पतालों को बाध्य कर सकती थीं।

वैसे चुनावों के दौरान तमाम तरह के सब्जबाग दिखाने वाले राजनीतिक दलों के एजेंडे में चिकित्सा सुविधा सुधार कभी प्राथमिकता नहीं रही। यदि सार्वजनिक चिकित्सा का बेहतर ढांचा उपलब्ध होता तो लोग निजी अस्पतालों में जाने को मजबूर न होते। यदि निगरानी तंत्र मजबूत होता और प्रभावी कानून होते तो मरीजों को दोहन का शिकार न होना पड़ता। यदि मरीजों से निजी अस्पतालों में मनमानी रकम वसूली जाती है तो यह राज्य सरकारों की छवि पर आंच है कि वे मरीजों को किफायती उपचार उपलब्ध कराने में विफल रही हैं। यही वजह है कि शीर्ष अदालत को कहना पड़ा कि मरीजों को उचित मूल्य वाली दवाइयां न मिल पाना राज्य सरकारों की नाकामी को ही दर्शाता है। इतना ही नहीं राज्य सरकारें निजी अस्पतालों को न केवल सुविधाएं प्रदान करती हैं बल्कि उन्हें प्रोत्साहन भी देती हैं। सरकारों का यह दावा अतार्किक है कि मरीजों के तिमारदारों के लिये निजी अस्पताल के मेडिकल स्टोरों से दवा खरीदने की बाध्यता नहीं है।दरअसल, अस्पताल की फार्मेसी या खास मेडिकल स्टोरों से दवाइयां खरीदना तिमारदारों की मजबूरी बन जाती है। उन्हें खास ब्रांड की दवा व उपकरण खरीदने के निर्देश होते हैं। दरअसल, खुले बाजार में उनकी उपलब्धता और गुणवत्ता को लेकर आशंका होती है। असल में, यह नीति-नियंताओं की जवाबदेही है कि वे मरीजों और उनके परिवारों को शोषण से बचाने के लिये दिशा-निर्देश तैयार करें। हालांकि, यह इतना भी आसान नहीं है क्योंकि विभिन्न हितधारकों के दबाव अकसर सामने आते हैं। जैसा कि वर्ष 2023 में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को उस समय कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था जब उसने डॉक्टरों से कहा था कि वे ब्रांडेड दवाएं न लिखें। उसके स्थान पर जेनेरिक दवाएं लिखें, ऐसा न करने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

चिकित्सा बिरादरी ने तब दबाव बनाते हुए कहा था कि दवाओं की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। जिसके बाद यह आदेश जल्दी ही वापस लेना पड़ा था। इसके अलावा ब्रांडेड दवाओं के निर्माताओं ने भी दबाव बनाया था, जो कि जन-कल्याण के बजाय बड़े पैमाने पर मुनाफे को प्राथमिकता देते रहते हैं। वैसे निजी अस्पतालों द्वारा दवाओं के जरिये पैसा कमाने की वजह यह भी है कि सरकारी जन-औषधि केंद्रों का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा है। ये केंद्र जिनकी देश में संख्या पंद्रह हजार के करीब है, देश के सभी जिलों को कवर करते हैं। ये केंद्र नागरिकों को सस्ती कीमत पर गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने के लिये बनाये गए थे। लेकिन, ये केंद्र दवाओं की कमी,गुणवत्ता के नियंत्रण के अभाव और ब्रांडेड दवाओं की अनधिकृत बिक्री की समस्याओं से ग्रसित रहे हैं। निश्चित रूप से औषधि विनियामक प्रणाली में सुधार करने से तमाम असहाय रोगियों की परेशानियों को कम करने में मदद मिल सकती है।

एक रिपोर्ट बताती है कि सरकारी अस्पतालों की तुलना में निजी अस्पतालों का खर्च सात गुना होता है खासकर कोरोना काल के बाद चिकित्सा खर्च में खासी बढ़ोतरी हुई है। निस्संदेह, राज्य सरकारों को इस मुद्दे पर व्यापक दृष्टिकोण से विचार कर उचित गाइडलाइंस बनानी चाहिए। निजी अस्पतालों व मरीजों के हितों के मद्देनजर राज्य सरकारों के संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है।

वन्यजीवों के अस्तित्व पर संकट और उनके संरक्षण की आवश्यकता

ब्रिटिश काल से ही भारत में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने और बचाने के लिए कानूनी प्रावधान किए जाते रहे हैं लेकिन चिंता की बात यह है कि उसके बावजूद वन्यजीवों की अनेक प्रजातियां पिछली एक सदी में लुप्त हो गई हैं।

वन्य जीव हमारी धरती के अभिन्न अंग हैं लेकिन अपने निहित स्वार्थों तथा विकास के नाम पर मनुष्य ने उनके प्राकृतिक आवासों को बेदर्दी से उजाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है और वनस्पतियों का भी सफाया किया है। धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम भी कहा जाता है। धरती पर अब वन्य जीवों और दुर्लभ वनस्पतियों की कई प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है। वन्य जीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत् विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं। वन्य जीवों में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। इन्हीं वन्य जीवों, वनस्पतियों और उनके आवासों को सुरक्षा प्रदान करने को वन्य जीव संरक्षण कहा गया है तथा इनके संरक्षण के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 3 मार्च को 'विश्व वन्यजीव दिवस' मनाया जाता है। प्रतिवर्ष यह दिवस एक खास विषय के साथ मनाया जाता है और इस वर्ष 'वन्यजीव संरक्षण वित्त-लोगों और ग्रह में निवेश' थीम के साथ मनाया जा रहा है।

जीव-जंतुओं की तमाम प्रजातियां और वनस्पतियां मिलकर अत्यावश्यक पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करते हैं और सही मायनों में वन्य जीव हमारे मित्र है, इसीलिए उनका संरक्षण किया जाना बेहद जरूरी है। हमें भली-भांति यह समझ लेना चाहिए कि इस धरती पर जितना अधिकार हमारा है, उतना ही इस पर जन्म लेने वाले अन्य जीव-जंतुओं का भी है। लेकिन आज प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्यजीव दिवस मनाए जाने के उद्देश्यों में विभिन्न किस्म की वनस्पतियों तथा जीव-जंतुओं पर ध्यान केन्द्रित करना, उनके संरक्षण के लाभों के बारे में जागरूकता फैलाना, पूरी दुनिया को वन्यजीव अपराधों के बारे में स्मरण करवाना और मनुष्यों के कारण इनकी प्रजातियों की संख्या कम होने के विरूद्ध कारवाई करना शामिल हैं।समस्त स्थलीय और जलीय जीवों के लिए वन्य जीवों का बने रहना अत्यावश्यक है। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित अपनी चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह उल्लेख किया है कि विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण किस प्रकार असंतुलित होता है। पाठक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक फ्लिपकार्ट से खरीद सकते हैं। पर्यावरण के असंतुलन का ही परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में अब देख और भुगत भी रही है। लगभग हर देश में कुछ ऐसे वन्य जीव पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते वन्य जीवों के आशियाने भी लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दुनिया के जंगली जीवों और वनस्पतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'विश्व वन्यजीव दिवस' के आयोजन का निर्णय लिया गया। महासभा ने यह सुनिश्चित करने में साइट्स की महत्वपूर्ण भूमिका को भी मान्यता दी ताकि वह सुनिश्चित कर सके कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से प्रजातियों के अस्तित्व को खतरा नहीं है।

ब्रिटिश काल से ही भारत में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने और बचाने के लिए कानूनी प्रावधान किए जाते रहे हैं लेकिन चिंता की बात यह है कि उसके बावजूद वन्यजीवों की अनेक प्रजातियां पिछली एक सदी में लुप्त हो गई हैं। विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की 'लिविंग प्लेनेट रिपोर्ट 2024' में कुछ ही महीने पहले चौंका देने वाला यह चिंताजनक खुलासा भी हुआ था कि 1970 से 2020 के बीच वन्यजीव आबादी में 73 प्रतिशत की विनाशकारी गिरावट दर्ज की गई, जिनमें स्तनधारी, पक्षी, उभयचर, सरीसृप, मछली इत्यादि जीव शामिल हैं। ताजे पानी के पारिस्थितिक तंत्र में यह गिरावट 85 प्रतिशत रही है। हर दो साल में प्रकाशित होने वाली इस रिपोर्ट में बताया गया है कि वन्यजीवों की आबादी दुनियाभर में कैसे प्रभावित हो रही है। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के अनुसार वन्य जीवों को विलुप्त होने से बचाने के लिए देश में सबसे पहले वर्ष 1872 में ब्रिटिश शासनकाल में 'वाइल्ड एलीकेंट प्रोटेक्शन एक्ट' बनाया गया था। उसके बाद वर्ष 1927 में वन्य जीवों के शिकार और वनों की अवैध कटाई को अपराध मानते हुए 'भारतीय वन अधिनियम' अस्तित्व में आया, जिसके तहत सजा का प्रावधान किया गया। देश की आजादी के बाद वर्ष 1956 में 'भारतीय वन अधिनियम' पारित किया गया और 1972 में देश में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने तथा अवैध शिकार, तस्करी और अवैध व्यापार को नियंत्रित करने के उद्देश्य से 'वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972' लागू किया गया। वर्ष 1983 में वन्य जीव संरक्षण के लिए 'राष्ट्रीय वन्य जीव योजना' शुरू की गई, जिसके तहत वन्य जीवों को इंसानी अतिक्रमण से दूर रखने और उनकी सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय पार्क और वन्य प्राणी अभयारण्य बनाए गए। जनवरी 2003 में वन्य जीव संरक्षण अधिनियम में संशोधन किया गया और अधिनियम के तहत अपराधों के लिए जुर्माना तथा सजा को अधिक कठोर बना दिया गया। बहरहाल, प्रत्येक व्यक्ति के लिए यह समझना बेहद जरूरी है कि वन्य जीवों का संरक्षण हम सभी की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है क्योंकि वन्य प्राणियों की विविधता से ही धरती का प्राकृतिक सौन्दर्य है, इसलिए लुप्तप्रायः पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है।

बॉस हों पार्ट टाइमर तो ऐसे करें डील

जॉब के दौरान कई परिस्थितियों से दो चार होना पड़ता है। ऐसा हो सकता है कि कंपनी पार्ट टाइम बॉस को नियुक्त कर दे। ऐसी स्थिति में टीम की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। बॉस के साथ तालमेल बैठाकर उन्हें फैसले लेने होते हैं...

जब आपके ऑफिस में पार्ट टाइम काम करने वाले बॉस हो और आप फुल टाइमर एम्प्लॉइ हों, तो स्थिति थोड़ी सी नाजुक हो जाती है। ऐसे में पूरी टीम को बॉस के साथ बराबर टच में रहना होता है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि टीम को फुल टाइमर बॉस की कमी महसूस होती है। टीम को कई मुद्दों पर बातचीत करने की जरूरत होती है। कई बार ऐसा होता है कि पार्ट टाइमर बॉस पूरा समय नहीं दे पाते हैं। आप अपनी कंपनी में ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, तो यहां पर दिए जाने वाले टिप्स कारगर साबित हो सकते हैं। आइए डालते हैं एक नजर –

मानसिकता सही रखें

एक्सपर्ट कहते हैं कि एक पार्ट टाइमर बॉस किसी संस्था में काम करता है, तो वहां पर काम करने वाले लोगों के मन में यह भावना विकसित हो सकती है कि वह पावर का दुरुपयोग तो नहीं कर रहे हैं। बॉस का पद जिम्मेदारी भरा पद होता है और कंपनी बॉस पर भी नजर रखती है। याद रखें कि इसके लिए कंपनी हमेशा ही अपने स्तर पर सही व्यक्ति का चुनाव करती है। ऐसे में यह है कि टीम भी सही मानसिकता के साथ बॉस को सहयोग दे और अपना काम करे। वह कॉरपोरेट जगत के वैल्यू को समझे।

कम्यूनिकेशन का होता है अहम रोल

जहां बॉस पार्ट टाइम काम करते हैं और उनके साथ काम करने वाले बाकी लोग फुल टाइम जॉब करते हैं, वहां पर कम्यूनिकेशन का रोल अहम हो जाता है। एक्सपर्ट मानते हैं कि ऐसी स्थिति में टीम को बॉस के साथ कम्यूनिकेशन लेवल हाई रखना पड़ता है। एक बार कम्यूनिकेशन करने का स्टाइल फिक्स हो जाता है, तो बाद में चीजों को बदल पाना आसान नहीं होता है। जब कम्यूनिकेशन सही रहेगा तो प्रॉब्लम का निपटारा भी पलक झपकते ही हो जाएगा। ऐसे में पार्ट टाइमर बॉस के संग भी टीम बेहतर रिजल्ट दे सकती है।

फैसला लेने की कला सीखें

आप ऐसी जगह काम कर रहे हैं, जहां फुल टाइमर बॉस नहीं हैं, तो जरूरी है कि टीम का हर एक सदस्य खुद पर भरोसा दिखाए और फैसला लेने की कला सीखे। याद रखें कि जब बॉस फुल टाइमर नहीं होते हैं, तो सबसे ज्यादा दिक्कत फैसला लेने में ही होती है। वर्कप्लेस पर कई बार आपको पलक झपकते ही बड़े फैसले लेने होते हैं। दूसरा बड़ा मुद्दा यह होता है कि आप आज के कॉम्पिटिशन भरे माहौल में टीम में तेजी कैसे लाएं। जॉब एक्सपर्ट कहते हैं कि इससे निपटने के लिए कंपनियों को चाहिए कि वह फैसला लेने के अधिकार को बांट दे। इससे जहां टीम के सदस्यों में कॉन्फिडेंस पैदा होता है, वहीं समय के भीतर फैसला लेने से काम में तेजी भी आती है।

...तो आप भी हैं कामयाब लीडर

एक लीडर में अपनी बात को असरदार तरीके से दूसरों तक पहुंचाने का हुनर आना चाहिए। एक लीडर, अगर वह अपनी बात अपने साथ काम करने वालों को बेहतर तरीके से कम्यूनिकेट कर पाने में समर्थ है, तो इससे कामकाजी माहौल ऊर्जा से भर जाता है, लोग उत्साह से काम में जुटते हैं और उनकी रचनात्मकता काम में झलकने लगती है। एक दूरदर्शी सोच रखने वाला लीडर एक जुनूनी टीम बनाने में यकीन रखता है। यह टीम एक समान लक्ष्यों के लिए पूरे जोशोखरोश से काम करती है। अपना कारोबार फैलाती किसी भी कंपनी को एक मजबूत मैनेजमेंट के साथ-साथ ऐसी टीम की भी दरकार रहती है, जो साथ काम करने वाले लोगों के बीच आपसी एकता, यकीन और आदर की बुनियाद पर बनी हो। कामयाबी का राज है, कामकाज में साफ-सुथरापन। एक कामयाब लीडर इस बात की अहमियत जानता है और अच्छे कामकाज के लिए अपने एंप्लॉई के साथ एक बेहतर समझ विकसित करता है। इससे न सिर्फ कामकाज का बिना किसी रुकावट के निपटारा होता जाता है, बल्कि टीम के भीतर एक खुशनुमा कामकाजी माहौल भी बरकरार रहता है।

इन बातों का ध्यान रखें तो कदम चूमेगी कामयाबी

जब आप अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट होते हैं, तो यह जान जाते हैं कि आप कौन हैं? आप क्या हैं? आपको क्या करना है और आप क्या चाहते हैं? अगर ये चीजें आपके दिमाग में साफ हैं, तो आपकी सफलता का पहला चरण सुनिश्चित हो जाता है।

बनें योग्य

कामयाब होने के लिए सबसे पहले यह जरूरी है कि आप खुद को योग्य बनाएं। क्योंकि आप तब तक ऊपर नहीं चढ़ सकते, जब तककि आप में योग्यता नहीं हो। इसलिए पहले खुद को योग्य बनाना जरूरी होता है। इसके लिए लगातार प्रयत्न करना पड़ेगा। याद रखें कि कोशिश करने वालों की कभी भी हार नहीं होती है।

दबाव झेलने की क्षमता

जब जिम्मेदारी बढ़ेगी तो दबाव के साथ-साथ अवरोध भी उत्पन्न होगा। ऐसे में इस तरह की विपरीत परिस्थितियों को झेलने की क्षमता आपमें जरूर होनी चाहिए। वैसे जब आपको एवरेस्ट पर चढ़ाई करनी हो तो रास्ते में दिक्कतें तो आएंगी ही। दिक्कतों का सामना करने से ही सफलता का दरवाजा खुलता है।

भरपूर एकाग्रता जरूरी

इसके बिना तो आप साइकल भी नहीं चला सकते। एकाग्रता एक ऐसी चीज है, जो हर जगह काम आती है। आप अपने काम में इसके द्वारा ही परफेक्शन लाते हैं। किसी भी काम को साधारण से असाधारण बनाने के लिए एकाग्रता की जरूरत होती है। इसके माध्यम से आप बड़े से बड़े लक्ष्य को भेद सकते हैं।

रचनात्मकता भी जरूरी

एक प्रफेशनल की सफलता में उसकी रचनात्मकता का काफी अहम योगदान होता है। इसलिए इस ओर ध्यान देना जरूरी है।

साहस बनाए रखें

कहते हैं रिस्क लेने के बाद ही आगे बढ़ने का रास्ता खुलता है। इसके लिए साहस सबसे जरूरी चीज है। किसी ने सही कहा है कि हिम्मत रखने वालों की कभी हार नहीं होती इसलिए जीतने के लिए साहस बहुत जरूरी है।

हार्डवेयर फील्ड में खूब हैं जॉब, मस्त सैलरी

आज शायद ही ऐसा कोई ऑफिस हो, जहां का कामकाज कंप्यूटर पर आधारित न हो। इसके अलावा, घर, स्कूल आदि जगहों पर भी सभी कामकाज कंप्यूटर पर ही किए जाते हैं। अगर ये सुचारू रूप से काम न करें, तो सारा कामकाज अचानक ठप हो सकता है। बैंकों और अन्य सरकारी कार्यालयों में नेटवर्क फेल होने की वजह से काम ठप रहने की खबरें आपने अक्सर पढ़ी होंगी, तब इस नेटवर्क को सही करने के लिए हार्डवेयर प्रफेशनल्स की ही मदद ली जाती है। नेटवर्किंग दरअसल कंप्यूटरों को आपस में जोड़कर ऐसा जाल बनाने का फील्ड है जिसमें कोई संस्थान काम कर सके। कुल मिलाकर, कंप्यूटर इंस्टॉलेशन से लेकर, इसकी मेंटेनेंस और रोजमर्रा के ऐडमिनिस्ट्रेशन तक का सारा जिम्मा कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट्स यानी हार्डवेयर इंजिनियर्स के जिम्मे होता है।

कोर्स

हार्डवेयर इंजिनियर बनने के लिए मुख्य रूप से दो बेसिक कोर्स करने पड़ते हैं। पहला, हार्डवेयर और दूसरा बेसिक नेटवर्किंग। हार्डवेयर रिलेटिड कोर्स से कंप्यूटर पार्ट्स के बारे में तमाम तकनीकी जानकारी मिलती है। एक हार्डवेयर इंजिनियर या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर बनने के लिए ये दोनों कोर्स करने बेहद जरूरी हैं। नेटवर्किंग में इससे आगे कोई एक्सपर्ट बनना हो, तो अपनी पसंद के हिसाब से कुछ और बेसिक कोर्स करने होंगे, जैसे - लैन (लोकल एरिया नेटवर्क) और वैन (वाइड एरिया नेटवर्क) से जुड़े कोर्स। नेटवर्किंग से जुड़े कोर्स कराने के लिए कई सरकारी और प्राइवेट संस्थान हैं, जिन्होंने इन कोर्सेज के लिए अपनी अलग पहचान बनाई है। नेटवर्किंग सीखने के लिए तीन तरीके हैं - पहला ऑनलाइन स्टडी मटीरियल की मदद से खुद पढ़ाई, दूसरा ऐसे इंस्टिट्यूट्स जो किसी प्रोग्राम से जुड़े नहीं है और तीसरा सर्टिफाइड प्रोग्राम।

जॉब की कमी नहीं

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि नेटवर्किंग में कोर्स करने के बाद कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट, हेल्प डेस्क टेक्निशन, नेटवर्क या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर, कंप्यूटर सिक्यॉरिटी स्पेशलिस्ट के रूप में करियर बना सकते हैं। आज इन एक्सपर्ट्स की जरूरत लगभग हर संस्थान में होती है। फिर चाहे वह कंप्यूटर और डेटा प्रोसेसिंग यूनिट हों, बैंक या अन्य सरकारी कार्यालय, कोई इंडस्ट्री या और कोई छोटी-बड़ी फर्म। जहां भी कामकाज कंप्यूटर आधारित है, वहां इन तकनीकी विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती है। सरकारें जिस तरह ई-गवर्नेंस पर जोर दे रही हैं, उससे यह फील्ड और भी हॉट बनता जा रहा है। इसके चलते स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क और डाटा सेंटर जैसे कई नए फील्ड खुल रहे हैं। कहा जा सकता है कि जब तक कंप्यूटर पर काम होता रहेगा, इन विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती रहेगी। ये किसी भी कंपनी के लिए नेटवर्क और कंप्यूटर सिस्टम की देखभाल से लेकर, एंप्लायीज और कस्टमर्स की तकनीकी जिज्ञासाओं को शांत करने तक का काम करते हैं। एंट्री लेवल पर आपकी जिम्मेदारी केवल नेटवर्क और कंप्यूटर मेंटेनेंस की हो सकती है, लेकिन अनुभव के साथ आपको किसी कंपनी के लिए इंट्रानेट आदि डिवेलप करने का जिम्मा भी दिया जा सकता है।

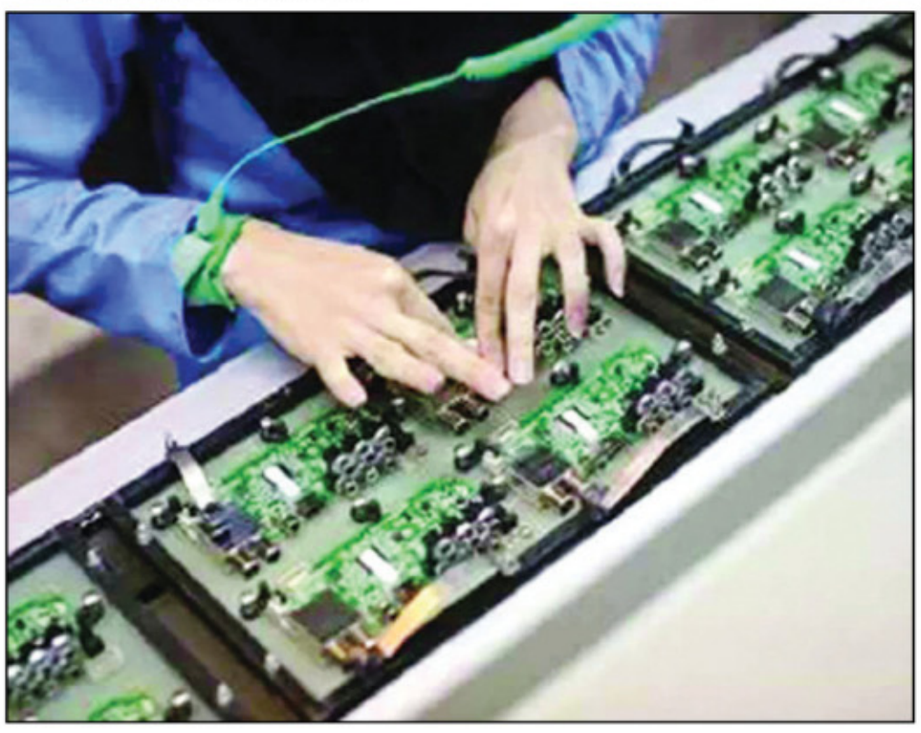

मनी मैटर्स

बरसों से आईटी फील्ड में अच्छी-खासी सैलरी रही है। हार्डवेयर प्रफेशनल्स के लिए सॉफ्टवेयर प्रफेशनल्स की तरह मौकों की कोई कमी नहीं है। एंट्री लेवल पर आप 25 से 35,000 रुपये महीने की जॉब पा सकते हैं। अनुभव और समय के साथ इसमें बढ़ोतरी होगी।

धूप में निकला ना करो..

चटकती-तमतमाती धूप ने आपके सर पर डेरा डाल दिया है। सूरज के तेवर तीखे हो चुके हैं और पूरी कोशिश है आपकी रंगत को स्याह करने की। तो आप भी कस लीजिए कमर और बना लीजिए मूड सूरज को ठेंगा दिखाने का। रोकिए झुर्रियों को असमय आने से और लीजिए लुत्फगर्मियों का।

जी हाँ, गर्मियों में तेज धूप आपकी रंगत को फीका बना डालती है। यदि आप पूरी सुरक्षा व्यवस्था के साथ घर के बाहर और घर के अंदर भी न रहें तो आपकी त्वचा झुलसने के साथ-साथ कई अन्य परेशानियों का भी शिकार भी बन सकती हैं। इसलिए गर्मियों में कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखें।

सबसे पहली जरूरत है, शरीर की नमी को बनाए रखने की। बढ़ते तापमान से आपके शरीर की स्वेद ग्रंथियाँ अधिक सक्रिय हो जाती हैं अर्थात पसीना निकलने की प्रक्रिया में तेजी आ जाती है। इसलिए आवश्यक है कि आप पानी तथा लिक्विड इंटेक का पर्याप्त सेवन करती रहें। एक दिन में कम से कम10-12 गिलास पानी पिएँ। इसके अलावा नींबू पानी, संतरे तथा अन्य पानी वाले फलों का सेवन भी समय-समय पर करते रहें। इससे शरीर को ऊर्जा भी मिलेगी, नमी का स्तर भी पर्याप्त बना रहेगा तथा समय से पहले चेहरे पर झुर्रियाँ भी नहीं पड़ेंगी। याद रखें कि कोल्ड ड्रिंक या इस तरह के पेय फायदेमंद नहीं होंगे।

दिनभर में कम से कम दो-तीन बार चेहरे पर भी ठंडे पानी के छींटे मारें। इससे आपकी त्वचा में बाहर से भी नमी बरकरार रहेगी।

गर्म पानी से नहाने की बजाय ठंडे पानी से नहाएँ। ठंडे से मतलब है रूम टेम्परेचर वाला पानी...। हाँ, आप चाहें तो थोड़े गुनगुने पानी का उपयोग कर सकती हैं।

किसी माइल्ड सोप या सोप-फ्री फेस वॉश का उपयोग करें।

हफ्ते में एक बार क्लीनअप का प्रयोग कर सकते हैं। अगर स्क्रब का प्रयोग कर रहे हैं तो हर्बल या किसी माइल्ड स्क्रब का ही प्रयोग करें।

पसीना, प्रदूषण तथा धूप- ये सब मिलकर आपकी त्वचा को नुकसान पहुँचाने में लग जाते हैं।

अगर आपकी त्वचा ड्राय है तो दिन में मेकअप के पहले मॉइश्चराइजर लगाएँ अथवा मॉइश्चराइजर का प्रयोग रात में ही करें और बहुत कम।

सूरज के तमतमाते तेवर आपके लिए खतरा लाते हैं लेकिन धूप का सेवन भी आपके लिए जरूरी है। खासतौर पर सुबह सूर्योदय के समय निकलने वाली हल्की किरणों का सेवन अवश्य करें। पैदल घूमने या खुली जगह पर योग करने से कई लाभ हो सकते हैं।

गर्मियों में सूती वस्त्र सबसे ज्यादा आरामदायक साबित होते हैं। लंबी बाँहों तथा हल्के रंग वाले कपड़ों को भी आप अपनी लिस्ट में स्थान दे सकते हैं। इसके अलावा धूप के चश्मे, हैट, स्कॉर्फ, समरकोट आदि का उपयोग भी घर से बाहर निकलने के समय किया जा सकता है।

चाहे घर के अंदर रहें या बाहर, सनस्क्रीन लोशन का उपयोग जरूर करें। यह तेज धूप से तो आपकी त्वचा की रक्षा करता ही है। सूर्य की हानिकारक किरणों से भी आपको बचाता है। इससे कैंसर सहित त्वचा के कई रोगों से आप बच सकते हैं। सनस्क्रीन लोशन को गंभीरता से लें। ऐसा लोशन खरीदें जिसमें एसपीएफ (सन प्रोटेक्शन फैक्टर) 15 या उससे अधिक हो।

घर से निकलने के 20-25 मिनट पहले इसकी मोटी-सी लेयर शरीर पर लगा लें। खासकर उन भागों पर जो धूप के सीधे संपर्क में आते हों। यदि आप ज्यादा समय बाहर रहते हैं तो हर 3-4 घंटे में सनस्क्रीन लोशन लगाते रहें। स्वीमिंग के समय वाटर रजिस्टेंट सनस्क्रीन लोशन लगाएँ।

चाहे हम लोग आज भी गोरी स्कीन के प्रति प्रिजुडाइस हों, लेकिन यह बात भी उतनी ही सच है कि साँवली स्कीन सूर्य की खतरनाक किरणों से बचने में ज्यादा सक्षम है। तो यहाँ वे लोग फायदे में हुए, जो डार्क कॉम्प्लेक्शन वाले हैं। गोरे लोगों पर सूरज की यूवी किरणों का प्रकोप होने के ज्यादा चांसेस होते हैं।

स्प्रिंग सीजन में स्किन केयर

गर्मियों के समय में त्वचा से संबंधित समस्याओं में सामान्यत: घमोरियाँ, सनबर्न, एलर्जी, टैनिंग आदि समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। इसे सामान्य भाषा में घमोरी या प्रिकलीहीट भी कहते हैं। यह स्वेद ग्रंथि की नलिका की सामान्य बीमारी है। इसमें ग्रंथि द्वारा उत्पन्न पसीना त्वचा की ऊपरी सतह पर आकर वाष्पीकृत हो जाता है। यह एक सामान्य प्रक्रिया है।

कभी-कभी अत्यधिक गर्मी की वजह से पसीना ज्यादा बनने लगता है और किसी कारण से स्वेद नलिका में रुकावट होने की वजह से पसीना त्वचा की ऊपरी सतह पर नहीं आ पाता है और वह त्वचा की निचली सतह पर फैलने लगता है। इससे त्वचा में लालिमा उत्पन्न होने लगती है और उसमें छोटे-छोटे लाल दाने बन जाते हैं जिसमें काफी खुजली व जलन होती है। यह किसी भी उम्र में हो सकता है। इसका सामान्य कारण उष्णता व अत्यधिक गर्मी है। ये दाने धूप में जाने पर बढ़ जाते हैं। यह स्वेदवाही नलियों में रुकावट के आधार पर तीन प्रकार का होता है-

क्रिस्टिलीना : यह त्वचा की ऊपरी सतह पर ही रुकावट होने से होता है। इसमें जो दाने बनते हैं वे सामान्यत: 2 सप्ताह तक के बच्चों में व बड़ों में बुखार आदि होने पर हो सकते हैं। इसमें ज्यादा जलन व खुजली नहीं होती है। ये एकाध दिन में अपने आप ठीक हो जाते हैं। यह बच्चों में सिर, गले व छाती आदि पर ज्यादा होते हैं।

रुब्रा : यह सामान्यत: अत्यधिक गर्मी की वजह से होता है और इसमें त्वचा की गहराई तक रुकावट होने से होता है। इसमें दानों में जलन व खुजली ज्यादा होती है।

सनबर्न : गर्मियों के मौसम में सनबर्न होना आम समस्या है। त्वचा के धूप के संपर्क में आने पर त्वचा में लालिमा, सूजन व कभी-कभी फफोले भी हो जाते हैं। सनबर्न होने पर ठंडे पानी की पट्टियाँ रखना चाहिए।

चटपटा आलू-पुदीना

सामग्री : 250 ग्राम आलू, पुदीना आधा कटोरी, 3-4 हरी मिर्च, अदरक 1 छोटी गांठ जीरा 1/4 चम्मच, नमक स्वादानुसार, घी आधा बड़ा चम्मच।

विधि: सबसे पहले आलुओं को उबाल कर, छीलकर आधे इंच के टुकड़ों में काट लें। पुदीने को साफ करके हरी मिर्च और अदरक के साथ पीसकर पेस्ट बना लें। गर्म घी में जीरा तड़काएं तथा पुदीना, अदरक और हरी मिर्च का पेस्ट डालें। जब पेस्ट भुन जाए तो आलू और नमक डालकर 3 मिनट तक धीमी आंच पर ढंक कर पकाएं। गर्म-गर्म पराठों के साथ तैयार चटपटा आलू-पुदीना पेश करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन (दी दू थ ज्ञ ज दे दो चा ची): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 2015

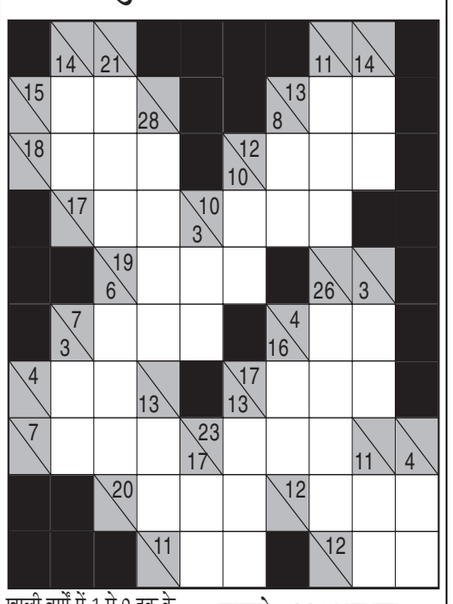

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

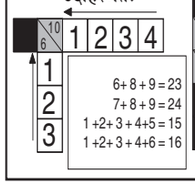

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2014 का हल

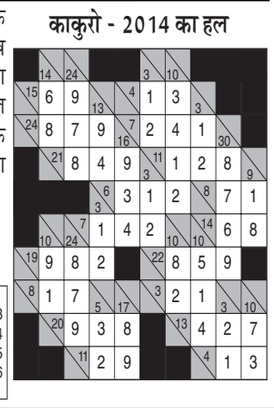

लॉफिंग जोन

एक ऐसी युवती थी, जिसका कभी किसी से कोई रोमांस नहीं हुआ था। एक दिन उसने रोमांटिक ख्वाब देखा- जब वह गार्डन में घूम रही थी, तभी एक सुंदर युवक ने साड़ी के पीछे छुपकर उससे लिपट गया। वह भागी लेकिन एक घने पेड़ की मधुर छाया में तरुण ने उसे पकड़ लिया।

तुम-तुम क्या करने जा रहे हो? वह हकबकाई।

शैतानी से मुस्कराकर युवक बोला- तुम बताओ। यह तुम्हारा सपना है।

अखबार पढ़ते प्रेमी को प्रेमिका ने पीछे से जोरदार घूँसा मारा। इस पर प्रेमी ने कहा -क्या हुआ, प्रिया?

प्रेमिका- तुम्हारी शर्ट की जेब में एक कागज मिला था जिस पर मेरी (लड़की का नाम) लिखा हुआ था।

प्रेमी- अरे नहीं प्रिये, तुम्हें याद है पिछले सप्ताह मैं ट्रेकिंग पर गया था। मैंने घोड़े की सवारी की थी। मेरी उसी घोड़े का नाम है।

अगले दिन प्रेमिका ने फिर जोरदार घूँसा मारा।

प्रेमी- अब क्या हुआ प्रिये?

प्रेमिका - तुम्हारे घोड़े का फोन आया था।

फिल्म वर्ग पहेली - 2015

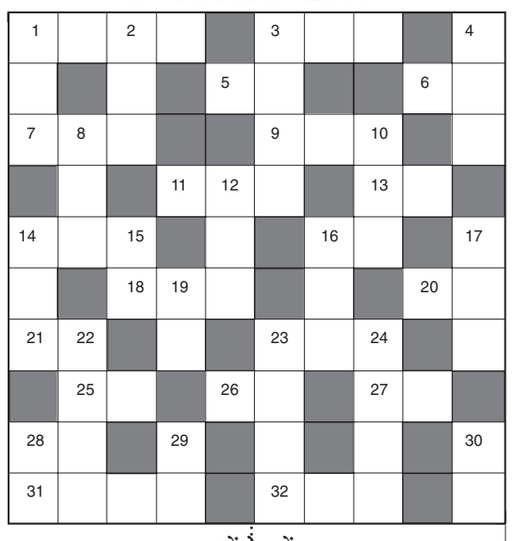

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. फिल्म 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि, जेबा, अश्विनीभावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. जॉन, बिपाशा की एक फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है-३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. १९७१ के भारत-पाक युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी जे.पी. दत्ता की फिल्म-३
३. 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखों' गीत वाली फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. फिल्म 'खुशी' में फरदीन खान की नायिका कौन है?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो प्यार कैसा होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ दिलवाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की 'फूलों से जो खुशबु' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2014

खु	दा	र		रे	मां	स		आ	शा
शी		त	ला	श		प	ड़ो	स	न
	ध	न	वा	न		ने		श	
ध	र्मा		रि		जू		झु		सु
	त्मा		स	हे	ली		म	सी	हा
फा		श		मा		गु	रू		ग
गु	म	श	ह		मे	ला		डॉ	
न		बी		आ		म	हा	न	ता
	काँ		आ	शि	की		द		ल
वां	टे	ड		क		इं	सा	फ	

सूडोकु -2015

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2014 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्द पहेली - 2015

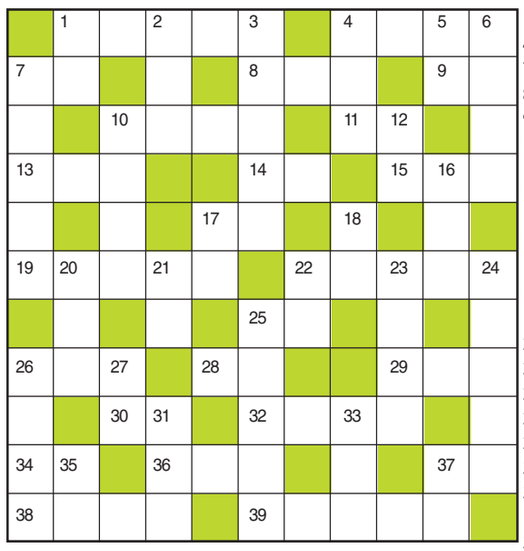

बाएँ से दाएँ

1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4.आज्ञापत्र, पतंगा-4
7.शरीर, बदन-2
8.होशियार, हुनरमंद-3
9.नस, नाड़ी-2
10.तीर रखने का पात्र-4
11.गधा, गर्दभ-2
13.जो बंदी हो-3
14.पत्नी, भार्या-2
15.दृष्टि, निगाह-3
17.खैरात, दक्षिणा-2
19.अपने ही घर में कैद होना-5
22.भाग्यवाला-5
25.जी, इच्छा-2
26.तन, काया-3
28.दुनिया, संसार-2
29.वेतन-3
30.भीगा हुआ-2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34.परिणाम,हल,फ्रूट-2
36.सचेग-3
37.राजकपूर,नरगिस की फिल्म-2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39.निरस्त करना-2,3

ऊपर से नीचे

1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2.रवि, सूर्य-3
3.तमाशा देखनेवाले-5
4.परीक्षण,जांच-3
5.सप्ताह का दिन-2
6.जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10.भाग्य,किस्मत-4
12.क्रिकेट में बनते हैं-2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17.खुजली-2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20.आवश्यक-3
21.कैदी, बंधक-2
22.इसाई साध्वी-2
23.बालकपन-4
24.असावधान-5
25.महासमुद्र-5
26.सज्जनता, भद्रता-4
27.अभिषेक की फिल्म-2
31.मुद्दा (उर्दू-3)
33.वाचन करनेवाला-3
35.उद्देश्य-2
37.आगमन,आने का भाव-2

शब्द पहेली -2014 का हल

उ	थ	ल	पु	थ	ल		मा	न	व	ता
त	न		ल		ल	म्बा	ई		श	र
रा		आ	क	र्ष	क		न	स		को
धि	क्का	र	ना			अ		च	प	ल
का		क्ष		भा	गी	दा	र		र	
र	म	ण	यो	ग्य		व	ज	न	दा	र
	ह		ग	फ	ल	त		म		ह
द	ल	ना		ल			य	की	न	न
श		का	व्य		त	न	म	न		स
ह	रा		स	ला	मी		रा		रा	ह
रा	ह	ज	न		ज	हा	ज	चा	ल	न

भाजपा सांसद तेजस्वीसूर्या व शिवश्री के रिसेप्शन में शामिल हुए दिग्गज नेता

एजेंसी

बैंगलोर। बेंगलुरू दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के युवा सांसद भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वीसूर्या और प्रसिद्ध सिंगर शिवश्री स्कंदप्रसाद की पारंपरिक तरीके से शादी के बाद गृहनगर बेंगलुरु के गायत्री विहार मैदान पर हुए रिसेप्शन में कई दिग्गज राजनीतिक शामिल हुए। दरअसल, भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या का विवाह समारोह 5 और 6 मार्च को बेंगलुरु के कनकपुरा स्थित एक रिसॉर्ट में हुआ था। इसमें केवल परिवार के सदस्यों, करीबी मित्रों और राजनीतिक गणमान्य व्यक्तियों को ही आमंत्रित किया गया था। शादी के बाद रविवार को रिसेप्शन रविवार सुबह बेंगलुरू के वृक्षा, गायत्री विहार और पैलेस ग्राउंड में हुआ। इस समारोह में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के अलावा कई मंत्री, सांसद, विधायक, भाजपा व जेडीएस पार्टी के नेता और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी शामिल हुए और नवदंपति को शुभकामनाएं दीं। इस रिसेप्शन के लिए सांसद तेजस्वी सूर्या ने सभी आगंतुकओं से फूलों के गुलदस्ते या सूखे मेवे न लाने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा था कि कार्यक्रम में शामिल होने के लिए किसी वीआईपी पास या विशेष पास की आवश्यकता नहीं है। प्रवेश या निकास को लेकर कोई भ्रम नहीं है और कोई अतिरिक्त विशेष व्यवस्था नहीं की गई है।

गंगा जल को लेकर राज ठाकरे ने जो बयान दिया है, वो प्रदूषण के बारे में हैं : रोहित पवार

मुंबई । महाराष्ट्र सरकार सोमवार को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश करेगी। राज्य सरकार के बजट को लेकर एनसीपी (एसपी) नेता और विधायक रोहित पवार की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय सरकार ने जो कहा था, उन्हें अब अपने वादे को पूरा करना चाहिए। एनसीपी (एसपी) नेता और विधायक रोहित पवार ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, सरकार ने चुनाव से पहले कई वादे किए थे। उन्होंने कहा था कि किसानों का कर्जा माफ किया जाएगा, महिलाओं के लिए सम्मान राशि को 1500 से बढ़ाकर 2100 रुपए करेंगे और बेरोजगार युवाओं के लिए कुछ स्कीम लाएंगे। इन्हीं सबको लेकर आज के बजट से अपेक्षाएं हैं।गंगा नदी के जल को लेकर दिए राज ठाकरे के बयान पर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, महाकुंभ में स्नान करने के लिए मैं भी गया था। मैं मानता हूं कि लोगों का एक धार्मिक विचार होता है। जब मैंने वहां स्नान किया था तो मैं हजारों लीटर गंगा जल महाराष्ट्र लेकर आया था। हालांकि, गंगाजल में विचार की ताकत है, लेकिन मैंने भी उसके अंदर कुछ कण देखे थे और मुझे लगता है कि राज ठाकरे ने जो बयान दिया है, वो प्रदूषण को लेकर कहा है। अगर कोई धर्म की बात करता है तो स्पष्ट होकर अपनी बात रखनी चाहिए और बताना चाहिए कि मैंने प्रदूषण को लेकर कहा है।

वाल्मीकिनगर में विकासशील इंसान पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक

पटना । बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सभी पार्टियों ने तैयारी शुरू कर दी है। ऐसे में विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक सोमवार को पश्चिम चंपारण के वाल्मीकिनगर में शुरू हो रही है। बैठक का उद्देश्य पार्टी के कार्यकर्ताओं को एकजुट करना और आगामी चुनावों के लिए तैयार करना भी है। अहम बैठक की जानकारी देते हुए महागठबंधन में शामिल वीआईपी के उपाध्यक्ष संजीव मिश्रा ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश सहनी के नेतृत्व में दो दिवसीय इस महत्वपूर्ण बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेता भाग ले रहे हैं और पार्टी के संगठन को मजबूत बनाने की रणनीति पर चर्चा करेंगे।

इस बैठक में बिहार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी सहित प्रदेश और राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य तथा विभिन्न राज्यों से आए पदाधिकारी शामिल हो रहे हैं। वीआईपी नेता संजीव मिश्रा ने कहा है कि बैठक में आगामी बिहार चुनाव में महागठबंधन की जीत सुनिश्चित करने के लिए रणनीति बनाई जाएगी। साथ ही राज्य की 243 सीटों पर वीआईपी पार्टी के संगठन को मजबूत बनाए जाने को लेकर कार्यकर्ताओं के सुझाव और रणनीति पर विस्तृत विचार-विमर्श किया जाएगा। पार्टी का जनाधार राज्य के गांव-गांव तक कैसे पहुंचे, इस पर कार्यकर्ताओं से फीडबैक लेकर उसी अनुरूप पार्टी के कार्यक्रम तैयार करेगी।

दौसा में भव्य श्याम ध्वजा यात्रा, श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब

दौसा। बाबा श्याम की भक्ति में रंगी श्याम ध्वजा यात्रा धूमधाम से निकाली गई। देवनागरी के नौ प्रमुख मंदिरों से बाबा श्याम के निशान लेकर हजारों श्रद्धालु सड़कों पर उमड़ पड़े। शहर के पंच महादेव मंदिर–नीलकंठ, बैजनाथ, सहज नाथ, गुप्तेश्वर, सोमनाथ, फलसा वाले बालाजी, दुर्गा मंदिर, शिव शक्ति नगर स्थित मंदिर से ध्वज यात्राएं गाजे-बाजे के साथ निकाली गईं।

इन सभी का महासंगम गांधी तिराहे पर हुआ, जहां श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम के जयकारों से वातावरण भक्तिमय कर दिया। यात्रा मार्ग में श्रद्धालुओं का पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। श्याम मंदिर चरण धाम पहुंचकर भक्तों ने बाबा श्याम को ध्वज अर्पित किए और विशेष पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का विशाल मेला लगा, जहां भक्तों ने पंगत प्रसादी का आनंद लिया। देर शाम तक भक्तों का हुजूम बाबा श्याम की भक्ति में सराबोर नजर आया।

घरेलू एवियशन सेगमेंट में भारत दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा बाजार : राजनाथ सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला एविएशन मार्केट है। भारत इस समय दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा बाजार है। पिछले दशक में देश में विमानों की संख्या 400 से बढ़कर 800 से ज्यादा हो गई है, और हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 159 हो गई है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि एयर एंबुलेंस, कार्गो आदि के क्षेत्र में भी देश में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह संस्थान देश के उच्चतम मेडिकल संस्थानों में से एक है। यह दक्षिण-पूर्व एशिया में एयरोस्पेस मेडिसिन का एकमात्र पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट है। रक्षा मंत्री ने बताया कि इस इंस्टीट्यूट ने एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर, लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर, लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर से लेकर लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस तक के डिजाइन

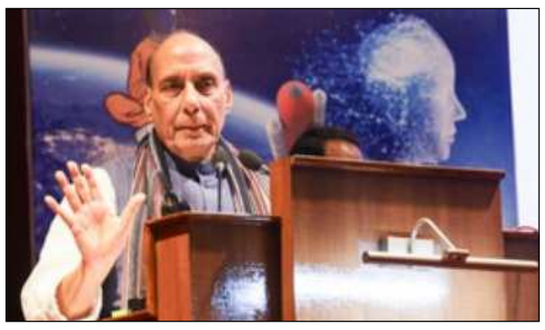

और डेवलपमेंट में अपना अहम योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि दुनिया में कई निजी अंतरिक्ष एजेंसियां अब अंतरिक्ष मिशनों को अंजाम दे रही हैं। वैसे तो यह उनके लिए बड़ा अवसर है, लेकिन उनके सामने कई नई चुनौतियां भी आएंगी। ऐसे में उन एस्ट्रोनॉट तक भी एयरोस्पेस मेडिसिन की सुविधाएं पहुंचाने और उनके सामने आने वाली नई चुनौतियों की ओर पर्याप्त ध्यान देने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि हमारे पायलट दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पायलटों में से एक हैं। उन्हें अनुकूल वातावरण प्रदान करना हमारी बड़ी जिम्मेदारी है।

रक्षा मंत्री ने कहा, मैं इंडियन एयर फोर्स के हमारे बहादुर योद्धाओं को नमन करता हूं। इंडियन एयर फोर्स का शौर्य और पराक्रम अतुलनीय है।

एक सैन्य बल के रूप में इंडियन एयर फोर्स, इंसान और मशीन का परफेक्ट कॉम्बिनेशन है। वायु सेना के जांबाज सैनिक, अपनी कर्तव्यनिष्ठता से, दिन-रात हमारी सीमाओं की सुरक्षा कर रहे हैं। हमारा मानव शरीर एक जटिल मशीन की तरह है, जो मुख्य रूप से पृथ्वी के वातावरण के लिए ही बना है। जब मनुष्य स्पेस में जाता है, तब उसे माइक्रो ग्रेविटी, रेडिएशन और आइसोलेशन जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उस स्थिति में, एयरोस्पेस मेडिसिन ही किसी इंसान के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है।

राहुल गांधी की बातों को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं : अर्जुन राम मेघवाल

एजेंसी

बीकानेर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि कांग्रेस के कुछ नेता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से मिले हुए हैं। राहुल गांधी के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि वो क्या कहते हैं और क्या करते है, ये सब जानते है। उन्हें कोई गंभीरता से नहीं लेता है।

मेघवाल ने कहा कि राहुल गांधी की बातों को कांग्रेस वाले ही गंभीरता से नहीं लेते, इसलिए दूसरों को भी उनकी बातों पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

आरोप लगाने से पहले राहुल गांधी को सोचना चाहिए कि वह क्या बोल रहे हैं। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने बीकानेर में आयोजित मजदूर संघ के दूसरे दिन के अधिवेशन में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने रेलवे से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी बात की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि रेल मंत्री के निर्देश पर रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू बीकानेर आए थे। बीकानेर में अधूरे पड़े रेलवे के कार्यों को जल्द पूरा किया जाएगा। बीकानेर में रेलवे की कई परियोजनाओं पर काम चल रहा है और इन कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अलावा 'वन नेशन वन इलेक्शन' पर मेघवाल ने बताया कि इस विषय पर जयपुर में एक संगोष्ठी भी आयोजित की गई थी और इस बारे में विचार-विमर्श जारी है।

यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, जिसे लेकर सरकार सकारात्मक दृष्टिकोण रखती है। हमारी सरकार देश के विकास के लिए लगातार काम कर रही है और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से जनता की भलाई के लिए प्रयासरत है।

औरंगजेब ने किया था हिंदुओं पर अत्याचार, कब्र पर क्यों करें खर्च : मनीषा कायंदे

एजेंसी

मुंबई। मुगल शासक औरंगजेब की कब्र हटाए जाने को लेकर दिए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बयान पर शिवसेना नेता मनीषा कायंदे की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि सच्चाई यही है कि लोगों ने कई सालों तक औरंगजेब की कब्र को सहन किया गया। शिवसेना नेता मनीषा कायंदे ने बात करते हुए कहा, औरंगजेब की कब्र को कई साल तक लोगों ने सहन किया है और जब अबू आजमी ने उसकी तारीफ की है तो लोग बौखला गए हैं। क्रूर मुगल शासक की कब्र की जरूरत क्या है? हालांकि, इस पर निर्णय सरकार लेगी कि उसे रखना चाहिए या नहीं। सेंट्रल गवर्नमेंट, एएसआई जैसी संस्थाएं भी इस पर फैसला लेती हैं। ये जनभावना है कि औरंगजेब, जिसने हिंदुओं को तकलीफ दी और हमारे मंदिरों को तोड़ा, हिंदुओं पर अत्याचार भी किए, ऐसे इंसान की कब्र को क्यों रखना है और उस पर खर्च क्यों करना है।'

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इतिहास के पन्नों से उसका नाम भी मिटाना चाहिए। अगर इतिहास के पन्नों में उसका नाम रहेगा, तो एक क्रूर शासक के तौर पर रखना चाहिए। जनभावना है कि उसकी कब्र पर खर्च क्यों किया जाए। मध्य प्रदेश के

मुख्यमंत्री मोहन यादव के धर्म बदलने की सजा वाले बयान पर शिवसेना नेता ने कहा, 'हर एक सरकार का अधिकार है कि वह क्या बिल लाना चाहती है, क्योंकि बहुत सारे बिल लाए जाते हैं और उसे केंद्र सरकार के पास भेजा जाता है। हम किसी भी बिल को लेकर भावनात्मक नजरिए से बहुत कुछ बोलते हैं, मगर वह प्रत्यक्ष रूप में आएगा या नहीं, यह एक अलग बात है। मुझे लगता है कि धर्मांतरण एक पाप है और किसी को भी अवैध रूप से धर्म बदलवाना सही नहीं है। हालांकि मामले में किसी को फांसी की सजा देनी है या नहीं, इस पर चर्चा हो सकती है। उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम को चैंपियंस ट्राफी के आज हो रहे फाइनल के लिए शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने कहा, हर एक क्रिकेट प्रेमी को लगता है कि आज के मैच में भारत जीतेगा।

नीतीश कुमार को अपनी कुर्सी के अलावा कुछ नहीं दिखता : प्रशांत किशोर

एजेंसी

मुजफ्फरपुर। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर एकदिवसीय दौरे पर मुजफ्फरपुर पहुंचे हैं। यहां उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज बिहार की स्थिति लालू यादव के जंगलराज से भी ज्यादा बदतर हो चुकी है। नीतीश कुमार के शासनकाल में अधिकारियों का जंगल राज है। नीतीश कुमार की राजनीतिक नैतिकता खत्म हो चुकी है। उन्होंने कहा कि एक समय था जब नीतीश कुमार रेल मंत्री थे और पश्चिम बंगाल में रेल दुर्घटना में 200 लोगों की मृत्यु हो गई थी। तब, इन्हीं नीतीश कुमार ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। आज उनकी पार्टी विधानसभा में हार चुकी है। 243 में से सिर्फ 42 सीटें हैं, लेकिन ये मुख्यमंत्री बने रहना चाहते हैं। प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार को सिर्फ अपनी कुर्सी की चिंता है, उन्हें सिर्फ कुर्सी पर बैठना है चाहे भाजपा के साथ रहें या फिर राजद के साथ। उन्हें बिहार की जनता की समस्याओं से कोई मतलब नहीं।प्रशांत किशोर ने बिहार के वित्त मंत्री सम्राट चौधरी से

सवाल करते हुए पूछा कि उन्होंने कहा है कि आरबीआई का आंकड़ा बता रहा है कि 1990 से लेकर अभी तक, बैंकों के माध्यम से 26 लाख करोड़ रुपये की पूंजी दूसरे राज्यों में चली गई। उन्होंने सरकार से मांग की है कि सीडी रेशियो के आंकड़े जनता के सामने रखें और बताएं कि आखिर बिहार की पूंजी राज्य में बाहर क्यों भेजी गई। उन्होंने बिहार में गरीबी और बेरोजगारी को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बिहार में 80 प्रतिशत लोग रोज 100 रुपये भी नहीं कमा पाते। बिहार में प्रति व्यक्ति आय 34 हजार रुपये है। अगर पटना और बेगूसराय को हटा दें तो प्रतिव्यक्ति आय मात्र 25 हजार रुपये है। लेकिन सरकार मनरेगा जैसी योजनाओं के फंड का सही उपयोग नहीं कर पा रही है।

युवाओं की प्रगति के रास्ते का हर बैरियर हटाएगी सरकार : मुख्यमंत्री

एजेंसी

मेरठ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेरठ एवं सहारनपुर मंडल के 1070 युवाओं को 48 करोड़ के ऋण वितरण कार्यक्रम में शिरकत किया। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के नेताजी सुभाष चंद्र बोस प्रेक्षागृह में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने युवाओं के उत्साह और सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि युवाओं की प्रगति में आने वाली हर बाधा को दूर करने के लिए सरकार संकल्पित है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में बताया कि 24 जनवरी को शुरू की गई 'सीएम युवा उद्यमी स्कीम' को लेकर प्रदेश के युवाओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला है। योजना के तहत 1 लाख आवेदनों के लक्ष्य के सापेक्ष 2 लाख 67 हजार से अधिक युवाओं ने आवेदन किया है। इनमें से 1 लाख से अधिक

आवेदनों को स्क्रीनिंग के बाद बैंकों को भेजा गया, जिनमें से 25 हजार से अधिक को मंजूरी मिल चुकी है और ऋण वितरण शुरू हो गया है। आज मेरठ में 1070 युवाओं को इस योजना का लाभ मिला। अनुसूचित जाति, जनजाति और महिलाओं के लिए योजना में विशेष प्रावधान सीएम ने कहा कि पहले चरण में 5 लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसका पूरा ब्याज सरकार वहन करेगी। अनुसूचित जाति, जनजाति और महिलाओं के लिए योजना में विशेष प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह योजना युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और पीएम मोदी के 'स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया' के विजन को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सीएम ने मेरठ को क्रांतिधरा और पावन स्थल बताते हुए कहा कि इसे शिक्षा का हब बनाना जरूरी है। उन्होंने आश्वस्त किया कि पश्चिमी यूपी को विकास से नहीं पिछड़ने दिया जाएगा। उन्होंने युवाओं को आश्वस्त किया कि सरकार उनके लिए हर अवसर के बैरियर को हटाएगी। 15 लाख करोड़ से अधिक के निवेश को जमीन पर उतारा गया मुख्यमंत्री ने डबल इंजन सरकार के 8 साल के कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने बताया कि 15 लाख करोड़ से अधिक के निवेश को जमीन पर उतारा गया, जिससे 7 लाख युवाओं को रोजगार मिला।

नागपाड़ा में पानी टंकी साफ करते समय दम घुटने से 4 मजदूरों की मौत, एक अस्पताल में भर्ती

एजेंसी

मुंबई। दक्षिण मुंबई में स्थित नागपाड़ा इलाके में एक निर्माणाधीन बिल्डिंग में पानी की टंकी साफ करते समय दम घुटने से 4 मजदूरों की मौत हो गई। इस घटना में एक मजदूर का इलाज जेजे अस्पताल में चल रहा है।

इस घटना की जांच नागपाड़ा पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। मुंबई नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी तानाजी कांबले ने बताया कि नागपाड़ा इलाके में गुड लक मोटर ट्रेनिंग स्कूल के पास एक निर्माणाधीन बिल्डिंग में दोपहर में पानी की टंकी सफाई की जा रही थी। इस काम के लिए पांच मजदूर टंकी में सफाई करने उतरे थे। इसी बीच एक-एक कर घुटन महसूस होने से वे बेहोश होने लगे। उन्हें टंकी से बाहर निकाला गया और नजदीकी जेजे अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने 4 मजदूरों को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक का इलाज अस्पताल में चल रहा है। इस घटना में मृतकों की पहचान हसीपाल शेख (19), राजा शेख (20), जियाउल्लाह शेख (36) और इमांडू (38) के रूप में की गई है, जबकि पुरहान शेख (31) अस्पताल में भर्ती है। पानी की टंकी साफ करते समय 4 मजदूरों की मौत पर जेजे पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संजय काटे का कहना है कि दोपहर 12.30 बजे हमें सूचना मिली कि निर्माणाधीन बिस्मिल्लाह स्पेस टॉवर में चार लोग पानी की टंकी में फंसे हुए हैं। हमने पाया कि चार लोग टैंक में बेहोश थे।

गडकरी ने नागपुर में पतंजलि फूड एवं हर्बल पार्क का उद्घाटन किया

एजेंसी

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने नागपुर में कहा कि पतंजलि परियोजना संतरा किसानों के लिए वरदान साबित होगी । मुख्यमंत्री ने कहा कि पतंजलि फूड एवं हर्बल पार्क के माध्यम से संतरा किसानों की उपज का प्रसंस्करण कर विपणन किया जाएगा। यहां संतरे की ग्रेडिंग और भंडारण भी किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार इस परियोजना के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करेगी तथा पतंजलि और राज्य सरकार मिलकर सभी सुविधाओं से सुसज्जित नर्सरी स्थापित करेंगे।

नागपुर के मिहान परिसर में स्थित पतंजलि फूड एवं हर्बल पार्क का उद्घाटन आज मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने किया। मुख्यमंत्री

फडणवीस ने कहा कि पतंजलि ने 9 साल पहले मिहान में नींव रखी थी। इस परियोजना को मिहान में ही बनाने के संकल्प और राज्य सरकार की उचित निविदा प्रक्रिया का पालन करते हुए आज यह परियोजना फलीभूत हुई। इस परियोजना के लिए आवश्यक सामग्री संतरा किसानों द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। इससे किसानों को अपना माल बेचने में भी मदद मिलेगी। इस परियोजना में संतरे का प्रसंस्करण किया जाएगा। इसके अलावा, संतरे के भंडारण के लिए अत्याधुनिक कोल्ड स्टोरेज सुविधाएं भी यहां उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि इससे किसानों को भी लाभ होगा। साथ ही, राज्य सरकार इस परियोजना के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि पतंजलि और राज्य सरकार संयुक्त रूप से यहां संतरे के लिए आवश्यक गुणवत्तायुक्त कटिंग तैयार करने के लिए सभी सुविधाओं से युक्त एक आधुनिक नर्सरी स्थापित करेंगे।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि पतंजलि के मिहान स्थित खाद्य एवं हर्बल परियोजना को प्रतिदिन लगभग 800 टन संतरे की आवश्यकता होगी। इससे संतरा उत्पादक किसानों की उपज के लिए तैयार बाजार उपलब्ध हो सकेगा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने यह भी कहा कि इस परियोजना से स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा। इस परियोजना को किसानों से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा । उन्होंने यह भी कहा कि इस परियोजना से किसानों को समृद्ध होने में मदद मिलेगी। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि गुणवत्तापूर्ण संतरे के बीज और कलमों के उत्पादन के लिए एक आधुनिक नर्सरी स्थापित की जाए।

इस अवसर पर योग गुरु स्वामी रामदेव बाबा, पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण, कृषि राज्य मंत्री एडवोकेट आशीष जलासवाल, विधायक डा. इस अवसर पर आशीष देशमुख, समीर मेघे आदि उपस्थित थे।

भाजपा लोगों की चिंता करती है तभी जनता बार-बार जिताती है: जेपी नड्डा

एजेंसी

अगरतला। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि भाजपा का लक्ष्य सत्ता हथियाना नहीं है, उसका मुख्य लक्ष्य जनता की सेवा करना है। इसलिए भाजपा लोगों के कल्याण के लिए दिन-रात काम करती है। इसीलिए लोग बार-बार भाजपा को आशीर्वाद दे रहे हैं और उसके अच्छे कामों के लिए उसे सत्ता में ला रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष व केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा अगरतला में स्वामी विवेकानंद मैदान पर एक रैली को संबोधित कर रहे थे। इसका आयोजन त्रिपुरा में दूसरी बार बनी भाजपा सरकार की दूसरी वर्षगांठ का जश्न मनाने के लिए किया गया। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आशीर्वाद और मुख्यमंत्री प्रो. (डॉ.) माणिक साहा के नेतृत्व में दूसरी भाजपा सरकार के दो वर्षों में राज्य के आम लोगों को काफी लाभ हो रहा है। इससे पहले भी राज्य में भाजपा के पांच साल के शासन के दौरान जनता के कल्याण के लिए काफी काम हुए थे। भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में राज्य की दो सीटों से भाजपा उम्मीदवारों को जिताने के लिए मतदाताओं को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि लोग बार-बार भाजपा को आशीर्वाद दे रहे हैं क्योंकि, वे लोगों की चिंता करते हैं और दिन-रात काम करते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहा है कि सभी प्रकार के सरकारी लाभ सबसे हाशिए पर रहने वाले आम लोगों तक पहुंचे। इसलिए इस राज्य की जनता भाजपा को बार-बार सत्ता में लाएगी। त्रिपुरा में विपक्ष की सत्ता में आने की क्षमता पर टिप्पणी करते हुए नड्डा ने कहा, उन्होंने लोगों के कल्याण के लिए कुछ भी नहीं किया है। भाजपा न केवल त्रिपुरा राज्य में बल्कि, पूरे देश में लोगों के कल्याण के लिए काम कर रही है। यही कारण है कि वे एक के बाद एक विभिन्न राज्यों में सत्ता में आ रहे हैं। भाजपा लगातार छठी बार गुजरात में सत्ता में आई है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार गरीबों और पिछड़ों की सरकार है। त्रिपुरा की राजनीति के बारे में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि वामपंथियों के शासन में त्रिपुरा खून से लाल होता था। अब वह बदल गया है।

भारत में हमेशा परस्पर सौहार्द व सदभाव रहा : स्वान्त रंजन

एजेंसी

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वांत रंजन ने कहा कि भारत में हमेशा परस्पर सौहार्द व सदभाव रहा है। सद्भाव और सौहार्द के लिए सभी मत को स्वीकार करना होगा। उन्होंने सामाजिक सद्भाव को आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए समाज को सशक्त बनाने की दिशा में एकजुट होने का आह्वान किया। उत्तर प्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान और सामाजिक सद्भाव, लखनऊ महानगर के संयुक्त तत्वावधान में आज 'अहिंसामयी जीवन का आधार, परस्पर सद्भाव और सौहार्द' विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान के प्रेक्षागृह में किया गया। परिचर्चा को संबोधित करते हुए स्वांत रंजन ने कहा कि धर्म व समाज को बचाना है तो सबको धर्म का आचरण व पालन करना होगा। सत्य अहिंसा व ईमानदारी का आचरण करने से ही धर्म बढ़ता है। उन्होंने कहा कि भारत ने कभी अपने विचारों को बंद नहीं किया। हमने बाहर के विचारों को अपने देश की प्रकृति व संस्कृति के अनुरूप स्वीकार किया। अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख ने कहा कि भारत के अंदर जन्मे सभी मत पंथ व सम्प्रदायों में प्रश्न पूछने का अधिकार है, जबकि भारत के बाहर जन्मे मत पंथों में प्रश्न पूछने की कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने कहा कि हम लोग अंधानुयायी नहीं हैं। परस्पर मिलन व विचारों का आदान-प्रदान होते रहना चाहिए। हम सब मिलकर परम सत्य को जानने व समझने का प्रयत्न करें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जैन शोध संस्थान, लखनऊ के उपाध्यक्ष प्रो. अभय जैन ने महावीर स्वामी की शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए परस्पर सौहार्द और सद्भाव बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। अंत में उत्तर प्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान के निदेशक अमित कुमार अग्निहोत्री ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन अवध प्रांत के सामाजिक सद्भाव प्रमुख राजेंद्र ने किया।

बीएल एग्रो की 'कामधेनु परियोजना' का केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने किया उद्घाटन

एजेंसी

बरेली। बीएल एग्रो ने अपने स्थापना दिवस के अवसर पर कामधेनु परियोजना का भव्य उद्घाटन कर एक नए युग की शुरुआत की घोषणा की। यह परियोजना फतेहगंज पश्चिमी (अगरास) में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान द्वारा औपचारिक रूप से शुरू की गई। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह, बीएल एग्रो के संस्थापक अध्यक्ष घनश्याम खंडेलवाल और डायरेक्टर आशीष खंडेलवाल भी मौजूद रहे। बीएल एग्रो के अधिकारियों के अनुसार, कामधेनु परियोजना के तहत लगभग 5,000 किसानों को सीधा लाभ

मिलेगा। इससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। यह पहल स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई ऊर्जा प्रदान करेगी। किसानों को अत्याधुनिक सुविधाओं से जोड़ेगी। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने आगामी बिहार विधानसभा चुनावों को लेकर अपनी प्रतिक्रिया भी दी। उन्होंने एनडीए गठबंधन की जीत पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में पांच दलों का गठबंधन एक मजबूत जीत दर्ज करेगा। उन्होंने 225 से अधिक सीटें जीतने का अनुमान लगाया और साथ ही, आरजेडी के शासनकाल की आलोचना करते हुए कहा कि नब्बे के दशक में बिहार में जो भय का माहौल था, वह आज भी लोगों के मन में ताजा है।

बॉलीवुड अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने बढ़ाई आयोजन की शोभा

इसके बाद बीएल एग्रो के परसाखेड़ा स्थित परिसर में एक अतिरिक्त कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इसमें बॉलीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने शिरकत की। बीएल एग्रो की कामधेनु परियोजना न केवल किसानों को सशक्त बनाएगी, बल्कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में भी एक नई क्रांति लाने का कार्य करेगी।

जिंदगी का खेल सिखाते हैं बच्चे

हमने अपने बच्चों को खेलते हुए देखना लगभग भुला दिया है। हम सब कुछ देखते हैं, बच्चों का खेल नहीं। आखिर ऐसा क्या हैए इसे खेलने में जो हमें देखना चाहिए।

बच्चे अपनी इस दुनिया को पूरी तरह भुलाकर खेलते हैं। अपनी एक अलग ही सुंदर दुनिया की रचना कर लेते हैं। वे जब खेलते हैं, उन्हें अपनी भूख-प्यास की कतई चिंता नहीं रहती। वे लगभग अपनी भूख.प्यास को भुलाकर खेलते हैं। यह मगन रहना हैए अपनी दुनिया में। वे अपनी आड़ी-तिरछी लाइनों को बनाएँगे तो इतना मगन होकर कि वह उनके आनंद में बदल जाती है। उनमें कोई आकांक्षा नहीं, महत्वाकांक्षा नहीं, बल्कि बनाने का आनंद है। क्या हम मगन रहते हुए यह आनंद हासिल कर पा रहे हैं। आप उन्हें देखिए। उनका खेल देखिए। वे एक-दूसरे का हाथ थामे खेलते हैं। कई ऐसे खेल हैं बच्चों के जो वे एक-दूसरे का हाथ थामकर खेलते हैं। उनमें सहज विश्वास होता है कि वे एक-दूसरे का हाथ थामे पकड़े रहेंगे। कभी छोड़ेंगे नहीं। क्या हम एक-दूसरे का सहज ही हाथ थामे हैं

वे खेलते हैं तो सिर्फ खेलते हैं। आगे और पीछे का सब भुलाकर। वे सिर्फ उसी क्षण में होते हैं। वर्तमान के क्षण में। वही उनका हैए उसी में वे होते हैं। पूरी तरह। सब कुछ भुलाकर। वे न पीछे का सोचते हैं और न ही आगे का। वे सिर्फ अभी और अभी के घर में रहते हैं। वे अभी को जीते हैं। वे वर्तमान में रहते हैं। हम हैं कि या तो अतीत में जीते-मरते हैं या फिर भविष्य में जीते-मरते हैं।

क्या हम वर्तमान में जीते हैं।

बच्चों को खेलते देखिए। वे उछलते हैं, कूदते हैं, गिरते हैं, पड़ते हैं, अपनी धूल पोंछकर उठ खड़े होते हैं। कोई रगड़, कोई खरोंच उनके उत्साह और उमंग की लहर को उठने से नहीं रोकती। हम अपने एक ही जख्म को जिंदगीभर पाले रहते उदास बने रहते हैं। हम सचमुच बच्चों का खेल देखना भूल गए हैं। इस बाल दिवस पर क्या हमें बच्चों का खेल फिर से देखना शुरू नहीं करना चाहिए। वे हमें जिंदगी का असल खेल खेलना सिखाते हैं।

पिशाच और तीन दोस्त

कहानी

एक बार बलदेव, वासुदेव और सात्यिक किसी घने जंगल में भटक गए। उन तीनों मित्रों को भटकते-भटकते शाम हो गई। अंधेरा बढ़ता जा रहा था। अब रास्ता तो दिखता नहीं, सो तीनों ने रात एक बड़े से वृक्ष के नीचे बिताने का निश्चय किया। साथ ही यह भी तय हुआ कि तीनों में से दो सोएंगे और एक पहरा देगा। वन के खतरों से बचने के लिए यह उपाय किया गया था। सबसे पहले जागने की बारी सात्यकि की थी। वह पहरा देने के लिए बैठ गया। रात का पहला पहर शुरू हो चुका था। बलदेव और वासुदेव गहरी नींद सो चुके थे। तभी उस सघन वृक्ष से एक पिशाच प्रकट हुआ। उसने सात्यिक से कहा - मुझे बहुत जोर से भूख लगी है। मैं तुम्हें छोड़कर इन दोनों को खाकर अपनी भूख मिटाना चाहता हूं।

'तुझे अपने प्राण बचाने हैं, तो तुरंत यहां से भाग जा वरना मारते-मारते तेरा भुर्ता बना दूंगा', पिशाच की बात सुनकर गुस्से में उबलते हुए सात्यिक ने कहा।

पिशाच ने बड़े सामान्य लहजे में कहा - तू नहीं जानता कि क्या कह रहा है। चल लड़ना है न, तो आ जा। इतना कहते ही पिशाच सात्यिक से भिड़ गया। सात्यिक को पिशाच की इस चुनौती पर बेहद क्रोध आ रहा था। वह गुस्से से लाल-पीला होते हुए उस पर हमला कर रहा था पर पिशाच का पलड़ा भारी था। सत्यकि को उसने उठा-उठाकर खूब पटका और मारा जैसे ही रात का पहला पहर खत्म होने का हुआ, पिशाच खुद ब खुद गायब हो गया। मार के कारण कमज़ोरी में सात्यिक बेहोशी में सो गया। अब जैसा कि निश्चय किया गया था, उठने की बारी बलदेव की थी। वह उठा, तो सात्यिक को सोता देखकर हैरान हुआ और उसकी बदहाली पर आश्चर्यचकित भी। फिर उसने सोचा कि उसके उठने पर पूरा माजरा जानेगा। जैसे ही रात्रि का दूसरा पहर शुरू हुआ, पिशाच फिर प्रकट हो गया। उसने बलदेव से भी वही कहा, जो सात्यिक से कहा था। बलदेव ने पिशाच को कसकर डांट पिलाई - अपनी खैरियत चाहता है, तो भाग जा। मारते-मारते तेरा कचूमर बना दूंगा।' सुनकर पिशाच ने हंसते हुए कहा - अभी तेरे एक मित्र को सबक सिखाया था। वो भी तेरी तरह ही अकड़ रहा था। देख उसकी क्या हालत बनाई है। लगता है, तू भी उसकी तरह पिटे बिना नहीं मानेगा। अब बलदेव की समझ में आया कि सात्यिक की ऐसी हालत कैसे हुई। सारी बात समझ में आते ही उसका गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। वह पिशाच को ललकारते हुए उससे भिड़ गया। जैसे-जैसे उसका क्रोध बढ़ता गया, पिशाच का आकार भी बढ़ता गया। वह उसको उठा-उठाकर पटकने लगा। दूसरा पहर खत्म होने तक लड़ाई खत्म नहीं हुई और पिशाच गायब हो गया। जमकर हुई लड़ाई के कारण घायल और थके हुए बलदेव ने अब वासुदेव को जगाया। वासुदेव बलदेव की यह हालत देखकर पूछने लगा - 'क्या हुआ तुम्हें? किसने घायल किया? बलदेव कुछ बोल पाने की स्थिति में नहीं था। वह लेटा और आधी मूर्छा और आधी नींद में चला गया। वासुदेव को ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं पड़ी। तीसरे पहर के आरंभ में पिशाच फिर प्रकट हुआ और उसने वही बात दोहराकर सब साफ कर दिया। जैसे ही उसने वासुदेव के मित्रों को खाने की बात कही, वह हंस पड़ा। बोला- भाई तुम भी खूब हो। ठीक वक्त पर आए हो। एक तो मेरी नींद पूरी हो चुकी है, सो व्यायाम करने का मन था और दूसरे तुम्हारे साथ कुश्ती लड़ने में वक्त भी अच्छा कट जाएगा, आलस्य भी नहीं रहेगा। चलो शुरूकरें फिर।

इतना सुनना था कि पिशाच के क्रोध में पागल हो गया। वह दांत पीसता वासुदेव की ओर बढ़ा, तो वासुदेव ने हंसकर कहा - वाह, तुम तो वार करने में निपुण मालूम होते हो, पर तुम्हारा कद क्यों घट रहा है? पिशाच को भी गुस्सा आ रहा था कि उसका कद घट रहा है। वह गुस्से में हमला करता, वासुदेव गुलाटी खाकर खुद को बचा जाता और मुस्कुरा देता। धीरे-धीरे पिशाच का कद बेहद कम हो गया। अब वह कीड़े जितना छोटा हो चुका था। वासुदेव ने उसे उठाकर अपने रूमाल के किनारे पर बांध लिया। सुबह दोनों मित्र उठे और उन्होंने वासुदेव को अपने रात के अनुभव के बारे में बताया। वासुदेव ने अपने रूमाल के सिरे को खोलकर उन्हें दिखाते हुए पूछा - 'क्या यही है वो पिशाच?' वो दोनों आश्चर्यचकित हो गए। 'तुमने कैसे किया यह?' वासुदेव ने कहा - 'यह संकट है। इसका सामना जितना हंसकर और सहज रहकर करोगे, यह उतना ही छोटा होता जाएगा और तुम आसानी से उस पर काबू पा लोगे। क्रोध हमारा शत्रु है। क्रोध करोगे तो संकट बढ़ता जाएगा। तुम्हारी शक्ति क्षीण होती जाएगी। अब समझे, कि यह कैसे इतना छोटा हो गया? दोनों मित्रों ने मुस्कुराकर सिर हिलाया।

सीख गुरुनानक देव की

एक डाकू गुरु नानकदेवजी के पास आया और चरणों में माथा टेकते हुए बोला- मैं डाकू हूँ, अपने जीवन से तंग हूँ। मैं सुधरना चाहता हूँ, मेरा मार्गदर्शन कीजिए, मुझे अंधकार से उजाले की ओर ले चलिए। नानकदेवजी ने कहा- तुम आज से चोरी करना और झूठ बोलना छोड़ दो, सब ठीक हो जाएगा। डाकू प्रणाम करके चला गया। कुछ दिनों बाद वह फिर आया और कहने लगा- मैंने झूठ बोलने और चोरी से मुक्त होने का भरसक प्रयत्न किया, किंतु मुझसे ऐसा न हो सका। मैं चाहकर बदल नहीं सका। आप मुझे उपाय अवश्य बताइए। गुरु नानक सोचने लगे कि इस डाकू को सुधरने का क्या उपाय बताया जाए। उन्होंने अंत में कहा- जो तुम्हारे मन में जो आए करो, लेकिन दिन भर झूठ बोलने, चोरी करने और डाका डालने के बाद शाम को लोगों के सामने किए हुए कामों का बखान कर दो। डाकू को यह उपाय सरल जान पड़ा। इस बार डाकू पलटकर नानकदेवजी के पास नहीं आया क्योंकि जब वह दिनभर चोरी आदि करता और शाम को जिसके घर से चोरी की है उसकी चौखट पर यह सोचकर पहुँचता कि नानकदेवजी ने जो कहा था कि तुम अपने दिन भर के कर्म का बखान करके आना लेकिन वह अपने बुरे कामों के बारे में बताते में बहुत संकोच करता और आत्मग्लानि से पानी-पानी हो जाता। वह बहुत हिम्मत करता कि मैं सारे काम बता दूँ लेकिन वह नहीं बता पाता। हताश-निराश मुँह लटकाए वह डाकू एक दिन अचानक नानकदेवजी के सामने आया। अब तक न आने का कारण बताते हुए उसने कहा-'मैंने तो उस उपाय को बहुत सरल समझा था, लेकिन वह तो बहुत कठिन निकला। लोगों के सामने अपनी बुराइयाँ कहने में लज्जा आती है, अतः मैंने बुरे काम करना ही छोड़ दिया। इस तरह नानकदेव जी ने उसे अपराधी से अच्छा इंसान बना दिया।

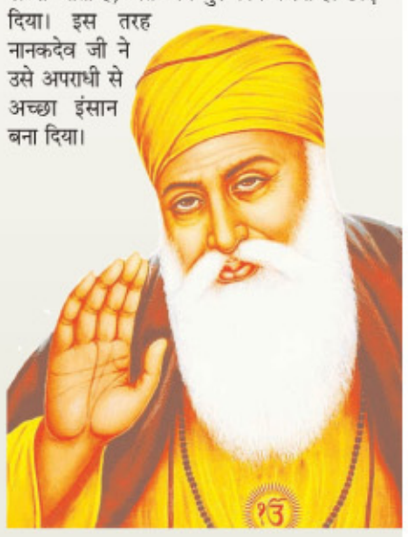

नेकी का फल

कहानी

एक पेड़ पर एक बंदरिया रहती थी। वह बड़ी नेक और उदार थी। पेड़ के पास एक कुटिया थी। वहीं एक बुढ़िया रहती थी। वह बुढ़िया बहुत गरीब थी। एक दिन उसके पास चूल्हे के लिए लकड़ी नहीं थी, तो वह कागज जलाकर रोटियां बनाने लगी। कागज बार-बार बुझ जाते और बुढ़िया की रोटी कच्ची ही रह जाती। पेड़ पर बैठी बंदरिया यह देख रही थी। वह भागकर टाल पर गई और कुछ लकड़ियां उठा लाई। उसने लकड़ियां बुढ़िया को दे दीं। जब बुढ़िया की रोटियां खूब फूलने लगीं, तो बंदरिया रोटियों के चारों तरफ नाचने लगी। बूढ़ी ने पूछा- 'ए बंदरिया, तू मेरी रोटी पर क्यों नाच रही है? बंदरिया बोली - 'ए दैया, मैं टाल पे गई, टाल पे से लकड़ी लाई, लकड़ी मैंने तुझको दी, तूने उसकी रोटी बनाई, अब तू मुझे रोटी नहीं देगी?' बूढ़ी ने बंदरिया को हंसकर दो रोटी दे दी। रोटी लेकर बंदरिया आगे चल पड़ी। आगे उसे एक कुम्हार मिला। उसका बच्चा रोटी के लिए रो रहा था, क्योंकि कुम्हार का एक भी मटका नहीं बिका था, तो रोटी कहां से आतीं? बंदरिया ने कुम्हार से बच्चे के रोने का कारण पूछा और उसे दो रोटियां दे दीं। अब बंदरिया कुम्हार के मटके पर नाचने लगी। कुम्हार ने पूछा, 'ऐ बंदरिया, तू मेरे मटके पर क्यों नाच रही है? बंदरिया बोली, 'ए दैया, मैं टाल पे गई, टाल पे से लकड़ी लाई, लकड़ी मैंने बूढ़ी को दी, बूढ़ी ने उसकी रोटी बनाई, रोटी मैंने तुझे दी, अब तू मुझे एक मटका नहीं देगा?'

कुम्हार ने हंसकर बंदरिया को एक मटका दे दिया। मटका लेकर वह आगे चल पड़ी। आगे एक दूधवाला सिर पर हाथ टिकाए बैठा था। उसकी भैंसें पास खड़ी थीं। बंदरिया ने उसकी उदासी का कारण पूछा, तो वह बोला, 'क्या बताऊं, मैं भैंसों को तो ले आया हूं मगर दूध निकालने का बर्तन तो घर पर ही भूल आया हूं। अब कैसे दूध निकालूं और कैसे बेचूं?

बंदरिया बोली, बस इतनी सी बात? लो मेरा मटका ले लो।

दूधवाले ने खुशी से मटका ले लिया। वह अभी दूध निकाल ही रहा था कि बंदरिया उसकी भैंस पर नाचने लगी। दूधवाला बोला, 'ए बंदरिया, तू मेरी भैंस पर क्यों नाच रही है रे?'

बंदरिया बोली, 'ए दैया, मैं टाल पे गई, टाल पे से लकड़ी लाई, लकड़ी मैंने बूढ़ी को दी, बूढ़ी ने उसकी रोटी बनाई, रोटी मैंने कुम्हार को दी, कुम्हार ने मुझको मटका दिया, मटका मैंने तुझको दिया, तू मुझे अपनी भैंस न देगा। दूध वाला सोच में पड़ गया। बंदरिया बोली, 'नहीं तो मेरा मटका वापस कर। दूधवाले ने उसे एक भैंस की रस्सी थमा दी। बंदरिया भैंस पर बैठकर आगे चल पड़ी। आगे उसे एक ब्राह्मण का परिवार मिला। उसके बहुत बच्चे थे और वे दूध के लिए रो रहे थे। बंदरिया ने उसे अपनी भैंस दे दी। दूध पीकर बच्चे चुप हो गए। अब बंदरिया बच्चों के चारों ओर नाचने लगी। ब्राह्मण बोला, 'ए बंदरिया, मेरे बच्चों पे क्यों नाच रही है?' बंदरिया बोली, 'ए दैया, मैं टाल पे गई, टाल पे से लकड़ी लाई, लकड़ी मैंने बूढ़ी को दी, बूढ़ी ने उसकी रोटी बनाई, रोटी मैंने कुम्हार को दी, कुम्हार ने मुझको मटका दिया, मटका मैंने दूधवाले को दिया, उसने मुझे अपनी भैंस दी, भैंस मैंने तुझको दी, अब तू मुझे अपना बच्चा दे दे। ब्राह्मण वैसे ही अपनी गरीबी से परेशान था, उसने अपने सबसे छोटे बच्चे को उसे देदिया। बच्चे को कंधे पर लिए बंदरिया चलते-चलते राजा के बगीचे में पहुंची। वहां राजा-रानी चिंता में डूबे हुए बैठे थे। बंदरिया ने उनसे चिंता का कारण पूछा, तो वे बोले, 'हमारी कोई संतान नहीं है। इसलिए हम दुखी हैं।' अरे, इसमें दुखी होने वाली क्या बात है? मेरे पास एक बच्चा है। तुम इसे रख लो। रानी ने बच्चा ले लिया। अब बंदरिया एक आम के पेड़ के चारों ओर नाचने लगी। राजा ने पूछा, 'ए बंदरिया, तू मेरे पेड़ पे क्यों नाच रही है रे?' बंदरिया बोली, 'ए दैया, मैं टाल पे गई, टाल पे से लकड़ी लाई, लकड़ी मैंने बूढ़ी को दी, बूढ़ी ने उसकी रोटी बनाई, रोटी मैंने कुम्हार को दी, कुम्हार ने मुझको मटका दिया, मटका मैंने दूधवाले को दिया, उसने मुझे अपनी भैंस दी, भैंस मैंने ब्राह्मण को दी, उसने मुझे अपना बच्चा दिया, बच्चा मैंने तुझको दिया, अब ये पेड़ मेरा होगा, बोल? राजा ने हंसकर कहा, 'तुम एक नेक और अच्छी बंदरिया हो। आज से ये सारा बगीचा तुम्हारा है। खूब खाओ-पिओ और मौज करो। और बंदरिया राजा के बगीचे में ठाठ से रहने लगी।

जाने 'बार्बी' को

क्या आप जानते हैं कि आपकी प्यारी बार्बी डॉल का नाम इसके आविष्कारक की बेटी 'बारबरा' के नाम से आया है।

- सबसे पहली बार्बी डॉल जापान में बनी थी।
- हर सेकेंड में दुनिया के किसी न किसी कोने में एक बार्बी डॉल बिकती है।
- बार्बी डॉल 40 से अधिक नेशनेल्टी में उपलब्ध हैं।
- बार्बी 80 से ज्यादा स्थों में उपलब्ध हैं।
- पहली बार्बी एक टीनएज फैशन मॉडल थी।
- बार्बी डॉल की लंबाई 115 इंच है।

न्यूजीलैंड की महिला टीम ने श्रीलंका को 98 रनों हराया

एजेंसी

नेल्सन। जॉर्जिया प्लिमर (112) की शतकीय और कप्तान सूजी बेट्स (53) की अर्धशतकीय पारियों के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर न्यूजीलैंड की महिला टीम ने दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में श्रीलंका को 98 रनों से हरा दिया। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली हैं। 281 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 57 के स्कोर तक अपने चार विकेट गवां दिये थे। विशमी गुणरत्ने (छह), कप्तान चामरी अट्टापटू (पांच), को हर्षिता समरविक्रमा (आठ) को जेस केर ने आउट किया और इमेशा दुलानी (11) रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद कविशा दिलहारी और नीलाक्षिका सिल्वा ने पारी संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 46 रनों की साझेदारी हुई। 30वें ओवर में ब्रुक हैलीडे ने कविशा दिलहारी (45) को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। अनुष्का संजीवन (23) रन बनाकर आउट हुई। 44वें ओवर में ईडन कार्सन ने एक छोर थामे खड़ी नीलाक्षिका सिल्वा (45) को आउट कर न्यूजीलैंड की जीत पक्की कर दी।

एसबीआई ग्रीन मैराथन दिल्ली में सफलतापूर्वक हुई संपन्न

नयी दिल्ली। एसबीआई ग्रीन मैराथन का पांचवां सत्र मिर्ची के सहयोग से राजधानी दिल्ली में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आज यहां सेंट्रल सेक्रेटेरिएट स्पोर्ट्स ग्राउंड में आयोजित हुई समापन दौड़ को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के अधिकारियों ने हरी झंड़ी दिखाई। मैराथन पांच किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 21 किलोमीटर की दौड़ श्रेणियां में हुई। इस दौड़ में कुल छह हजार धावकों ने विभिन्न श्रेणियों में भाग लिया। अमन सिंह, तुष्मा सेठी, दीपक छिल्लर, किरण छिल्लर और श्वेतांश धर जैसे अनुभवी धावक ने प्रतिभागियों को फिनिश लाइन पार करने के लिए प्रेरित किया।

इस मैराथन का उद्देश्य सतत विकास (सस्टेनेबिलिटी) और हरित भविष्य के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना था जिसमें पूरे शहर ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। देश के 11 शहरों में आयोजन करने के बाद आज राजधानी दिल्ली में यह मैराथन सफलतापूर्वक संपन्न हुई। मैराथन में भारतीय नौसेना और भारतीय सेना के जवानों की भागीदारी। इस दौरान सभी धावकों को जैविक टी-शर्ट (ऑर्गेनिक टी-शर्ट) दिए गए, प्लांटेबल बिब्स प्रदान किए गए और कार्यक्रम में उपयोग की गई सभी सामग्रियों को अधिकतम पुनर्नवीनीकरण (रिसाइक्लेबल) क्षमता के साथ तैयार किया गया।

इसके लिए काफी तैयारी की जरूरत थी : नई भूमिका में सफलता के बाद बोले केएल राहुल

दुबई । लोकेश राहुल सफलतापूर्वक छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने के बाद खुश हैं और उन्होंने इसे अपनी अथक 'तैयारी' और अपने खेल में लगातार सुधार का नतीजा बताया। आमतौर पर पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले राहुल को चैंपियन्स ट्रॉफी में एक स्थान नीचे खिसका दिया गया और उन्होंने यहां चार पारियों में 140 रन बनाए। चैंपियन्स ट्रॉफी में भारत की खिताबी जीत के बाद राहुल ने कहा, 'यह मेरे लिए वाकई सुखद है। मैं अलग-अलग भूमिकाओं में जो काम कर रहा हूं उसके लिए काफी तैयारी की जरूरत होती है। क्रिकेट के मैदान से बाहर काम, यह सोचना कि मुझे प्रत्येक मैच को कैसे लेना है और विभिन्न परिस्थितियों में कैसे प्रदर्शन करना है, पांचवें और छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले कुछ खिलाड़ियों को देखना और देखना कि वे कैसे सफल रहे हैं।राहुल ने कहा कि वह टीम के लिए यह नई जिम्मेदारी लेकर खुश हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे मेरे कोच ने बहुत कम उम्र से सिखाया है कि क्रिकेट एक टीम खेल है और टीम को आपसे जो भी चाहिए आपको उसे स्वीकार करने और टीम के लिए प्रदर्शन करने का तरीका खोजने की जरूरत है। आपको यह समझने में सक्षम होना चाहिए कि आपकी भूमिका क्या है, जिम्मेदारी क्या है, यह समझें कि विभिन्न क्रम पर सफल बल्लेबाजी करने के लिए क्या करना पड़ता है।

वेटेरन क्रिकेट कप प्रतियोगिता पर एवर शाइन क्रिकेट क्लब सतवारी ने किया कब्जा

आरएस पुरा। आरएस पुरा के सतोबाली मैदान में खेली जा रही वेटेरन क्रिकेट कप प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला एवर शाइन क्रिकेट क्लब सतवारी तथा आजाद क्रिकेट क्लब आरएस पुरा के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एवर शाइन क्रिकेट क्लब सतवारी की टीम ने निर्धारित बीस ओवर में 9 विकेट खोकर 138 रन बनाए। शाइन क्रिकेट क्लब सतवारी की टीम के बल्लेबाज चमकौर सिंह ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 43 गेंद में 64 रन बनाए। जबकि मनजीत सिंह ने 10 रन, बल्लेबाज विक्की डोगरा ने 19 तथा अनिल गुप्ता ने 13 रनों का योगदान दिया। वहीं आजाद क्रिकेट क्लब की टीम 112 रन ही बना सकी। आजाद क्रिकेट क्लब की तरफ से सबसे अधिक रन अमन सिंह ने बनाए। उन्होंने 33 गेंद खेल कर 24 रनों का योगदान दिया जबकि अश्वनी शर्मा ने 13, राजीव दत्त ने 14 रनों की पारी खेली। इस अवसर पर थाना प्रभारी आरएस पुरा रवि सिंह परिहार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जिन्होंने खिलाड़ियों से मुलाकात करने के बाद विजेता तथा उप विजेता टीम के खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

भारत ने 12 साल बाद फिर जीती चैंपियंस ट्रॉफी, न्यूजीलैंड को फाइनल में 4 विकेट से हराया

एजेंसी

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम ने एक बार फिर इतिहास रचते हुए चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया है। फाइनल मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया, जिससे उसने 12 साल बाद यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी अपने नाम की। कप्तान रोहित शर्मा की बेहतरीन पारी और भारतीय गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत टीम इंडिया ने तीसरी बार यह ट्रॉफी जीती।

भारतीय गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन

दुबई में खेले गए इस फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की, लेकिन भारतीय गेंदबाजों की कसी हुई गेंदबाजी के कारण कीवी टीम 50 ओवरों में 7 विकेट खोकर 251 रन ही बना सकी। सलामी बल्लेबाज रचिन रवींद्र (37) और विल यंग (15) ने टीम को अच्छी शुरुआत दी, लेकिन 57 रनों की साझेदारी के बाद वरुण चक्रवर्ती ने यंग को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। कुलदीप यादव ने 11वें ओवर में रचिन रवींद्र (37) को बोल्ड किया, फिर 13वें ओवर में कप्तान केन विलियमसन (11) को भी पवेलियन भेज दिया। इसके बाद डेरेल मिचेल (63) और माइकल ब्रेसवेल (53 नाबाद) ने टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने लगातार विकेट चटकाए। भारत के लिए कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती ने 2-2 विकेट लिए, जबकि मोहम्मद शमी और रवींद्र जडेजा ने 1-1 विकेट चटकाए। 252 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को रोहित शर्मा (76) और शुभमन गिल (31) ने मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच 105 रनों की साझेदारी हुई। हालांकि, शुभमन गिल 19वें ओवर में आउट हुए, जिसके बाद अगले ही ओवर में विराट कोहली (1) भी पवेलियन लौट गए। कप्तान रोहित शर्मा ने 83 गेंदों में 76 रन बनाए, जिसमें 7 चौके और 3 छक्के शामिल थे। हालांकि, वह शतक की ओर बढ़ रहे थे लेकिन स्टंप आउट हो गए। इसके बाद श्रेयस अय्यर (48) और अक्षर पटेल (29) ने 61 रनों की साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

विज ने चटर्जी फुटबॉल ट्रॉफी के विजेताओं को किया सम्मानित

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने एसडी चटर्जी फुटबाल ट्राफी के दौरान पुराने फुटबाल खिलाड़ियों को सम्मानित किया तथा पुराने खिलाड़ियों की तस्वीरें लगाकर उन्हें याद किया ।

श्री विज ने आज शाम अम्बाला छावनी के वार हीरोज मेमोरियल स्टेडियम के फीफा एप्रूव्ड फुटबॉल ग्राउंड में एसडी चटर्जी ट्रॉफी के फाइनल मैच के उपरांत लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें यह अच्छा लगा कि प्रतियोगिता आयोजक फुटबाल लवर्स वेलफेयर सोसाइटी ने दादा एसडी चटर्जी के नाम से प्रतियोगिता का आयोजन किया। वो कौमे फना हो जाया करती है जो अपने पूर्वजों को याद नहीं करती। उन्हें अच्छा लगा कि आज चटर्जी के परिवार सदस्य भी कई सालों बाद यहां आए है और यह चटर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि है जो उन्होंने इस शहर के लिए किया और कई खिलाड़ी तैयार किए। उन्हें यह अच्छा लगा कि फुटबॉल संस्था का नाम 'फुटबाल लवर्स वेलफेयर सोसाइटी' रखा। खेलने वाले तो तैयार हो सकते है, मगर आवश्यकता लवर्स की है। उन्होंने कहा कि मैनें इस मैदान में फुटबाल मैच देखे हैं, मैदान चारों ओर से भरा हुआ होता था और दर्शकों में ऐसा जोश होता था। मानों वह ही फुटबाल खेल रहे हों। मैनें दादा एसडी चटर्जी को देखा है जोकि जोश के साथ फुटबाल खिलाड़ियों को खेल के बारे में बताते थे। समय था जब अम्बाला छावनी फुटबाल का गढ़ था। इस स्टेडियम में मैच होते थे जिन्हें देखने सैकड़ों लोग आते थे। गांधी ग्राउंड में तो टिकट लगाकर मैच होते थे और खूब भीड़ होती थी।

स्विएटेक ने यास्त्रेम्स्का को हराकर इंडियन वेल्स के चौथे दौर में बनाई जगह

एजेंसी

नई दिल्ली। गत चैंपियन इगा स्विएटेक ने डयाना यास्त्रेम्स्का को 6-0, 6-2 से हराकर इंडियन वेल्स के चौथे दौर में प्रवेश किया। यह उनकी लगातार दूसरी प्रभावशाली जीत थी, इससे पहले उन्होंने अपने पहले मुकाबले में कैरोलिन गार्सिया को 6-2, 6-0 से हराया था।

दूसरी वरीयता प्राप्त स्विएटेक इस टूर्नामेंट को तीसरी बार जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनने की कोशिश में हैं। पोलैंड की इस स्टार खिलाड़ी ने मैच में जबरदस्त प्रदर्शन किया और सिर्फ 65 मिनट में यूक्रेनी प्रतिद्वंद्वी को मात दी। उन्होंने लगातार 10 गेम जीतकर मुकाबले को पूरी तरह एकतरफा बना दिया। मैच के बाद उन्होंने कहा, अंत में मैं थोड़ा थक गई थी, ऐसे मैच को खत्म करना हमेशा मुश्किल होता है, लेकिन मैं खुश हूं कि मैंने आखिरी गेम में भी अपनी तीव्रता बनाए रखी,मैं शुरुआत से ही मैच पर नियंत्रण बनाए हुए थी, इसलिए इस प्रदर्शन से संतुष्ट हूं।

पांच बार की ग्रैंड स्लैम विजेता स्विएटेक ने 2024 में रोलां गैरोस जीतने के बाद से अब तक कोई खिताब नहीं जीता है। यह 2020 में अपना पहला बड़ा खिताब जीतने के बाद उनकी सबसे लंबी ट्रॉफी सूखी रही है। चौथे दौर में स्विएटेक का सामना 15वीं वरीयता प्राप्त कैरोलीना मुचोवा या कतेरीना सिनीआकोवा से होगा।

टॉमी पॉल ने मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में 50वीं जीत दर्ज की

लोकप्रिय अमेरिकी खिलाड़ी टॉमी पॉल ने ब्रिटेन के कैमरन नॉरी को 6-3, 7-5 से हराकर मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में अपनी 50वीं जीत हासिल की।

हैरी ब्रुक ने आईपीएल 2025 से नाम वापस लिया, इंग्लैंड के लिए तैयारी को बताया प्राथमिकता

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के मिडिल-ऑर्डर बल्लेबाज हैरी ब्रुक ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 से अपना नाम वापस ले लिया है। उन्होंने अपने इस फैसले की वजह इंग्लैंड क्रिकेट टीम के साथ अपनी आगामी प्रतिबद्धताओं और तैयारी को बताया है।

ब्रुक को नवंबर में हुई मेगा नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने 6.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, यह लगातार दूसरा वर्ष है जब उन्होंने आईपीएल से नाम वापस लिया है, जिससे उन पर टूर्नामेंट में दो साल का प्रतिबंध लगने का खतरा बन गया है। आईपीएल द्वारा लागू किए गए नए नियम के अनुसार, यदि कोई खिलाड़ी नीलामी में अपना नाम दर्ज कराता है और चयनित होने के बाद टूर्नामेंट शुरू होने से पहले खुद को अनुपलब्ध घोषित करता है, तो उसे आगामी दो सत्रों के लिए आईपीएल और नीलामी में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। हालांकि, यह नियम केवल उन खिलाड़ियों पर लागू नहीं होगा जो चोट या अन्य चिकित्सा कारणों से बाहर होते हैं। ब्रुक ने सोशल मीडिया पर अपने बयान में कहा, यह इंग्लैंड क्रिकेट के लिए एक बहुत महत्वपूर्ण समय है और मैं आगामी सीरीज की तैयारियों पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं। इसके लिए मुझे खुद को रीचार्ज करने की जरूरत है, क्योंकि यह मेरे करियर का अब तक का सबसे व्यस्त समय रहा है। उन्होंने आगे लिखा, मुझे पता है कि हर कोई इस फैसले को नहीं समझेगा, और मैं उनसे इसकी उम्मीद भी नहीं करता। लेकिन मुझे वही करना है जो मुझे सही लगता है, और मेरे लिए अपने देश के लिए खेलना ही प्राथमिकता और फोकस है। गौरतलब है कि पिछले सीजन में ब्रुक ने पारिवारिक शोक के कारण दिल्ली कैपिटल्स से नाम वापस ले लिया था। अब तक उन्होंने सिर्फ एक आईपीएल सीजन (2023) में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेला है।

चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद कोहली ने कहा, हम ऑस्ट्रेलिया के कठिन दौरे के बाद वापसी करना चाहते थे

एजेंसी

दुबई। भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब अपने नाम किया। इस ऐतिहासिक जीत के बाद स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने टीम के प्रदर्शन पर खुशी जताई और इस खिताबी सफर को 'संपूर्ण टीम प्रयास' करार दिया।

मैच के बाद विराट कोहली ने कहा, हम ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद वापसी करना चाहते थे और एक बड़ा टूर्नामेंट जीतना हमारी प्राथमिकता थी। यह एक अविश्वसनीय अहसास है। हमारी टीम में कई प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी हैं जो भारतीय क्रिकेट को सही दिशा में आगे ले जा रहे हैं। उनके साथ खेलना और अपने अनुभव को साझा करना शानदार अनुभव है। कोहली ने इस जीत को टीम के सामूहिक प्रयास का नतीजा बताया। उन्होंने कहा, टूर्नामेंट के हर मैच में किसी न किसी खिलाड़ी ने आगे बढ़कर अहम भूमिका निभाई। खिताब जीतने के लिए यह जरूरी होता है कि पूरी टीम मिलकर प्रदर्शन करे, और हमने यही किया। इस पूरी प्रतियोगिता में सभी ने किसी न किसी मोड़ पर योगदान दिया, और यही हमारी जीत की असली वजह है।

अनुभवी बल्लेबाज ने कहा कि वह युवा खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करने और उन्हें तैयार करने की कोशिश करते हैं। हमारा प्रयास यही है कि जब हम खेल छोड़ें, तो भारतीय टीम पहले से ज्यादा मजबूत हो। शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल और हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं और भारतीय क्रिकेट सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।

न्यूजीलैंड को दिया सम्मान

विराट कोहली ने न्यूजीलैंड टीम की भी तारीफ की और कहा, वे अपनी सीमित संसाधनों के बावजूद हर टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं। उनकी रणनीति और फील्डिंग विश्व स्तरीय है। केन विलियमसन मेरे अच्छे दोस्त हैं। हालांकि इस बार वह हारने वाली टीम में थे, लेकिन मैं भी कई बार उनकी टीम के खिलाफ हार चुका हूं। हमारे बीच सिर्फ सम्मान और आपसी प्यार है।

भारत की इस ऐतिहासिक जीत के साथ विराट कोहली ने एक बार फिर साबित कर दिया कि अनुभव और युवा जोश का मेल किसी भी टीम को चैंपियन बना सकता है।

लखनऊ में 26 से शुरु होगी राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबॉल चैंपियनशिप

एजेंसी

लखनऊ। पिछली विजेता हरियाणा, उपविजेता आर्यावर्त स्पोर्ट्स अकादमी (हिमाचल प्रदेश) और मेजबान उत्तर प्रदेश सहित कुल 30 टीमें नवाबों के शहर लखनऊ में होने वाली 47वीं राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबॉल चैंपियनशिप में खिताब के लिए चुनौती पेश करने उतरेंगी। उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन के 50वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में, हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के तत्वावधान में इस चैंपियनशिप के सभी मैच 26 से 30 मार्च तक केडी सिंह बाबू स्टेडियम में खेले जाएंगे। इस चैंपियनशिप के दौरान हैंडबॉल के दिग्गज अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों का सम्मान भी किया जाएगा। उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन के महासचिव डॉ. आनन्देश्वर पाण्डेय ने बताया कि लीग-कम-नॉकआउट आधार पर होने वाली इस चैंपियनशिप की तैयारियां जोरों से चल रही हैं। चैंपियनशिप के लिए केडी सिंह बाबू स्टेडियम में चार कोर्ट तैयार किए जाएंगे। मुख्य कोर्ट स्टेडियम स्थित भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी बहुउद्देश्यीय हॉल में बनाया जाएगा, जबकि तीन आउटडोर कोर्ट स्टेडियम के मैदान पर तैयार किए जाएंगे।

चैंपियनशिप में भाग लेने वाली 30 टीमों को आठ पूल में विभाजित किया जाएगा, जिनमें से प्रत्येक पूल की शीर्ष दो टीमें नॉकआउट के लिए क्वालीफाई करेंगी। इसके पश्चात प्री क्वार्टर फाइनल, क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबलों का आयोजन होगा। इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप में 30 राज्यों की टीमों से कुल 550 खिलाड़ी एवं अधिकारी भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले संस्करण में हरियाणा ने खिताब जीता था, जबकि हिमाचल प्रदेश की आर्यावर्त स्पोर्ट्स अकादमी उपविजेता रही थी।

रोहित शर्मा ने संन्यास की अटकलों को किया खारिज, कहा - मैं संन्यास नहीं लेने वाला

एजेंसी

दुबई। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत द्वारा न्यूजीलैंड को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल जीतने के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने अपने करियर को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगा दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, मैं संन्यास नहीं लेने वाला। रोहित ने इस विषय पर खुद पहल करते हुए कहा, एक और बात। मैं इस प्रारूप से संन्यास नहीं लेने वाला, ताकि आगे कोई अफवाह न फैले। भारत को चार दृष्टष्ट ट्रॉफी फाइनल में पहुंचाने और दो खिताब जिताने वाले इस दिग्गज बल्लेबाज ने यह घोषणा आत्मविश्वास के साथ की। यह बयान उन्होंने किसी सवाल के जवाब में नहीं, बल्कि एक स्पष्ट घोषणा के रूप में दिया। फाइनल के बाद पारंपरिक मीडिया कॉन्फ्रेंस के बाद, उन्होंने खुद इस विषय पर अपनी स्थिति स्पष्ट की और यह सुनिश्चित किया कि उनके भविष्य को लेकर कोई गलतफहमी न हो। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक सवाल के जवाब में उन्होंने हिंदी में कहा, फ्यूचर प्लान? कोई फ्यूचर प्लान नहीं है। जो चल रहा है, वही चलता रहेगा। उनके इस बयान से यह स्पष्ट संकेत मिला कि उनमें अभी भी क्रिकेट के लिए जबरदस्त जोश और भूख बनी हुई है। चैंपियंस ट्रॉफी में रोहित शर्मा का प्रदर्शन शानदार रहा, जहां उन्होंने 180 रन बनाए और इसी दौरान अपने 11,000 अंतरराष्ट्रीय वनडे रन भी पूरे किए। 273 वनडे मैचों में उन्होंने 48.76 की औसत से 11,168 रन बनाए हैं, जिसमें 32 शतक शामिल हैं, जिनमें से तीन दोहरे शतक हैं। इस टूर्नामेंट के दौरान रोहित के संन्यास को लेकर लगातार चर्चाएं हो रही थीं, खासकर क्योंकि उन्होंने पिछले साल जून में बारबाडोस में टी20 विश्व कप जीतने के बाद टी20 प्रारूप से संन्यास लेने की घोषणा कर दी थी। रोहित के अलावा विराट कोहली को लेकर भी ऐसी अटकलें थीं कि वे भी संन्यास की घोषणा कर सकते हैं। हालांकि, कोहली ने इस टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन किया और पांच मैचों में 218 रन बनाए, जिसमें एक शतक भी शामिल है। रोहित की तरह, कोहली ने भी बारबाडोस में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था।

चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में युजी चहल के साथ दिखी मिस्ट्री गर्ल, कहीं ये 'वो' तो नहीं

दुबई । दुबई के मैदान पर जब चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के लिए भारत और न्यूजीलैंड की टीमें आमने-सामने थीं तो दर्शक दीर्घा में बैठे युजी चहल भी चर्चा में रहे। चहल जोकि टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं, यह फाइनल मुकाबला देखने के लिए विशेष तौर पर पहुंचे थे। उनके साथ एक मिस्ट्री गर्ल को भी देखा गया। क्योंकि बीते दिनों ही युजी चहल की पत्नी धनश्री के साथ तलाक की खबरें बाहर आई थीं ऐसे में नई गर्ल के साथ दिखने पर चहल बड़ी तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। उक्त लड़की सफेद कलर के टॉप में थी जिसने आंखों पर काला चश्मा लगा रखा था। दोनों एक दूसरे के साथ नर्मी के साथ बात करते दिखे जिसके बाद सोशल मीडिया पर उनकी फोटोज और वीडियोज वायरल हो गई।

महिला हॉकी राष्ट्रीय चैम्पियनशिप: झारखंड, महाराष्ट्र और मिजोरम सेमीफाइनल में

एजेंसी

पंचकूला। 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले रोमांचक रहे। हॉकी झारखंड, हॉकी महाराष्ट्र और हॉकी मिजोरम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली। चौथा क्वार्टर फाइनल मुकाबला आज हॉकी हरियाणा और हॉकी चंडीगढ़ के बीच खेला जाएगा।

पहला क्वार्टर फाइनल: झारखंड ने मध्य प्रदेश को 3-1 से हराया

पहले क्वार्टर फाइनल में हॉकी झारखंड ने हॉकी मध्य प्रदेश को 3-1 से हराकर सेमीफाइनल का टिकट कटाया। झारखंड की कप्तान अलबेला रानी टोप्पो ने चौथे मिनट में पहला गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद 41वें मिनट में रजनी केरकेट्टा और 59वें मिनट में प्रमोदनी लकड़ा ने गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। मध्य प्रदेश की ओर से करिश्मा यादव ने 55वें मिनट में सांत्वना गोल किया।

दूसरा क्वार्टर फाइनल: महाराष्ट्र की कर्नाटक पर 5-0 से बड़ी जीत

दूसरे क्वार्टर फाइनल में हॉकी महाराष्ट्र ने हॉकी कर्नाटक को 5-0 के बड़े अंतर से शिकस्त दी। महाराष्ट्र के लिए आकांक्षा सिंह (41', 54') ने दो गोल किए। वहीं, प्रियंका वानखड़े (30'), काजल सदाशिव अतपडकर (44') और योगिता बोरा (59') ने भी एक-एक गोल कर टीम को जोरदार जीत दिलाई। इस शानदार प्रदर्शन के साथ महाराष्ट्र ने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली।

तीसरा क्वार्टर फाइनल:मिजोरम ने बंगाल को 1-0 से हराया

तीसरे क्वार्टर फाइनल में हॉकी मिजोरम और हॉकी बंगाल के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला।

दोनों टीमों ने जबरदस्त खेल दिखाया, लेकिन मिजोरम की दीपिका ने 50वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को 1-0 से जीत दिला दी।

बंगाल ने वापसी करने की कोशिश की, लेकिन मिजोरम की मजबूत रक्षापंक्ति के आगे वे गोल करने में नाकाम रहे।

शीतकालीन खेलों के पहले दिन सेना ने जीते सात पदक

एजेंसी

गुलमर्ग। गत चैंपियन भारतीय सेना ने खेलो इंडिया शीतकालीन खेल 2025 के दूसरे चरण में सात पदक जीतकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। आज यहां हुई स्पर्धाओं में सेना ने दो स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक जीते। हिमाचल प्रदेश ने एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीता। वहीं मेजबान केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर ने एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर खेलो इंडिया शीतकालीन के दूसरे चरण का शानदार आगाज किया।

भारतीय सेना ने नॉर्डिक स्कीइंग पुरुषों की 10 किमी स्पर्धा में तीनों पदक जीतकर दबदबा बनाया। सनी सिंह ने स्वर्ण, मंजीत ने रजत और राज दीन ने कांस्य पदक जीता। नॉर्डिक स्कीइंग महिलाओं की पांच किमी स्पर्धा में कर्नाटक की भवानी थेक्कड़ा ने 17:43.47 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। सेल्मा सोरेंग और कुसुम राणा की आईटीबीपी जोड़ी ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते। स्की पर्वतारोहण पुरुष स्प्रिंट स्पर्धा में, राजेश्वर सिंह ने भारतीय सेना के लिए 15 मिनट 13.40 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। सिद्धार्थ गाडेकर ने महाराष्ट्र के लिए एकमात्र पदक जीता, उन्होंने 15:30.91 के समय के साथ रजत पदक जीता। उत्तराखंड के मयंक डिमरी को कांस्य पदक मिला। अल्पाइन स्कीइंग पुरुष स्लैलम में हिमाचल प्रदेश के योगेश कुमार ने स्वर्ण पदक जीता, इसके बाद सेना की जोड़ी जिग्मेट राफस्तान (रजत) और बाकिर हुसैन (कांस्य) ने पदक हासिल किया।

स्नोबोर्डिंग के पुरुष स्लैलम में स्थानीय पसंदीदा मेहराजुद्दीन खान और जुबैर अहमद लोन ने मेजबान टीम के लिए पहला और दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि सेना के विवेक राणा ने कांस्य पदक जीता। स्नोबोर्डिंग के महिला स्लैलम में उत्तराखंड की मेनका गुंजियाल ने 24:44.90 के प्रभावशाली समय के साथ स्वर्ण पदक जीतने की दौड़ में अपना दबदबा बनाया। हिमाचल प्रदेश की साक्षी ठाकुर और नताशा महार की जोड़ी ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते।

आज हुई स्पर्धा के नतीजों के साथ लद्दाख चार स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक के साथ पदक तालिका में सबसे आगे है। भारतीय सेना तीन स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य पदक के साथ दूसरे स्थान पर है। इससे पहले, लद्दाख संघ राज्य पहले चरण में सात पदक जीतकर शीर्ष पर रहा। उसके बाद तमिलनाडु ने तीन स्वर्ण सहित पांच पदक जीते थे। महाराष्ट्र ने सबसे अधिक पदक (10) जीते, लेकिन केवल दो स्वर्ण के कारण वे तीसरे स्थान पर रहे।

एक्ट्रेस-कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा और स्टार स्पिनर युजवेंद्र चहल तलाक लेकर अलग हो चुके हैं. अब दोनों के रिश्ते पर बड़ा खुलासा हुआ है. ये खुलासा उर्फी जावेद ने किया है. उन्होंने बताया कि जब दोनों के तलाक की अफवाहें उड़ रही थीं तब उन्हें धनश्री ने धन्यवाद दिया था. आइए जानते हैं कि इसकी आखिर क्या वजह थी.

युजवेंद्र चहल से तलाक से पहले

उर्फी जावेद से क्या बोली थीं धनश्री?

एक्ट्रेस ने सच बताया

एक्ट्रेस और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा ने बीते दिनों भारत के स्टार क्रिकेटर युजवेंद्र चहल से तलाक ले लिया था. युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा ने हाल ही में अपनी चार साल पुरानी शादी तोड़ ली थी. दोनों के तलाक को लेकर लंबे समय से चर्चाएं थीं, लेकिन हाल ही में आखिरकार दोनों तलाक लेकर अलग हो गए. जब दोनों के तलाक की अफवाहें उड़ रही थीं तब धनश्री के सपोर्ट में बिग बॉस ओटीटी के पहले सीजन की कंटेस्टेंट और एक्ट्रेस उर्फी जावेद उतरी थीं.

उर्फी जावेद ने धनश्री के बुरे समय में उनका सपोर्ट करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया था. इसके बाद धनश्री ने उर्फी जावेद से कॉन्टैक्ट करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया था. ये खुलासा खुद उर्फी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में किया. उन्होंने बताया कि जब उन्होंने धनश्री के सपोर्ट में पोस्ट किया था तो धनश्री का क्या रिएक्शन आया था.

उर्फी की पोस्ट पर धनश्री ने क्या कहा ?

उर्फी जावेद ने ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे को दिए इंटरव्यू में एक बड़ा खुलासा किया. होस्ट ने इंटरव्यू के दौरान चहल और धनश्री के रिश्ते का जिक्र करते हुए कहा कि देखा जाता है कि अक्सर धनश्री की पोस्ट पर आपत्तिजनक कमेंट किए जाते हैं. इस पर उर्फी ने बताया कि कैसे दो लोगों के बीच रिश्ते में सिर्फ महिला को टारगेट किया जाता है वो भी उस समय जब सामने कोई पुरुष एथलीट हो. तो महिला को किसी विलेन की तरह समझा जाता है. उर्फी ने इंटरव्यू में कहा, "मैंने उनके (धनश्री) लिए एक स्टोरी शेयर की थी. इसके बाद उन्होंने मुझे धन्यवाद कहा था. मेरा मानना था कि उनके साथ गलत हो रहा है. और वो बहुत मुश्किल समय से गुजर रही थीं.

उर्फी ने पोस्ट में क्या लिखा था ?

उर्फी जावेद पुरुष क्रिकेटर्स के तलाक या ब्रेकअप के दौरान लोगों द्वारा सिर्फ महिला को निशाना बनाए जाने से नाराज थीं. उन्होंने पोस्ट में लिखा था जब भी किसी क्रिकेटर का तलाक या ब्रेकअप होता है तो महिला को भला-बुरा कहा जाता है, हार्दिक पंड्या और नताशा स्टेनकोविच के केस में भी ऐसा ही हुआ था, जबकि लोगों को पता भी नहीं होता है कि दो लोगों के बीच क्या चल रहा है ? यहां तक विराट कोहली के खराब प्रदर्शन के लिए अनुष्का शर्मा को दोषी बताया गया. क्यों हमेशा पुरुष के काम के लिए महिला को दोषी ठहरा दिया जाता है ?

ये गलतियां करके आज भी पछता रही होंगी अनुष्का शर्मा, ठुकरा दी थी कई बड़ी फिल्में, 2 ने जमकर छापे नोट

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा लंबे समय से किसी फिल्म में नजर नहीं आई हैं. कई शानदार फिल्मों का हिस्सा रहीं अनुष्का अपने बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड कर रही हैं और वो बड़े पर्दे से दूर हैं. उन्होंने अपने अच्छे खासे करियर में कई शानदार फिल्में दी हैं, लेकिन इस दौरान एक्ट्रेस से कई बड़ी गलतियां भी हुईं और उन्होंने कई फिल्मों को रिजेक्ट कर दिया, जिसमें से बाद में दो फिल्में बड़ी सुपरहिट रहीं. आइए जानते हैं कि अनुष्का द्वारा रिजेक्ट की गई वो फिल्में कौन-कौन सी थी ?

थ्री इडियट्स

आमिर खान, शरमन जोशी और आर माधवन की साल 2009 में आई ये फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी. फिल्म में करीना कपूर ने भी काम किया था. लेकिन पहले उनका रोल अनुष्का शर्मा को ऑफर हुआ था और उन्होंने इसके लिए ऑडीशन भी दिया था, लेकिन बाद में बात नहीं बन पाई. भारत में इस फिल्म ने 274 करोड़ रुपये कमाए थे.

की एंड का

की एंड का में करीना कपूर ने खुद से पांच साल छोटे अर्जुन कपूर के साथ जमकर रोमांटिक सीन दिए थे. ये फिल्म सेमी हिट थी और इंडियन बॉक्स ऑफिस पर इसने 70 करोड़ रुपये तक कमाई की थी. करीना वाला रोल पहले अनुष्का शर्मा को ऑफर हुआ था, लेकिन उन्होंने इसे रिजेक्ट कर दिया था.

आगाडू

आगाडू एक साउथ इंडियन फिल्म है, जिसमें महेश बाबू और तमन्ना भाटिया ने काम किया था. इस हिट फिल्म के लिए पहले अनुष्का शर्मा से कॉन्टैक्ट किया गया था. हालांकि कहा जाता है कि अनुष्का ने समय की कमी के कारण इस फिल्म में दिलचस्पी नहीं दिखाई थी.

2 स्टेट्स

साल 2014 में रिलीज हुई 2 स्टेट्स में अर्जुन कपूर और आलिया भट्ट ने काम किया था. बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म छा गई थी और इसने 142 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म के लिए भी अनुष्का को अप्रोच किया गया था, लेकिन एक्ट्रेस ने इस फिल्म को भी रिजेक्ट कर दिया था. बाद में आलिया की फिल्म में एंट्री हुई थी.

बार-बार देखो

फिल्म बार-बार देखो साल 2016 में आई थी. मेकर्स इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा के अपोजिट अनुष्का को लेना चाहते थे, लेकिन अनुष्का ने ऑफर ठुकरा दिया था. बाद में कटरीना कैफ की फिल्म में एंट्री हुई. हालांकि बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म कोई खास कमाल नहीं कर पाई.

Chhaava: बॉक्स ऑफिस के किंग बने विकी कौशल! 'छावा' बनी 2025 की पहली 500 करोड़ी फिल्म

Chhaava Box Office Collection Day 23: विकी कौशल और रश्मिका मंदाना स्टारर छावा गुजरते दिनों के साथ नए-नए रिकॉर्ड सेट करती हुई जा रही है. छावा की छप्परफाड़ कमाई ने हर किसी को हैरान किया हुआ है. फिल्म रिलीज के पहले दिन से ही धमाका करती हुई नजर आ रही है. वहीं इसी बीच विकी कौशल की छावा ने अजय देवदन, कंगना रनौत और अक्षय कुमार की इस साल रिलीज हुई फिल्मों को धोबी पछाड़ दे डाली है. छावा ने इन सभी फिल्मों को मात देते हुए 500 करोड़ के क्लब में एंट्री ले ली है. इसकी के साथ ही ये फिल्म साल 2025 की पहली 500 करोड़ी फिल्म बन गई है.

विकी कौशल के लिए छावा एक बेहतरीन फिल्म साबित हुई हैं. हर किसी को एक्टर का काम भी पसंद आया है. लक्ष्मण उतेकर के डायरेक्शन में बनी छावा ने अपने चौथे शनिवार (23वें दिन) को फिर से डबल डिजीट का कलेक्शन किया और इसके साथ ही फिल्म ने 500 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया. हिंदी भाषा में स्त्री 2 ने जहां 22वें दिन, जवान ने 18 दिन और पुष्पा 2 ने महज 11 दिन में 500 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया था. लेकिन चौथे नंबर पर सबसे तेज हिंदी भाषा में 500 करोड़ छूने वाली छावा है.

500 करोड़ पार विकी कौशल की छावा

सैकनिल्क की ताजा रिपोर्ट की मानें तो रिलीज के 23वें दिन विकी और रश्मिका की छावा ने 16.5 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसके साथ ही इंडिया में फिल्म ने हिंदी भाषा में अब तक 503.3 का कलेक्शन कर लिया है. वहीं इन आंकड़ों में अगर तेलुगू भाषा की भी कमाई जोड़ दी जाए तो छावा की टोटल कमाई 508.8 करोड़ हो गई है. इतना ही नहीं छावा ने दुनियाभर में 682.35 करोड़ की कमाई कर डाली है.

इन फिल्मों पर मंडरा रहा है खतरा

विकी कौशल की छावा अब बड़ी-बड़ी फिल्मों के लिए खतरे की घंटी बनती जा रही है. इस फिल्म की कमाई की रफ्तार अगर ऐसी ही रही तो शाहरुख खान की पठान का हिंदी भाषा का रिकॉर्ड टूटना तो तय है. साथ ही सनी देओल की गदर और रणबीर कपूर की एनिमल के रिकॉर्ड भी टूटने की कगार पर आ जाएंगे.

प्रिंस नरूला

संग तलाक की खबरों पर

युविका चौधरी

ने तोड़ी चुप्पी, बोलीं- क्लियर करने की जरूरत...

प्रिंस नरूला और युविका चौधरी कोफी फेमस कपल के तौर पर जाने जाते हैं. दोनों ने साल 2018 में शादी रचाई थी. हालांकि, कुछ वक्त पहले जब युविका ने प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की थी, तो उसके कुछ वक्त बाद ही दोनों के अलग होने की भी अफवाह फैली थी. जिसके बारे में अब युविका ने बात की है.

रियलिटी शो के बनाए गए रिश्ते काफी ज्यादा दिनों तक नहीं चलते हैं, हालांकि लोगों को इस तरह की बातों को कुछ कपल्स ने गलत साबित किया है. इन्हीं में एक नाम शामिल है प्रिंस नरूला और युविका चौधरी का. दोनों की मुलाकात बिग बॉस के दौरान हुई थी, हालांकि दोनों में बढ़ती नजदीकियों को देखने के बाद कई लोगों ने ऐसा कहा था कि वो दोनों ज्यादा दिनों तक साथ नहीं रहेंगे. लेकिन कपल ने सभी को गलत साबित कर दिया और शादी रचा ली. हालांकि, दोनों के अलग होने की खबर बीच में आई थी, जिस पर अब युविका ने अपनी चुप्पी तोड़ी है.

प्रिंस और युविका ने साल 2018 में शादी की थी, दोनों ने इसके पहले कुछ वक्त तक एक-दूसरे को डेट किया था. हालांकि, कुछ वक्त पहले दोनों के अलग होने की खबर तेजी से फैल रही थी, लेकिन अब युविका ने इस मामले पर बात करते हुए इसे केवल अफवाह बताई है. दरअसल, इन खबरों की शुरुआत तब हुई जब प्रिंस ने अपने एक व्लॉग में इस बात का जिक्र किया था कि वो युविका के डिलीवरी डेट के बारे में नहीं जानते थे. इसके बारे उनके क्रिप्टिक पोस्ट ने इस अफवाह को और हवा दे दी.

'प्रिंस काफी इमोशनल हो गए थे'

हालांकि, युविका ने इस बात की कंफर्मेशन दी है कि उनके और प्रिंस के बीच सब बिल्कुल सही है. ईटाइम्स टीवी के साथ बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि इस तरह की अफवाहों का प्रिंस पर काफी ज्यादा अफेक्ट हुए थे. हालांकि, उन्होंने साथ में ये भी कहा कि उन्हें कभी-कभी ऐसा लगता है कि इस तरह की बातों का क्लियर करने की जरूरत नहीं होती है. युविका ने बताया कि प्रिंस काफी इमोशनल हो गए थे.

क्यों रह रही थीं अपने मां के घर ?

युविका ने आगे कहा कि एक वक्त पर जब मैंने कहा कि प्रिंस बिजी हैं, तो मेरा मतलब था कि वह काम में बिजी हैं. अफवाहों के शुरुआत के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि ये तब शुरू हुआ दब वो अपनी मां के घर रहने गई थीं. उन्होंने इस पर बात करते हुए कहा कि वो इस वजह से गई थीं, क्योंकि उनके और प्रिंस के घर में कुछ कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा था. युविका ने कहा कि मुझे नहीं लगा था कि लोगों को ये बात समझानी पड़ेगी.